केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- समझौते में हम कृषि क्षेत्र की सुरक्षा करने में रहे सफल - 7

अमेरिका के औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की श्रृंखला पर शुल्क शून्य करेगा भारत - 10

ड्रोन हमले की घटना के बाद ईरान अमेरिका वार्ता की उम्मीद धूमिल - 11

आरसीबी की निगाह दूसरे खिताब पर, मिथक तोड़ने उतरेगी दिल्ली - 12

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
9.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.58
सूर्यास्त 05.55

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्थी 12:22 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 5 फरवरी 2026, वर्ष 7, अंक 72, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एक्सप्रेस-वे 30 घंटे जाम

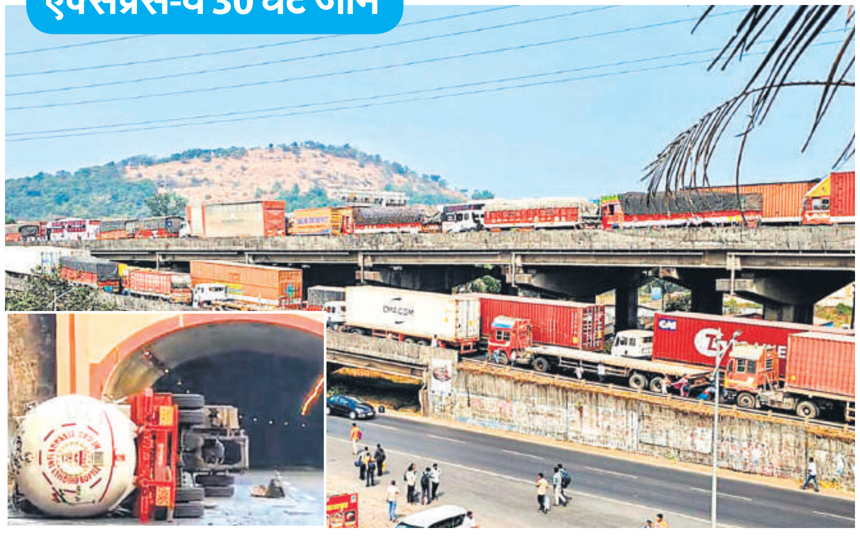

पुणे : मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बुधवार को खंडाला घाट खंड में एक गैस टैंकर के पलट जाने के बाद 30 घंटे से भी ज्यादा समय से जाम लगा हुआ है। जाम में कई किमी तक फंसे हजारों वाहनों में मौजूद महिलाओं और बच्चों का बुरा हाल हो गया।

एसआईआर: ममता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- लोकतंत्र को बचा लें

- दलील दी - लोगों के अधिकारों को कुचल रहा है चुनाव आयोग
- आयोग, पश्चिम बंगाल के सीईओ को नोटिस, 9 को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को एसआईआर पर सुनवाई के दौरान खुद सुप्रीम कोर्ट में दलीलें पेश कीं और चुनाव आयोग पर राज्य को निशाना बनाकर लोगों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाते हुए शीर्ष कोर्ट से लोकतंत्र की रक्षा करने की अपील की। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने ममता बनर्जी की याचिका पर चुनाव आयोग और बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को नोटिस जारी कर नौ फरवरी तक जवाब मांगा है।

ममता बनर्जी ने कोर्ट में दलीलें देते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन असम में अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं। ममता ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग आधार कार्ड स्वीकार नहीं कर रहा है और संशोधन के लिए मतदाताओं से अन्य दस्तावेज मांग रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया है। यहां तक कि विवाहित महिलाओं को अपने ससुराल में रहने या अपने पति का उपनाम इस्तेमाल करने पर नोटिस भेजा जा रहा है।

सुनिश्चित करेंगे, कोई निर्दोष न छूटे : सीजेआई

सीजेआई सूर्यकांत ने बांग्ला में बोलचाल का जिक्र करते हुए कहा कि कभी-कभी इसकी वजह से नामों की वर्तनी गलत हो जाती है। मतदाता सूची में संशोधन के दौरान प्रवासन से संबंधित मामले भी देखे जाते हैं लेकिन पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में होने चाहिए। उन्होंने कहा, हर समस्या का समाधान होता है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी निर्दोष व्यक्ति इससे वंचित न रह जाए। अदालत कक्ष में उस समय तमाम वकील उमड़ पड़े जब ममता बनर्जी अपनी दलीलें रख रही थीं।

व्हाट्सएप आयोग

- सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं ममता ने सीजेआई सूर्यकांत से पांच मिनट के लिए खुद दलीलें पेश करने की अनुमति मांगी। सीजेआई ने कहा कि अदालत उन्हें पांच नहीं बल्कि 15 मिनट का समय देगी।
- आयोग के वकील ने बीच में दखल दिया तो ममता ने हाथ जोड़कर कहा, कृपया मुझे बोलने की अनुमति दें महोदय। सीजेआई ने वकील से कहा, मैडम बोलने के लिए इतनी दूर तक आई हैं।
- मुख्यमंत्री ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा। उनका इशारा आयोग द्वारा चुनाव अधिकारियों को व्हाट्सएप पर कथित रूप से भेजे जा रहे निर्देशों की ओर था।

ब्रीफ न्यूज

उड़ानें रद्द होने के मामले में इंडिगो के खिलाफ जांच का आदेश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने परिचालन अड़चनों के कारण दिसंबर में हजारों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में बुधवार को देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के खिलाफ विस्तृत जांच का आदेश दिया। घटना के करीब दो महीने बाद जारी इस आदेश में सीसीआई ने कहा कि बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द कर इंडिगो ने अपनी निर्धारित क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बाजार से हटा लिया, जिससे कृत्रिम अभाव की स्थिति पैदा हुई और व्यस्त मांग के दौरान यात्रियों की हवाई यात्रा तक पहुंच सीमित हुई।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र नौ से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 2026-27 नौ फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक चलेगा। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की ओर से दोनों सदनों को एक साथ संबोधित करने के साथ ही सत्र की शुरुआत होगी। उसी दिन राज्यपाल का अभिभाषण पढ़ा जाएगा और अध्यादेश, अधिसूचनाएं, नियम आदि औपचारिक कार्य सदन के पटल पर रखे जाएंगे। बुधवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट सदन में प्रस्तुत किया जाएगा। सत्र के दौरान बजट और उससे संबंधित प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा होगी और यह 20 फरवरी तक संचालित रहेगा।

मुक्तिनाथ तीर्थयात्रा के लिए नेपाल-भारत के बीच सीधी बस सेवा

काठमांडू। नेपाल की बेनी नगरपालिका को भारत की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने वाली सीधी बस सेवा शुरू की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, इस बस सेवा के जरिए प्रसिद्ध हिंदू और बौद्ध तीर्थस्थल मुक्तिनाथ की यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी। बेनी को नेपाल के गंडकी प्रांत के मुस्तांग जिले में स्थित प्राचीन विष्णु मंदिर मुक्तिनाथ का प्रवेश द्वार माना जाता है। मुक्तिनाथ मंदिर, हिंदू और बौद्ध दोनों समुदाय के लोगों के लिए पवित्र है। मुक्तिनाथ को 'मुक्ति के देवता' के रूप में जाना जाता है। हिंदू और बौद्ध धर्म के अनुयायी इसे क्रमशः हिंदू देवता विष्णु और बौद्ध देवता अवलोकितेश्वर से संबंधित पवित्र स्थान मानकर इसकी पूजा करते हैं।

भारी हंगामे के बीच लोकसभा दिन भर के लिए स्थगित, मोदी का संबोधन टला

नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के अंश न पढ़ने देने पर गतिरोध बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को भी लोकसभा जंग का मैदान बनी रही और उसकी कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद शाम पांच बजे दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। भारी हंगामे के बीच विपक्षी सदस्यों ने आसन के सामने कागज भी शाम पांच बजे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देना था, लेकिन प्रधानमंत्री का संबोधन भी टल गया।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के अप्रकाशित पुस्तक के अंश पढ़ने की अनुमति नहीं मिलने और आठ विपक्षी सदस्यों के निलंबन के मुद्दे पर लोकसभा में गतिरोध बना रहा। पूर्वाह्न 11 बजे सदन की बैठक शुरू होते ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्नकाल शुरू कराया ही था कि विपक्ष के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया।

विपक्षी सदस्यों ने आसन के समीप और सत्तापक्ष की पंक्तियों के सामने आकर नारेबाजी की। बिरला की रोकटोक के बाद भी विपक्षी सदस्यों का शोरशराबा नहीं थमा तो उन्होंने पांच मिनट बाद ही बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई तो वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वक्तव्य पढ़ा। कुछ देर बाद ही हंगामे के बीच बिरला ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके बाद शाम पांच बजे और फिर पूरे दिन के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में बुधवार को विपक्ष के सांसदों ने आसन के सामने आकर की नारेबाजी।

राहुल ने कहा गद्दार, बिट्टू बोले- कांग्रेस नेता देश के दुश्मन

नई दिल्ली। राहुल गांधी और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच तब कुछ नोकझोंक हुई जब संसद परिसर में कांग्रेस नेता ने उन्हें गद्दार कहकर संबोधित किया और जवाब में बिट्टू ने कांग्रेस नेताओं को देश के दुश्मन बताया। संसद के मकर द्वार के निकट निलंबित आठ विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन के दौरान गुजर रहे कांग्रेस नेता रह चुके बिट्टू टिप्पणी करते सुने गए कि ये जंग जीतकर आए हैं। इस पर राहुल गांधी ने कहा, देखिए यहां एक गद्दार चला आ रहा है...मेरे गद्दार मित्र, चिंता मत करो, वापस आ जाओ। इस पर बिट्टू ने कहा कि ये देश के दुश्मन हैं।

पुस्तक के जवाब में पुस्तक निशिकांत दुबे ने की नेहरू को घेरने की कोशिश

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी बुधवार को सदन में नरवणे की पुस्तक के जवाब में कुछ पुस्तकें लेकर पहुंचे और उनका जिक्र करते हुए नेहरू-गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने का आरोप लगाया। इस दौरान पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने किसी पुस्तक या पत्र का उल्लेख न करने संबंधी अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश का उल्लेख किया, लेकिन दुबे किताबों को दिखाते हुए उनके लेखकों और उनमें लिखी सामग्री के बारे में टिप्पणी करते रहे।

बिरला ने समझाया, नहीं माने

बिरला ने नाराजगी जताते हुए कहा, इस देश में आप सरकार में रहे हैं। फिर भी सदन की मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम लिए बगैर कहा, आप चुनकर आते हैं। सदन के अंदर और बाहर विरोध का तरीका होता है। हालांकि इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा।

ऑनलाइन गेम का टास्क... तीन बहनें नौवीं मंजिल से कूदीं, मौत

- गाजियाबाद के साहिबाबाद में हुई दिल दहलाने वाली घटना, नाबालिग थीं तीनों कोरियन 'लव गेम' की लत की थीं शिकार

गाजियाबाद, एजेंसी

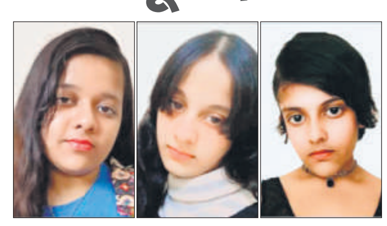

निशिका प्राची पाखी

ऑनलाइन टास्क आधारित कोरियन गेम 'लव गेम' की लत की शिकार तीन नाबालिग बहनों ने गाजियाबाद के साहिबाबाद में मंगलवार देर रात नौवीं मंजिल के एक फ्लैट की बालकनी से कूदकर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक कुछ दिनों पहले परिवार ने उनके इस गेम को खेलने पर रोक लगा दी थी, जिसकी वजह से वे परेशान थीं। संभवतः इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

शालीमार गार्डन के एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि तीनों बहनें ऑनलाइन कोरियन गेम 'लव गेम' की आदी थीं, माता-पिता उनके बहुत ज्यादा गेम खेलने पर आपत्ति जताते थे। कोरियन टास्क-बेस्ड गेम में खिलाड़ियों को लक्ष्य दिए जाते हैं, उसी से गेम आगे बढ़ता है। पुलिस की जांच में पता चला कि लड़कियां कोरियन सामग्री से काफी प्रभावित थीं और ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर बिताती थीं। एसीपी के मुताबिक मंगलवार देर रात 2:15 बजे सूचना मिली थी कि साहिबाबाद के टीला मोड़ थना क्षेत्र में 'भारत सिटी' के एक टावर की नौवीं मंजिल से तीन लड़कियों ने छलांग लगा दी है। मौके पर पहुंची पुलिस भूतल पर गिरकर बुरी तरह घायल निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) को एंबुलेंस से लोनी के एक अस्पताल ले गई जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। लड़कियों के पिता चेतन कुमार ने बताया कि घटना के दौरान पूरा परिवार सो रहा था। लड़कियां पानी पीने के बहाने उठीं, अंदर से दरवाजा बंद किया और बालकनी से कूद गईं। उन्होंने बताया कि लड़कियों के पास मोबाइल फोन थे।

कोविड काल में लगी लत, दो साल पहले छोड़ दी पढ़ाई

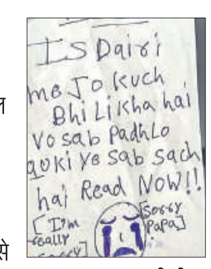

पुलिस के मुताबिक, बहनें कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन गेम की आदी हो गई थीं। यह लत उन्हें इतनी बुरी तरह लगी कि दो साल पहले उन्होंने स्कूल जाना भी छोड़ दिया। एसीपी ने बताया कि तीनों नहाने से लेकर खाने तक और सोने से लेकर स्कूल जाने तक सब कुछ एक साथ करती थीं। पहले भी पढ़ाई में उनका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था। पुलिस को लड़कियों की एक डायरी मिली है जिसमें एक नोट में लिखा है, इस डायरी में लिखी हर बात पढ़ लेना, सब यहीं है। रोते हुए चेहरे के इमोजी के साथ लिखा था, आई एम रियली सॉरी... सॉरी पापा।

मुठभेड़ में जैश के टॉप कमांडर समेत तीन आतंकवादी ढेर

जम्मू, एजेंसी

- उधमपुर और किश्तवाड़ क्षेत्र में सुरक्षा बलों को मिली कामयाबी, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक गुफा में छिपे जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक स्वघोषित शीर्ष कमांडर रुबानी उर्फ अबू मविया समेत दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में मार गिराया। किश्तवाड़ में भी बुधवार शाम एक संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया है

अधिकारियों के मुताबिक दोपहर के वक्त जब सुरक्षा बलों ने गुफा पर धावा बोला। गोलीबारी के बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के पास से बरामद किया गया, दूसरे का शव गुफा के अंदर मिला। आतंकवादियों के पास से एक एम4 कार्बाइन और एक एके असॉल्ट राइफल समेत भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। किश्तवाड़ के दिच्छर क्षेत्र में बुधवार शाम लगभग 5.45 बजे सुरक्षा बलों की आतंकवादियों से मुठभेड़ हुई। सेना के व्हाइट नाइट कोर्प के मुताबिक इसमेंएक आतंकवादी को मार गिराया गया।

संविदा शिक्षकों को 17 हजार वेतन दे उप्र सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के हजारों संविदा शिक्षकों को बड़ी राहत देते हुए फैसला सुनाया है कि वे 2017-18 से 17 हजार रुपये मासिक वेतन पाने के हकदार होंगे और उनके अनुबंध की समाप्ति के बाद उन्हें स्थाई रूप से नियुक्त माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इन शिक्षकों का पारिश्रमिक हमेशा के लिए 7,000 रुपये तय करने का तरीका अन्यायपूर्ण, जबरन काम कराने और बेगार के समान है, जिसपर संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत कड़ी पाबंदी है।

उत्तर प्रदेश सरकार की अपील खारिज करते हुए न्यायमूर्ति पंकज मिश्रा और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने राज्य को आदेश दिया कि वह एक अप्रैल 2026 से इन शिक्षकों को प्रति माह 17,000 रुपये के हिसाब से मानदेय देना शुरू करे और बकाया राशि का भुगतान छह महीने के अंदर किया जाए। अदालत ने कहा, आंशिक समय या संविदा पर नियुक्त प्रशिक्षकों/शिक्षकों की नियुक्ति प्रारंभिक 11 महीने के अनुबंध या विस्तारित अनुबंध की अवधि समाप्त होने पर संविदा नियुक्ति नहीं रह जाती।

7,000 का वेतन बेगार कराने जैसा : शीर्ष कोर्ट

- उच्च प्राथमिक विद्यालयों में तैनात हजारों शिक्षकों को बड़ी राहत
- 2017-18 से लागू होगा आदेश, छह महीने में देना होगा बकाया वेतन

नीट पीजी के कटऑफ पर्सेंटाइल घटाने पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा नीट-पीजी 2025-26 में दाखिले के लिए पात्रता कटऑफ पर्सेंटाइल में भारी कमी करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर बुधवार को केंद्र से जवाब मांगा। कोर्ट ने केंद्र, एनबीईएमएस, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग को नोटिस जारी किए हैं। देश भर में 18,000 से अधिक सीट खाली रहने के कारण बोर्ड ने नीट पीजी 2025 की पात्रता पर्सेंटाइल को संशोधित किया है। आरक्षित श्रेणियों के लिए इसे 40 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया है जिससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी भी स्नातकोत्तर मेडिकल सीट के लिए काउंसलिंग के तीसरे दौर में शामिल हो सकेंगे।

पूर्व समाज कल्याण अधिकारी की 4.5 करोड़ की संपत्ति कुर्क

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर में हुए वृद्धावस्था पेंशन घोटाले का गैंग लीडर था राजेश कुमार

अमृत विचार : वर्ष जून 2023 में बड़े पैमाने पर वृद्धावस्था पेंशन घोटाला करने वाले गैंग के लीडर व तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार की बुधवार को चल-अचल संपत्तियों समेत करीब साढ़े चार करोड़ रुपये कीमत की संपत्तियों को कुर्क कर लिया गया।

यह कार्रवाई जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप की ओर से जारी आदेश पर गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 14(1) के अंतर्गत की गई। प्रशासन ने कुर्क संपत्तियों का अनुमानित मूल्य 4 करोड़ 49 लाख 24 हजार 948 रुपये आंका है। इनमें राजेश के नाम एक महिंद्रा एक्सयूवी कार, एक महिंद्रा बोलेरो कार और उसके पुत्र के नाम पंजीकृत एक होंडा कार एलिवेट जेडएक्स शामिल है। सीतापुर की सिंधौली तहसील के गांव अटरिया में कृषि भूमि, पत्नी मंगीता सिंह के नाम लखनऊ के गांव पारा रिंग रोड पर 120.817 वर्गमीटर का भवन तथा काकोरी के गांव सरोसा भरोसा में एक गेस्ट हाउस कुर्क किया गया है।

जनगणना: दूसरे चरण से पहले अधिसूचित होंगे जाति संबंधी प्रश्न

नई दिल्ली। जनगणना के द्वितीय चरण में जाति की गणना की जाएगी और जाति संबंधी प्रश्न दूसरा चरण शुरू होने से पहले अधिसूचित होंगे।

संसद में गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने लिखित जवाब में कहा कि जनगणना 2027 करवाने की मंशा अधिसूचित कर दी गई है। भारत में जनगणना दो चरणों में होती है और प्रथम चरण यानी मकान सूचीकरण कार्य में प्रत्येक परिवार की आवासीय स्थिति, संपत्तियों, सुविधाओं आदि की जानकारी एकत्र की जाती है। द्वितीय चरण यानी जनसंख्या जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति के जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, एवं अन्य विवरण एकत्र किए जाते हैं।

मेडिकल डिवाइस पार्क | मैन्युफैक्चरिंग का हब बना यीडा, 101 इकाइयों को मिला भूमि आवंटन

औद्योगिक इकाइयों के लिए 188 .15 एकड़ भूमि आरक्षित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 22 नए प्लॉट्स आवंटन के लिए प्रस्तावित, 11 फरवरी तक किया जा सकेगा आवेदन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में मेडिकल डिवाइस पार्क तेजी से आकार ले रहा है।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-28 में 350 एकड़ में विकसित हो रहे इस पार्क में अब तक 101 औद्योगिक इकाइयों को प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, जिनमें से 12 इकाइयों ने निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। नए प्लॉट्स के लिए आवेदन लेना शुरू हो गए हैं। यीडा के अधिकारियों के अनुसार, मेडिकल डिवाइस पार्क में कुल 188.15 एकड़ भूमि औद्योगिक इकाइयों के लिए आरक्षित है, जहां 203 इंडस्ट्रियल प्लॉट विकसित किए गए हैं। इनमें से आधे से अधिक प्लॉट्स का आवंटन हो चुका है। 49 इकाइयों ने साइट का कब्जा ले लिया है, जबकि 62 लीज डीड निष्पादित की जा चुकी हैं। प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, 23 इकाइयों के भवन मानचित्र स्वीकृत हो चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि आने वाले कुछ माह में यहां उत्पादन गतिविधियां शुरू होने की संभावना है।

योगी मॉडल को मिलेगी अंतर्राष्ट्रीय पहचान

उद्योग विशेषज्ञों ने कहा, योगी सरकार के विजन के अनुरूप यमुना एक्सप्रेसवे, प्रस्तावित एयरपोर्ट और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम से यह क्षेत्र मेडिकल डिवाइस सेक्टर में निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। सरकार की नीतियों से आने वाले वर्षों में यूपी, मेडिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग का पावरहाउस बन सकता है। प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम पर फोकस

मेडिकल डिवाइस पार्क को एक समग्र औद्योगिक इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके तहत वेयरहाउस, ग्रीन एरिया, कामर्शियल जोन, कॉमन फैसिलिटी एरिया और पार्किंग व सड़क अवसंरचना का विकास किया गया है। पार्क में 18 .66 एकड़ ग्रीन एरिया, 9 .02 एकड़ वेयरहाउस प्लॉट और 4 .84 एकड़ कामर्शियल क्षेत्र शामिल हैं।

22 नए प्लॉट्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

यीडा ने निवेशकों के लिए नए अवसर खोलते हुए 22 अतिरिक्त औद्योगिक प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत 10 .32 एकड़ भूमि पर विकसित प्लॉट्स के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिनमें 1000 वर्गमीटर के 11 प्लॉट, 2100 वर्गमीटर के 9 प्लॉट तथा 5940 वर्गमीटर के 2 प्लॉट शामिल हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 11 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है।

न्यूज ब्रीफ

प्रदेश में कैंसर ट्रीटमेंट नेटवर्क स्थापित

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर के इलाज के लिए अब उत्तर प्रदेश के मरीजों को दिल्ली या मुंबई जाने की जरूरत नहीं है। लखनऊ से वाराणसी तक विकसित कैंसर ट्रीटमेंट नेटवर्क राज्य को देश का सबसे बड़ा और सुलभ कैंसर उपचार केंद्र बनाता है। राजधानी लखनऊ में कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान और वाराणसी में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर केंद्र और होमी भाभा कैंसर अस्पताल टाटा मेमोरियल मॉडल पर काम कर रहे हैं।

श्रमिकों को अधिकारों की दी जानकारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में श्रम संहिताओं के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रमिकों के अधिकारों की जानकारी देने के उद्देश्य से लखनऊ में संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रमुख सचिव (श्रम एवं सेवायोजन) डॉ. एमके शन्मुगा सुंदरम ने कहा कि श्रम संहिताओं का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा के साथ उन्हें मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। एपीसेन रोड स्थित कार्यालय में बुधवार को प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में संपन्न बैठक में मजदूरी संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य स्थितियां संहिता 2020 के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की गयी।

विधिक माप विज्ञान नियमों में संशोधन पर किया संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने और व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियमावली, 2011 में प्रस्तावित संशोधनों पर विचार-विमर्श किया गया है। नियंत्रक, विधिक माप विज्ञान, उप्र. की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित बैठक में हितधारकों के साथ व्यापक स्तर पर चर्चा की गई। बैठक में जनविश्वास अधिनियम-2023 के तहत लघु अपराधों को डिक्रिमिनलाइज कर सजा की बजाय अर्थदंड व्यवस्था लागू करने पर चर्चा हुई। इसके माध्यम से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और आम जनहित की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारा गया कुख्यातअपराधी

वाराणसी/लखनऊ, एजेंसी : वाराणसी के सारनाथ इलाके में एक कारोबारी की हत्या समेत कई जघन्य मामलों में आरोपी इनामी बदमाश मंगलवार देर रात मुठभेड़ में मारा गया। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने एक बयान में बताया कि यह मुठभेड़ चौबेपुर थाना अंतर्गत बारियासनपुर रिंग रोड पर हुई। उन्होंने बताया कि एसटीएफ को शार्प शूटर बनारसी यादव की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस पर मौके पर पहुंची एसटीएफ की टीम ने यादव को पकड़ने की कोशिश की लेकिन उसने गोलियां चलाई, पुलिस की जवाबी कार्रवाई में यादव को गोली लगी। उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि बनारसी यादव पर दो दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज थे और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। वह पिछले साल 25 अगस्त को सारनाथ इलाके में कारोबारी महेंद्र गौतम की हत्या के मामले में भी आरोपी था। यश के मुताबिक मौके से दो पिस्तौल और बड़ी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए हैं।

13 जिलों की अग्निवीर भर्ती कल से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ के छावनी स्थित एएमसी स्टेडियम में तैयारी शुरू
- रिक्रूटिंग जोन उप्र. और उत्तराखंड के तहत होगी रैली

अमृत विचार : रिक्रूटिंग जोन उप्र. और उत्तराखंड, रिक्रूटिंग ऑफिस (मुख्यालय) लखनऊ अंतर्गत 13 जिलों की अग्निवीर भर्ती रैली 6 से 20 फरवरी तक होगी। छावनी स्थित एएमसी सेंटर और कॉलेज के एएमसी स्टेडियम में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर (टेक्निकल), अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल और अग्निवीर (ट्रेड्समैन) की भर्ती रैली की तैयारी शुरू हो गई है। परिसर में टेंट से लेकर अन्य इंतजाम अभ्यर्थियों के लिए किए जा रहे हैं।

रैली में वे अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिन्होंने जुलाई 2025 में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास किया है। आर्मी रिक्रूटिंग ऑफिस (एआरओ) लखनऊ के तहत 13 जिले औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ के लगभग 13 हजार अभ्यर्थी शॉर्टलिस्ट किए गए हैं। अभ्यर्थियों को जारी किए गए एडमिट कार्ड पर बताई गई तारीख और समय पर 2 बजे (आधी रात) एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ में रिपोर्ट करना होगा।

18 को अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस भर्ती

18 फरवरी को अग्निवीर महिला मिलिट्री पुलिस की अलग से भर्ती रैली आयोजित होगी। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों से करीब एक हजार अभ्यर्थी भाग लेंगे। महिला अभ्यर्थियों को सुबह 4 बजे रिपोर्ट करना होगा। प्रक्रिया एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम में संपन्न होगी।

यूपी में बढ़ा राज्य पक्षी सारस का कुनबा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

20,628 कुल संख्या शीतकालीन गणना में दर्ज

3304 सर्वाधिक इटावा में पाए गए

अमृत विचार : प्रदेश के 68 वन प्रभागों में शीतकालीन गणना में कुल 20,628 सारस पाए गए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा है। वर्ष 2024 में शीतकालीन गणना के दौरान प्रदेश में 19,994 सारस दर्ज किए गए थे। जबकि वर्ष 2023 में प्रदेश में 19,196 सारस पाए गए थे। वन विभाग द्वारा कराई जाने वाली राज्यव्यापी गणना में प्रदेश में राज्य पक्षी सारस की संख्या लगातार बढ़ रही है।

वन विभाग के अनुसार, प्रदेश में सारस की गणना वर्ष में दो बार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन की जाती है। ताजा गणना में इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3304 सारस पाए गए। वहीं, प्रदेश के 10 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 500 से अधिक रही।

शीतकालीन गणना के आंकड़ों के मुताबिक, इटावा के बाद मैनपुरी में 2899, औरैया में 1283, शाहजहांपुर में 1078, गोरखपुर में 950, कन्नौज में 826, कानपुर देहात में 777, हरदोई में 752, सिद्धार्थनगर में 736 और संतकबीर नगर में 701 सारस पाए गए।

प्रदेश के 29 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 100 से 500 के बीच रही। इनमें रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव, बरेली, बाराबंकी, बांदा, फिरोजाबाद, बस्ती, अमेठी, अलीगढ़, बिजनौर, गौतमबुद्धनगर और बहराइच समेत कई जिले शामिल हैं।

गणना के दौरान 29 वन प्रभागों में सारसों की संख्या 100 से कम दर्ज की गई। इनमें पीलीभीत सामाजिक वानिकी, हमीरपुर, अयोध्या, कुशीनगर, हाथरस, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, आजमगढ़, जौनपुर, मऊ, रामपुर और हापुड़ जैसे जिले शामिल हैं।

वन विभाग के अनुसार, इस शीतकालीन गणना कार्यक्रम में प्रदेशभर से करीब 10 हजार नागरिकों ने सहभागिता की।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर वन विभाग वन्यजीव संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन गणनाओं से सारस संरक्षण की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जा रही है।

अयोध्या में बनेगी 'वैदेही आर्ट गैलरी'

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीअयोध्या धाम में गैलरी की स्थापना के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रतीकात्मक चित्र

- सीता मइया के जीवन संदेश से होगा साक्षात्कार
- मिथिला की संस्कृति और कला के विविध आयाम दिखेंगे

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन और आदर्शों पर केंद्रित 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय संस्कृति, मर्यादा और नैतिक मूल्यों की प्रतीक हैं और नई पीढ़ी को उनके दिव्य चरित्र से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित वैदेही आर्ट गैलरी केवल एक कला-संग्रहालय नहीं होगी, बल्कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से माता सीता के जीवन, त्याग, करुणा, धैर्य और शक्ति को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने वाला सांस्कृतिक केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि गैलरी की अवधारणा ऐसी होनी चाहिए कि आगंतुक केवल जानकारी न प्राप्त करें, बल्कि सीता माता के जीवन-संदेश को अनुभव भी कर सकें। मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया कि यह गैलरी श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निकट वरिष्ठ (वशिष्ठ) भवन परिसर में विकसित की जाए, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना अयोध्या को वैश्विक सांस्कृतिक नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी।

साथ ही निर्देश दिए कि गैलरी में मिथिला की संस्कृति, लोकपरंपराओं और कला के विविध स्वरूपों को विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाए, जिससे माता सीता की विरासत को समग्र रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

लौटा गुप्तारघाट का वैभव, जल्द खुलेगा ओपन एयर थियेटर

अमृत विचार,लखनऊ : योगी सरकार के प्रयासों से अयोध्या के गुप्तारघाट का वैभव पुनः लौट रहा है। तीसरे चरण के विकास कार्य अंतिम दौर में हैं और ओपन एयर थियेटर संभवतः होली तक जनता के लिए खुल जाएगा। इस परिसर में रावण वध, हनुमान और जटायु की भव्य मूर्तियां स्थापित की जा चुकी हैं, जो रामायण की कहानी को जीवंत रूप में दर्शाएंगी। मान्यता है कि भगवान श्री राम ने इसी घाट से जल समाधि ली थी। पहले दो चरणों में घाट का सौंदर्यीकरण, वॉटर स्पोर्ट्स सुविधाएं, आधुनिक पार्क और योग-ध्यान केंद्र तैयार किए जा चुके हैं। तीसरे चरण में 18.34 करोड़ रुपये की लागत से पार्किंग, पाथवे, टिकट घर, गार्ड रूम, टॉयलेट ब्लॉक, किचन, इंटरप्रिटेशन सेंटर, भित्ति चित्र और बाउंड्री वॉल का काम तेजी से चल रहा है।

विभिन्न श्रेणी की ई-बसों के किराये की दरें तय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: परिवहन निगम ने प्रदेश में विभिन्न जिलों में संचालित अपने इलेक्ट्रिक वाहनों और बसों का किराया बुधवार को तय कर दिया है। इनमें साधारण नान एसी, वातानुकूलित, स्लीपर और हाईएंड स्कैनिया समेत विभिन्न कैटेगरी की ई-बसें शामिल हैं। किराये की यह दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। इस आशय के आदेश प्रधान प्रबंधक संचालन अनिल कुमार की ओर से सभी क्षेत्रीय और सेवा प्रबंधकों को जारी कर दिए गए हैं।

प्रदेश के करीब सात शहरों में इन बसों का संचालन धीरे-धीरे शुरू हो रहा है। तकरीबन 220 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू कर दिया गया है। इनमें प्रमुख रूप से प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, साहिबाबाद आदि जगहों पर ई-बसों का संचालन किया जा रहा है। इसे लेकर अलग-अलग सिंगमेंट की ई-बसों का किराया लागू कर दिया गया है।

कैटेगरी व किराये की दरें (पैसे प्रति किमी)

साधारण सेवा-इलेक्ट्रिक नॉन एसी	- 130.00
जनरथ 3 बाई टू-इलेक्ट्रिक 3 बाई टू एसी	- 163.86
जनरथ टू-बाई- टू- इलेक्ट्रिक टू बाई टू एसी	- 193.76
एसी स्लीपर- इलेक्ट्रिक स्लीपर एसी	- 258.78
हाई एंड वॉल्वो-स्कैनिया-हाई एंड इलेक्ट्रिक एसी	- 286.14

सिल्क एक्सपो बना शुद्ध रेशम का भरोसेमंद मंच

एक्सपो में लगे 55 स्टालों पर देशभर के उत्पाद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

स्टाल पर रेशम का वस्त्र दिखाता कारोबारी।

अमृत विचार : योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के पारंपरिक रेशम उद्योग को नई पहचान मिल रही है। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में मंत्री राकेश सचान ने रेशम विभाग द्वारा आयोजित सिल्क एक्सपो-2026 का शुभारंभ किया और बताया कि शुद्ध सिल्क की पहचान के लिए पहली बार एक्सपो में सिल्क टेस्टिंग लैब स्थापित की गई है, जहां लोग मौके पर ही रेशम की शुद्धता की जांच करा सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं को असली और मिलावट-मुक्त सिल्क खरीदने में सुविधा मिलेगी।

गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को रेशम उद्योग मंत्री ने बताया कि एक्सपो में शुद्ध रेशम की पहचान और मिलावट से बचाव पर विशेष फोकस किया गया है। साथ ही कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में रेशम उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां उत्पादन 27 मीट्रिक टन था, वह अब बढ़कर 450 से 500 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश को रेशम उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है।

6 फरवरी तक चलने वाले इस सिल्क एक्सपो में उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों के बुनकरों के 55 स्टाल लगाए गए हैं। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम, मैसूर सिल्क, पैठणी और धर्मावरम साड़ियों समेत शुद्ध रेशमी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है।

इस अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय रेशम रत्न सम्मान प्रदान किया गया और रेशम मित्र-2025 पत्रिका का विमोचन भी हुआ।

पर्यटन क्षेत्र बनेगा मजबूत ग्रोथ इंजन

- देश के कुल पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य : जयवीर सिंह

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में पर्यटन क्षेत्र को मजबूत ग्रोथ इंजन के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि वर्ष 2047 तक प्रदेश में 100 करोड़ से अधिक पर्यटकों के आगमन, राज्य की जीवीए में पर्यटन का योगदान 5 प्रतिशत और देश के कुल पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

गोमतीनगर स्थित पर्यटन भवन में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के विजन के अनुरूप पर्यटन को आर्थिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम बनाया जा रहा है। 2027-28 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पर्यटन अवसंरचना, निजी निवेश और सेवाओं में सुधार पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

पर्यटन रोडमैप के अनुसार, वर्तमान में राज्य की जीवीए में 1.2 प्रतिशत योगदान देने वाला पर्यटन क्षेत्र 2047 तक 5 प्रतिशत तक पहुंचाया जाएगा। देश के पर्यटन जीवीए में यूपी की हिस्सेदारी 9.2 प्रतिशत से बढ़ाकर 16 प्रतिशत करने की योजना है। विदेशी पर्यटकों की संख्या 45 लाख से अधिक करने का लक्ष्य भी रखा गया है।

अयोध्या, काशी, मथुरा, नैमिषारण्य, कालिंजर फोर्ट और बाबा नीब करौरी जैसे धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। बेहतर कनेक्टिविटी, होमस्टे, 5-स्टार होटल, स्वच्छता और सुरक्षित पर्यटन वातावरण को प्राथमिकता दी जा रही है।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025-26 के पुरस्कृत विजेताओं के साथ अधिकारी। अमृत विचार

स्किल्स प्रतियोगिता में दिखा यूपी के युवाओं का दम, 40 विजेता सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार की पहल से प्रदेश के युवा अब वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो रहे हैं। उप्र. कौशल विकास मिशन के तहत आयोजित इंडिया स्किल्स कॉम्पीटिशन 2025-26 की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के 40 विजेताओं को विभागीय उच्च अधिकारियों द्वारा 20 विभिन्न स्किल ट्रेड्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्रत्येक ट्रेड से दो विजेताओं का चयन किया गया।

कौशल विकास मिशन मुख्यालय में बुधवार को सम्मान समारोह में कौशल विकास प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचने का अवसर देती हैं। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि सभी चयनित विजेता 4 और 5 फरवरी को लखनऊ में आयोजित विशेष बूट कैंप में भाग लेंगे, जहां उन्हें नॉर्थ रीजनल स्किल्स प्रतियोगिता की तैयारी कराई जाएगी।

मालूम हो कि वर्ष 2026 के लिए प्रदेश से 1.09 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में सर्वाधिक पंजीकरण वाला राज्य बन गया है। इस वर्ष प्रदेश ने 20 स्किल्स में भागीदारी कर कौशल विकास के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

कार्यक्रम के दौरान कौशल विकास मिशन के सोशल मीडिया सेल का शुभारंभ और नार्थ रीजनल एनआईईएसबीयूटी के साथ एमओयू का हस्तांतरण भी किया गया।

बाल-प्रेम

बालहठ के साथ निश्छल मन से अपनी बात जनता दर्शन में मुख्यमंत्री के सामने रखते हैं प्रदेश भर के बच्चे

बच्चों की जिद में पिघल जाते कठोर समझे जाने वाले सीएम योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

बच्चे को चॉकलेट देकर दुलारते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : सख्त कानून व्यवस्था और अपराध के खिलाफ कठोर रुख के लिए पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक अलग ही रूप बच्चों के बीच देखने को मिलता है। मासूमों की जिद, उनकी बेबाक फरमाइश और निश्छल मुस्कान के सामने मुख्यमंत्री का कोमल हृदय स्वतः झलकने लगता है। यही वजह है कि प्रदेश भर से बच्चे बेझिझक मुख्यमंत्री तक पहुंचते हैं और अपनी बात बालहठ के साथ रखते हैं।

कभी नर्सरी में एडमिशन की जिद, तो कभी चॉकलेट की फरमाइश, बच्चों के ये मासूम दृश्य अक्सर मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान देखने को मिलते हैं। हाल ही में 'जनता दर्शन' में मां के साथ आई बच्ची अनाबी अली का मुख्यमंत्री से संवाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना। एबीसीडी और कविता सुनाकर अनाबी ने मुख्यमंत्री का दिल जीत लिया। मुख्यमंत्री ने न सिर्फ उसका उत्साह बढ़ाया, बल्कि शिक्षा से जुड़े निर्देश भी तत्काल दिए।

डॉक्टर बनने की इच्छा पर मायरा से प्रभावित हुए योगी

मुख्यमंत्री योगी बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से संवेदनशील हैं। 'जनता दर्शन' के माध्यम से लखनऊ की अनाबी अली, कानपुर की मायरा, गोरखपुर की पंखुड़ी और मुरादाबाद की वाची का स्कूल में प्रवेश कराया गया। मायरा ने डॉक्टर बनने की इच्छा जताई तो मुख्यमंत्री ने तत्काल एडमिशन के निर्देश दिए। पंखुड़ी की फीस माफ कराकर उसे दोबारा स्कूल भेजा गया।

मकर संक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में एक बच्चे से "और क्या चाहिए" पूछकर उसके जवाब पर खिलखिलाकर हंसना या गणतंत्र दिवस परेड के दौरान बच्चों को पास बुलाकर दुलारना आदि मौके मुख्यमंत्री के बाल प्रेम को उजागर करते हैं। मुख्यमंत्री का वात्सल्य भाव 26 जनवरी को परेड के दौरान देखने को मिला, एक नन्ही बच्ची को गोद उठा लिया।

बच्चों से यह आत्मीय जुड़ाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें शासन सिर्फ आदेश नहीं, बल्कि संवेदना और अपनत्व का माध्यम भी है।

मूक-बधिर खुशी को मिला सुरक्षित भविष्य का भरोसा

कानपुर की मूक-बधिर युवती खुशी गुप्ता का मामला भी मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का उदाहरण है। पैदल चलकर लखनऊ पहुंची खुशी को मुख्यमंत्री ने न सिर्फ स्नेह दिया, बल्कि उसके सुरक्षित भविष्य का भरोसा भी दिलाया। वहीं, मेजर की बेटी अंजना भट्ट की शिकायत पर 24 घंटे के भीतर मकान कब्जा मुक्त कराना मुख्यमंत्री के त्वरित निर्णय का उदाहरण है।

वृद्ध मां के दर्द से द्रवित हुए योगी

बीते सितंबर में 'जनता दर्शन' में कानपुर की रायपुरवा निवासी एक वृद्ध मां अपने कैंसर पीड़ित बेटे का दर्द लेकर मुख्यमंत्री योगी के पास पहुंची थीं। उनकी तकलीफ देखकर सीएम द्रवित हो गए और कैंसर पीड़ित बेटे को एंबुलेंस से सीधे कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट भिजवाकर उसका इलाज प्रारंभ कराया।

हर बूथ पर बनाए जाएंगे मतदाता सहायता केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए निर्देश जारी

अमृत विचार : प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 अभियान के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रदेश के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता सहायता केंद्र (वोटर असिस्टेंस सेंटर) स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के अनुसार, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत 6 जनवरी 2026 को मतदाता सूची प्रकाशित की जा चुकी है और उसी दिन से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जा रही हैं। प्रक्रिया को अधिक सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से मतदान सहायता केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मतदाता सहायता केंद्रों पर प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) की उपस्थिति अनिवार्य होगी। बीएलओ के पास 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची, वर्ष 2003 की अंतिम विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण मतदाता सूची, मृतक, स्थानांतरित, अनुपस्थित एवं दोहरी प्रविष्टि से संबंधित सूची उपलब्ध रहेगी।

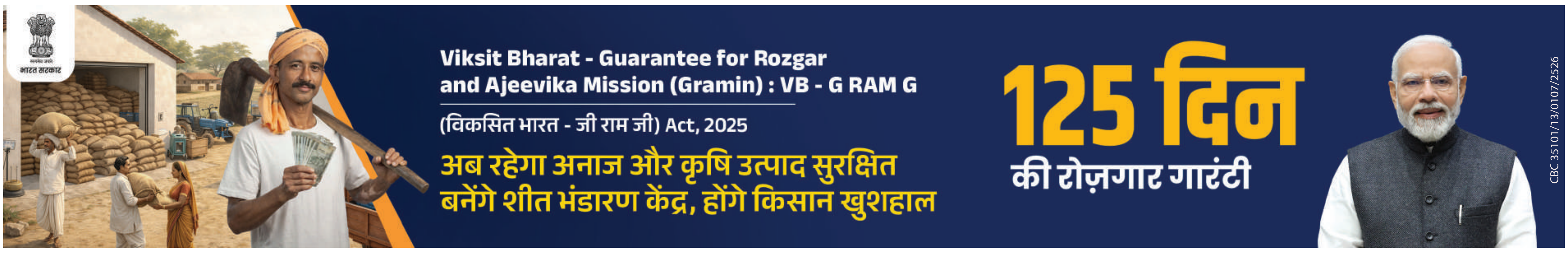

न्यूज ब्रीफ

थ्रेसर मशीन में फंसने से एक युवक की मौत

बलिया, एजेंसी: जिले के भीमपुरा क्षेत्र में बुधवार को काम करते समय थ्रेसर मशीन में फंसने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने यहां बताया कि भीमपुरा थाना क्षेत्र के इमिलिया गांव में नवनीत यादव (21) नामक युवक धान कूटने वाली थ्रेसर मशीन पर काम कर रहा था और उसके हाथ में पहना लोहे का कड़ा मशीन के पट्टे में फंस गया, जिससे झटके में उसकी गर्दन मशीन की चपेट में आ गई। थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय ने बताया कि इस घटना में नवनीत की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्या के पुराने मामले में पिता-पुत्र को उम्रकैद

बलिया, एजेंसी: जिले की एक अदालत ने 11 वर्षीय बच्चे की हत्या के 13 साल पुराने मामले में पिता-पुत्र को दोषी करार देते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम पुनीत कुमार गुप्ता की अदालत ने मंगलवार को इस मामले में वीरेंद्र बिंद और उसके बेटे रवि बिंद को दोषी ठहराते हुए उन पर 21 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

बस पटलने से तीन साल के बच्चे की मौत

फिरोजाबाद, एजेंसी: जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के दिल्ली से गोरखपुर जा रही एक डबल डेकर बस के अनियंत्रित होकर पलटने से तीन साल के बच्चे की मौत हो गयी, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण चालक को नींद आना बताया जा रहा है। बस में लगभग 45 यात्री सवार थे।

हाई-टेंशन तार से करंट लगने पर महिला की मौत

कौशांबी, एजेंसी: जिले में बुधवार को हाई-टेंशन तार से करंट लगने पर एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह सराय अकिल थाना क्षेत्र की है जब अपने खेतों में जा रही इमली गांव निवासी किरण कोरी का पैर खेत की मेड़ पर पड़े टूटे हुए हाई-टेंशन तार पर पड़ गया। उसने बताया कि करंट लगने से झुलसने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जालौन में कार के नहर में गिरने से दो की मौत

जालौन, एजेंसी: जिले में कोटरा-ऐट मार्ग पर बुधवार को एक मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद भागने की कोशिश में कार नहर में गिर गई जिससे दो लोगों की मौत हो गई। कोटरा थाने के प्रभारी विमलेश कुमार ने बताया कि यह घटना सुबह करीब 11:30 बजे करथारा मोड़ के पास हुई। उन्होंने बताया कि पच्छीपुरा गांव के रहने वाले जितेंद्र (50) और इंद्रपाल (55) किसी काम से कोटरा आए थे और वापस लौट रहे थे, तभी उनकी कार की एक मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। अधिकारी ने बताया कि टक्कर में मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया, जबकि कार में सवार लोगों ने कथित तौर पर तेज रफ्तार से भागने की कोशिश की, जिससे चालक गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा और कार एक गहरी नहर में गिर गई।

राजकीय मेडिकल कालेज की तीसरी मंजिल से कूदा मरीज, मौत

दो माह से भर्ती था सीतापुर के महौली का अनुज कुमार, मंगलवार रात कूदकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अनुज।

- मां को सुलाने के बाद रेलिंग फांदकर नीचे कूदा
- पिता देवेंद्र टीबी वार्ड के बाहर बरामदे में सो रहे थे

अमृत विचार: टीबी की बीमारी से परेशान होकर एक मरीज राजकीय मेडिकल कालेज की तीसरी मंजिल की रेलिंग से कूद गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इस दौरान मेडिकल कालेज में अफरा-तफरी मच गयी। डाक्टर और अन्य स्टाफ मौके पर पहुंच गया। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। मृतक सीतापुर का रहने वाला था।

सीतापुर जिले के थाना महौली के गांव महोरनिया निवासी 25 वर्षीय अनुज कुमार को टीबी से पीड़ित था। डाक्टर ने उसको भर्ती कर लिया था। मरीज मेडिकल कालेज में तीसरी मंजिल में टीवी वार्ड में भर्ती था। उसका इलाज चल रहा था। उसके माता-पिता साथ में मेडिकल कालेज में ही थे। मंगलवार की रात साढ़े 11 बजे अनुज के पिता देवेंद्र पाल टीबी वार्ड के बाहर बरामदे में सो रहे थे। मां राधा उसके पास थी। उसने मां से कहा कि चलो बाहर पापा के पास जाकर सो जाओ। वह मां को लेकर वार्ड से बाहर आया। उसकी मां कंबल ओढ़कर लेट गयी। करीब 15 मिनट वाद वार्ड के बाहर तीसरी मंजिल की रेलिंग पर चढ़कर उसने छलांग लगा दी। इस दौरान मरीजों के तीमारदारों ने देखने के बाद शोर मचाया कि युवक तीसरी मंजिल से कूद गया। उसके माता-पिता शोर सुनकर जाग गए और देखा कि उसका बेटा अनुज है। मेडिकल कालेज में अफरा-तफरी मच गयी। डाक्टर व अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचे और अनुज को देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह फोर्स के साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे। उन्होंने परिवार वालों और स्टाफ से जानकारी की। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक को टीबी थी और उसका इलाज चल रहा था। बीमारी से परेशान होकर उसने तीसरी मंजिल की रेलिंग पर चढ़कर कूदकर जान दे दी।

पिता का आरोप- बेटे का उपचार सही नहीं हो रहा था

देवेंद्र पाल ने बताया कि उसके बेटे अनुज को टीबी की बीमारी थी। उसको एमआरवी बीमारी हो गयी थी। वह अपने बेटे का इलाज कराने लखनऊ मेडिकल कालेज ले गया था। जहां उसके ट्यूब पड़ा था। वह तीन दिन बाद छुट्टी कराके घर ले जाना था। उसकी तबीयत अधिक खराब होने पर यहां डेढ़ माह पूर्व मेडिकल कालेज में भर्ती कराया था। यहां पर डाक्टर ने ट्यूब निकाल दिया था। उसका दो माह से इलाज चल रहा था। उसका आरोप है कि उसके बेटे का सही इलाज नहीं हो रहा था।

सीएलएटी-यूजी 2026 मेरिट सूची संशोधन करने का आदेश

प्रयागराज, अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएलएटी-यूजी-2026 की योग्यता सूची में संशोधन के निर्देश देते हुए राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (कंसोर्टियम) को विवादित प्रश्न के लिए दो विकल्पों को सही मानने का आदेश दिया है। न्यायालय ने कहा कि उच्च-स्तरीय निगरानी समिति द्वारा विषय विशेषज्ञों की राय को बिना कारण बताए खारिज करना मनमाना और कानून के विपरीत है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विवेक सरन की एकलपीठ ने नाबालिग अभ्यर्थी अवनीश गुप्ता की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए कहा कि टेस्ट बुकलेट-सी के प्रश्न संख्या 9 तथा उससे संबंधित सभी पुस्तिकाओं में उक्त प्रश्न के लिए विकल्प 'बी' और 'डी' दोनों को सही उत्तर माना जाए और एक माह के भीतर संशोधित मेरिट सूची प्रकाशित की जाए।

दो साल में एक लाख से अधिक लोग हुए लापता

विधि संवाददाता, लखनऊ

- हाईकोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान आज होगी सुनवायी

हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने एक मामले की सुनवाई के दौरान पाया कि प्रदेश में पिछले लगभग दो साल में 1,08,300 लोग लापता हो चुके हैं, जिनके संबंध में गुमाशुदगी रिपोर्ट दर्ज हैं। इनमें से मात्र 9700 लोगों का पुलिस पता लगा सकी है। कोर्ट ने इस स्थिति को बेहद चिंताजनक व गंभीर करार दिया। साथ ही मामले को 'प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों के संबंध में' शीर्षक से जनहित याचिका दर्ज करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवायी गुरूवार को होगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति बबीता रानी की खंडपीठ ने विक्रमा प्रसाद की याचिका पर दिया। शहर के चिनहट क्षेत्र निवासी याची की ओर से कहा गया है कि उसका बेटा जुलाई 2024 में लापता हो गया था, इस संबंध में उसने चिनहट थाने में गुमशुदगी की सूचना भी दर्ज करायी लेकिन पुलिस की ओर से कोई भी संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई। इस पर न्यायालय ने याची की सूचना पर कार्रवाई के साथ-साथ प्रदेश में गुमशुदा हुए लोगों के संबंध में विस्तृत जानकारी देने का आदेश, अपर मुख्य सचिव, गृह को दिया। आदेश के अनुपालन में अपर मुख्य सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे में बताया गया कि 1 जनवरी 2024 से 18 जनवरी 2026 तक पुलिस के समक्ष दर्ज सूचनाओं के अनुसार 1,08,300 लोग लापता हुए हैं जिनमें से मात्र 9700 लोगों का ही पता चल सका है। न्यायालय ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उक्त आंकड़ों से पता चलता है कि गुमशुदा लोगों के संबंध में संबंधित अथॉरिटीज का रवैया हीलाहवाली वाला है।

बलात्कार पीड़िता को चरित्रहीन बताने पर कोर्ट ने लगाई फटकार

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक अधिवक्ता को दुष्कर्म पीड़िता को चरित्रहीन महिला के रूप में चित्रित करने के प्रयास पर कड़ी फटकार लगाते हुए अधिवक्ता को अदालत के समक्ष दलीलें रखते समय उचित सावधानी और संयम बरतने की चेतावनी दी। किसी महिला के चरित्र और गरिमा पर अपमानजनक आरोप लगाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसके गरिमा और निजता के अधिकार का उल्लंघन है।

एक महिला के चरित्र पर सवाल उठाने वाले हलफनामों को संलग्न करना और उन पर भरोसा करना न केवल अनुचित है, बल्कि नैतिक वकालत की बुनियाद पर सीधा प्रहार करता है। कोर्ट ने ऐसे आचरण को अधिवक्ताओं के लिए अशोभनीय बताते हुए उसकी निंदा की। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल कुमार-दशम की एकलपीठ ने बेचन प्रसाद की आपराधिक अपील खारिज करते हुए की। कोर्ट ने अधिवक्ता द्वारा यह कहकर अदालत को धमकाने पर भी आपत्ति जताई कि आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी, और इसे अधिवक्ताओं के लिए स्थापित आचरण मानकों के विपरीत करार दिया। वर्तमान याचिका में पुलिस स्टेशन बंशी, सिद्धार्थनगर में आईपीसी की धारा 376 और एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे में याची के खिलाफ जारी संज्ञान आदेश और आरोप पत्र को चुनौती दी गई। मामले के तथ्यों के अनुसार पीड़िता इलाज के लिए आरोपी के क्लिनिक गई थी, जहां दवा देने के बहाने उसे शामक गोली खिलाकर उसके साथ बलात्कार किया गया। ट्रायल कोर्ट के संज्ञान आदेश को चुनौती देते हुए अपीलकर्ता के अधिवक्ता ने पीड़िता को पैसे वसूलने के लिए ब्लैकमेल करने की आदी बताते हुए पांच व्यक्तियों के हलफनामों पर भरोसा किया, जिनमें उसे चरित्रहीन महिला कहा गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी महिला को आसानी से व्यभिचारी बताने या उसके नैतिक चरित्र पर कलंक लगाने का प्रयास पूरी तरह अप्रासंगिक है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के आरोप कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग हैं।

रिटायर्ड शिक्षक से 15 लाख की मांगी रंगदारी

काशीपुर, अमृत विचार: एक रिटायर्ड शिक्षक से 15 लाख की रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। काशीपुर निवासी मुरारी सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। उनके मोबाइल पर लगातार धमकी भरे कॉल आ रहे थे। आरोपी अपना नाम बृजपाल निवासी कुकुरझुंडी, थाना भगतपुर, मुरादाबाद बताकर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकी दे रहा था। मुरारी सिंह ने बताया कि बृजपाल उनपर उसकी जमीन बेचने के झूठे आरोप लगा रहा है, जबकि जमीन से उनका कोई लेना-देना नहीं है। बताया कि कोई अप्रिय घटना की आशंका के डर से जब बृजपाल के मोबाइल नंबर को उन्होंने ब्लैक लिस्ट कर दिया, तो आरोपी उनके मोबाइल पर धमकी भरे मैसेज व गंदी-गंदी गाली भेजने लगा।

खीरी और पीलीभीत के एसपी बदले

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डीजी से एसपी तक 24 आईपीएस के तबादले

अमृत विचार: पुलिस विभाग में बुधवार देर रात बड़ा फेरबदल किया है। इसमें अयोध्या के आईजी रहे प्रवीण कुमार को प्रोन्नति मिलने के बाद लखनऊ जोन का एडीजी बनाया गया है। इसी तरह एडीजी पद से हाल ही में प्रोन्नत हुए सुजीत पांडेय को अग्निशमन एवं आपात सेवाओं का डीजी बनाया गया है। वह अभी तक एडीजी जोन लखनऊ के पद पर तैनात थे। इसके अलावा 11 जिलों के एसएसपी-एसपी भी बदले गए हैं।

फेरबदल में गोरखपुर, मेरठ, जौनपुर, खीरी, बस्ती, सुल्तानपुर, सहारनपुर, मिर्जापुर, रायबरेली, पीलीभीत और अमेठी के एसपी शामिल हैं। इसके साथ ही जेसीपी कानपुर कमिश्नरेट विनोद कुमार सिंह को हटाकर आईजी डा. भीमराव आंबेडकर अकादमी मुरादाबाद भेजा गया है। डीआईजी संकल्प शर्मा को एसपी लखीमपुरखीरी से जेसीपी कानपुरनगर, डीआईजी विपिन टाडा को एसएसपी मेरठ से जेसीपी कानपुर नगर बनाया गया है।

आईजी ईओडब्ल्यू केएस ईमैन्युअल डीजीपी के जीएसओ की जिम्मेदारी दी गयी है। गाजियाबाद कमिश्नरेट के अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी को अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी कमिश्नरेट, प्रोन्नति मिलने के बाद डीआईजी राज करन नैय्यर को एसएसपी गोरखपुर से अपर पुलिस आयुक्त गाजियाबाद, डीआईजी सोमेन बर्मा को एसपी मिर्जापुर से डीआईजी अयोध्या रेंज बनाया गया है। डीआईजी अभिषेक यादव को एसपी पीलीभीत से डीआईजी एटीएस लखनऊ, डीआईजी आशीष तिवारी को एसएसपी सहारनपुर से डीआईजी तकनीकी सेवाएं, डीआईजी प्रताप गोपेंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक पीटीसी मुरादाबाद से पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। साथ ही एसपी सुल्तानपुर कुंवर अनुपम सिंह को एसएसपी जौनपुर, पीएसी 9वीं वाहिनी मुरादाबाद सेनानायक ख्याति गर्ग को एसपी खीरी, एसएसएफ लखनऊ 01वीं वाहिनी सेनानायक अविनाश पांडेय को एसएसपी मेरठ, एसपी अमेठी अपर्णा रजत कौशिक को एसपी मिर्जापुर, 11वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर के सेनानायक रवि कुमार को एसपी रायबरेली, क्षेत्रीय अभिसूचना आगरा के एसपी सुकीर्ति माधव को एसपी पीलीभीत, वाराणसी के अपर पुलिस उपायुक्त सर्वानन टी को एसपी अमेठी और अपर पुलिस अधीक्षक संभल अनुकृति शर्मा को अपर पुलिस उपायुक्त कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के पद पर भेजा गया है।

भरण-पोषण की वसूली में गिरफ्तारी वारंट अवैध

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- वसूली सीधे गिरफ्तारी के जरिए नहीं की जा सकती: हाईकोर्ट

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ के एक भरण-पोषण विवाद में परिवार न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को अवैध ठहराते हुए स्पष्ट किया कि बकाया भरण-पोषण की वसूली सीधे गिरफ्तारी के जरिए नहीं की जा सकती।

कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना न केवल दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के खिलाफ है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का भी उल्लंघन है। परिवार न्यायालय द्वारा की गई इस कार्यवाही को अवैध और कानून के विपरीत बताते हुए कहा कि भरण-पोषण न देने वाला व्यक्ति कोई अपराधी नहीं है और उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता व गरिमा को अनुचित रूप से कुचला नहीं जा सकता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की एकलपीठ ने मोहम्मद शहजाद की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया।

इसके साथ ही कोर्ट ने परिवार न्यायालय, अलीगढ़ द्वारा 25 सितंबर 2025 को पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें भरण-पोषण की बकाया राशि की वसूली के लिए गिरफ्तारी/रिकवरी वारंट जारी किए गए थे।

कल्कि संभल के पोस्टर पर बढ़ा विवाद

कार्यालय संवाददाता, संभल

- सांसद जियाउर्रहमान के पिता ने दी कानूनी कार्रवाई की धमकी

अमृत विचार: संभल में 1978 के साम्प्रदायिक दंगे और 2024 की हिंसा पर आधारित फिल्म 'कल्कि संभल' का पोस्टर जारी होते ही विवाद खड़ा हो गया है। संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क ने फिल्म और पोस्टर को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

ममलूकुर्रहमान बर्क ने कहा कि इस तरह की फिल्म बनाकर सामाजिक सौहार्द और जिले के माहौल को खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब संबंधित घटनाओं को लेकर मामला अदालत में विचाराधीन है, तो फिर किसी को कसूरवार ठहराकर फिल्म बनाने का क्या औचित्य है। उन्होंने कहा कि विवाद का फैसला अदालत करेगी, न कि फिल्मों के माध्यम से तय होगा।

ममलूकुर्रहमान बर्क ने चेतावनी दी कि फिल्म निर्माताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह सब जानबूझकर हालात बिगाड़ने और हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच तनाव पैदा करने के लिए किया जा रहा है। जब मामला कोर्ट में है, तब इस तरह की फिल्म बनाना माहौल खराब करने की मंशा को दर्शाता है। 1978 के दंगे को लेकर कहा कि जब दंगा हुआ तक उनके पिता डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क संभल में मौजूद नहीं थे। 24 नवंबर 2024 की घटना का लेकर सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी बनाये जाने को लेकर कहा कि जिस दिन हिंसा हुई उस दिन जियाउर्रहमान संभल में नहीं थे, बल्कि वह केरल में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की बैठक में शामिल थे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी इस बात की पुष्टि कर चुके हैं। जो लोग इस तरह की इजाजत दे रहे हैं, वे अमन के दुश्मन हैं और उन्हें समाज में शांति नहीं चाहिए।

महिला बीएलओ पर नाम काटने का दबाव डालने का आरोप

अमेठी, एजेंसी

अमेठी विधानसभा क्षेत्र के ठेंगहा गांव में बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता का फार्म—7 भरवाये जाने के दौरान एक महिला बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के साथ कथित तौर पर अभद्रता किये जाने, उसके पति के साथ मारपीट किये जाने एवं नाम काटने तथा बढ़ाने के लिए दबाव बनाये जाने के मामले की प्रशासन ने जांच के आदेश दिए हैं।

सूत्रों के मुताबिक अमेठी विधानसभा क्षेत्र के ठेंगहा गांव में एसआईआर प्रक्रिया के तहत एक शिविर का आयोजन किया गया था जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश सचिव शंकर गिरि, जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला तथा अन्य भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता भी शामिल हुए थे। सूत्रों के मुताबिक महिला बीएलओ सुभद्रा पर भाजपा नेताओं द्वारा नाम काटने एवं बढ़ाने का दबाव बनाने को लेकर विवाद उठ रहा है।

कांग्रेस के जिला सचिव बीएलओ के पति राकेश मौर्य ने उप जिलाधिकारी अमेठी आशीष सिंह को दिये शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने ठेंगहा गांव में बीएलओ सुभद्रा को बुलाया था और जनसभा के दौरान उन पर नाम काटने एवं बढ़ाने को लेकर दबाव बनाया गया और उनके साथ बदसुलूकी की गई।

ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर हड़पे 28.85 लाख

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: काशीपुर के रहने वाले एक कारोबारी को ऑनलाइन ट्रेडिंग का झांसा देकर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने कम निवेश पर ज्यादा मुनाफा देने का प्रलोभन दिया था। साइबर क्राइम सेल ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

काशीपुर के रहने वाले कारोबारी एकांत जैन ने बताया कि 11 दिसंबर 2025 को वह अपनी फेसबुक चला रहे थे कि सोशल साइड पर ऑनलाइन ट्रेडिंग का प्रसार देखा। जब उसे क्लिक किया तो मोबाइल नंबर ट्रेडिंग की वेबसाइट के अलावा व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गया। कई वेबसाइट को डाउनलोड भी कर लिया। ग्रुप में कई लोग खुद को मोटा मुनाफा मिलने का मैसेज भी डाल रहे थे। कम निवेश पर ज्यादा मुनाफे का लालच देने पर उसे 10 दिसंबर 2025 से 13 जनवरी 2026 तक खातों में 28.85 लाख का भुगतान कर चुका था, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी मुनाफा खाते में नहीं दिखा तो व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज और वैकल्पिक नंबर पर कॉल की, लेकिन कोई संपर्क नहीं हुआ। जिसके बाद एहसास हुआ कि साइबर ठगों ने झांसा देकर ठगी की वारदात की।

संवाददाता सम्मेलन | हल्द्वानी पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने गिनाईं केंद्रीय बजट की खूबियां, कहा, केंद्रीय बजट समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने वाला

पर्वतीय राज्य होने के नाते विशिष्ट हैं उत्तराखंड की आवश्यकताएं

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्वतीय राज्य होने के नाते उत्तराखंड की भौगोलिक और आर्थिक आवश्यकताओं को विशिष्ट बताया है। बुधवार को हल्द्वानी पहुंचे मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट को लेकर कहा कि न केवल यह बजट विकसित भारत के संकल्प को मजबूत आधार प्रदान करता है बल्कि राज्यों की भागीदारी को और सशक्त बनाता है।

धामी ने कहा, यह बजट इन्फ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, कनेक्टिविटी, कृषि और मानव संसाधन विकास के क्षेत्रों में देवभूमि उत्तराखंड के लिए नई संभावनाएं लेकर आया है। रामपुर रोड स्थित एक होटल में हुई केंद्रीय बजट पर पत्रकार संवाद कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए 53.47 लाख करोड़ रुपये का बजट आकार यह दर्शाता है कि केंद्र आर्थिक विस्तार और निवेश को लेकर प्रतिबद्ध है। कहा, उत्तराखंड को इस वर्ष केंद्रीय करों में अपने हिस्से के रूप में लगभग 17,500 करोड़ प्राप्त होंगे, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 1,841 करोड़ रुपये अधिक हैं। यह राज्य के विकास कार्यों को नई गति देगा। बजट पूर्व बैठकों में उत्तराखंड सरकार की ओर से पेश किए गए कई महत्वपूर्ण सुझावों को केंद्र ने स्वीकार किया है। सीएम ने कहा कि राज्य पूंजीगत निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के अंतर्गत 1.85 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह ब्याजमुक्त सहायता योजना उत्तराखंड के लिए पहले भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है। जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को पूरा करने के लिए समयसीमा विस्तार और 67,500 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष महत्व रखता है।

कहा, यह बजट आत्मनिर्भर उत्तराखंड के संकल्प को साकार करने वाला है। इस दौरान कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत, लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट, नैनीताल विधायक सरिता आर्य, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल आदि रहे।

हल्द्वानी में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

2200 करोड़ से हल्द्वानी का विकास

सीएम ने कहा कि वर्ष 2021 में पीएम मोदी ने हल्द्वानी को 2200 करोड़ की योजनाओं की सौगात दी। इससे सीवर-पेयजल लाइन, सड़क सुधारीकरण, शहर सौंदर्यीकरण हो रहा है। 2014 के बाद हल्द्वानी-दिल्ली, टनकपुर मार्ग का कायाकल्प हुआ। जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट तैयार होगा।

39 हजार करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट्स

धामी ने कहा कि राज्य में 39491 करोड़ के रेल प्रोजेक्ट चल रहे हैं। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन काम पूरा होने वाला है। 11 रेलवे स्टेशन का रिडेवलपमेंट, 100 विद्युतीकरण, तीन वंदेभारत व एक अमृत भारत एक्सप्रेस चलाई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार साले-बहनोई घायल

मानपुर,अमृत विचार : बाइक सवार साले - बहनोई सामने से आ रहे पिकअप की टक्कर लगने से गंभीर रूप घायल हो गए। पुलिस ने पिकअप चालक के विरुद्ध लापरवाही से वाहन चलाने का मुकद्दमा दर्ज किया है। रामपुर जनपद के ग्राम धनेली निवासी प्रेमपाल ने पुलिस को बताया कि बीती 29 जनवरी को उनके पिता फकीरचंद और मामा रोशन लाल बाइक द्वारा थाना शीशगढ़ के ग्राम रसूलपुर स्थित अपनी रिश्तेदारी से वापस आ रहे थे। बहेड़ी - शीशगढ़ रोड पर ग्राम कुतुबपुर के पास सामने से तेज गति से आ रहे पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार उनके पिता और मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीण की शिकायत पर पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज कर वाहन नंबर के आधार वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्दी ही वाहन को खोज लिया जाएगा।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर राजमिस्त्री की मौत

मकान की छत के ऊपर से गुजर रही लाइन, परिवार में कोहराम

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचारः क्षेत्र के गांव चुरई दलपतपुर में बुधवार को एक घर की छत पर काम कर रहे एक राज मिस्त्री की हाईटेंशन इलेक्ट्रिक लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिवार में चीख-पुकार मची गई।

मृतक बिट्टन।

जानकारी के अनुसार, चुरई दलपतपुर निवासी 36 वर्षीय बिट्टन लाल शर्मा पुत्र नत्थूलाल, गांव के ही ब्रजेश सक्सेना के घर पर निर्माण कार्य कर रहे थे। बिट्टन लाल छत पर प्लास्टर घुटाई का काम कर रहे थे। हाथ में एलमुनियम की 'फन्टी' से प्लास्टर का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान छत के ऊपर से गुजर रही 11,000 वोल्ट की लाइन से उसकी फंटी टकरा गई। फंटी के लाइन से स्पर्श करते ही करंट का तेज झटका लगा और बिट्टन लाल बुरी तरह झुलस गए। वह मौके पर ही गिर पड़े। हादसे के तुरंत बाद आनन-फानन में परिजन और स्थानीय लोग घायल को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। हालांकि, वहां मौजूद डॉक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिट्टन लाल शर्मा की मौत से उनकी पत्नी मुन्नी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मृतक अपने पीछे दो मासूम बेटे, अभि और अनिकेत तथा पत्नी को बिलखता छोड़ गए हैं। वह घर के इकलौते कमाऊ सदस्य थे।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि घनी आबादी और मकान के इतने करीब से गुजर रही हाईवोल्टेज लाइन के सुरक्षा मानकों में कहीं कोई चूक तो नहीं थी।

तीन माह से रिक्त है सिविल जज (जूडि) का पद, वादी परेशान

नवाबगंज, अमृत विचारः न्यायालय सिविल जज (जू.डि) नवाबगंज में न्यायिक अधिकारी का पद तीन माह से अधिक समय से रिक्त चल रहा है। पूर्व में तैनात न्यायिक अधिकारी विनेश कुमार का स्थानांतरण ग्राम न्यायालय मीरगंज हो जाने के बाद से किसी नए अधिकारी की नियुक्ति नहीं हो सकी है।

न्यायिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं और वादकारियों और अधिवक्ताओं को परेशानी हो रही है। बार एसोसिएशन नवाबगंज ने बीती 15 जनवरी को पंजीकृत डाक द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजा था। इसके अलावा 28 नवंबर 2025 को बरेली बार एसोसिएशन में प्रशासनिक अधिकारियों के आगमन के दौरान सचिव व अध्यक्ष द्वारा स्वयं प्रार्थना पत्र सौंपा जा चुका है। बार एसोसिएशन अतिशीघ्र रिक्त पद पर नियुक्ति की मांग की है।

चुनावी रंजिश में दबंगों ने युवक के घर में घुसकर की तोड़फोड़

संवाददाता, भुता

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर में चुनावी रंजिश मानते हुए कुछ दबंगों ने एक युवक घर में घुसकर ईंट-पत्थर से तोड़फोड़ कर दी। वहां खड़ी स्कॉर्पियो कार और अन्य सामान को क्षतिग्रस्त कर जान से मारने की धमकी दी है। इसकी वीडियो भी वायरल हो रही है। पीड़ित के परिजनों ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया है।

ग्राम केसरपुर में मंगलवार रात लगभग 9:30 बजे चुनावी रंजिश को लेकर गांव के ही दबंग युसूफ व असलम अपने अन्य तीन-चार साथियों को लेकर आबिद के घर में घुस गये। तथा उनके परिजनों से पूछा आबिद कहां है। उस वक्त आबिद बरेली गया हुआ था। तभी बौखला कर उक्त दोनों व उनके साथियों ने घर घुस कर ईंट पत्थरों से खड़ी स्कॉर्पियो कार क्षतिग्रस्त कर दी। अन्य घरेलू सामान भी तोड़फोड़ दिया। फिर आबिद को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। इससे भयभीत आबिद व उनके परिजनों ने थाना भुता में तहरीर देकर हमलावरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर ईंट-पत्थर से स्कॉर्पियो तोड़ते हुए एक आरोपी यूसुफ को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अन्य की भी तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घर में घुसकर हमला कर किया जख्मी

बहेड़ी, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के दो अलग-अलग गांवों में ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें घायल करने की मामले दर्ज किये गये हैं। गांव खुटिया निवासी शंकर लाल ने पुलिस को दी तहरीर में गांव के ही जयपाल, बिट्टू, चंदन, संजू व रवि पर घर में घुसकर हमला करने का आरोप लगाया। आरोप है कि बीच बचाव करने आई घर की महिलाओं के साथ भी मारपीट की, जिससे वे घायल हुई हैं। पुलिस ने 5लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। गांव ग्वारी के ख्याली राम ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि कल रात 11 बजे वह अपने खेत पर जा रहा था, तो गांव के प्रेम शंकर व उसके पुत्र अनिल ने उस पर हमला कर दिया।चीख पुकार सुनकर कई लोग वहां आ गए, जिन्होंने मुझे बचाया। ख्याली राम का कहना है कि लोगों के आ जाने पर यह लोग धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मंदिर की दुकानों पर कब्जा शासन ने दिये जांच के आदेश

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : नगर के प्रसिद्ध सनातन धर्म वैश्य ठाकुरद्वारा मंदिर की बेशकीमती संपत्ति पर वर्षों से चले आ रहे कथित अवैध कब्जों का मामला अब सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय तक पहुँच गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जिलाधिकारी बरेली को तत्काल जांच कर कार्यवाही कर रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए हैं। मामला मंदिर की सम्पत्ति से लगी मेन रोड मार्केट की पाँच जर्जर दुकानों से जुड़ा है, जो किसी भी समय धराशाई हो सकती हैं।

मंदिर सोसायटी की ओर से पंकज गुप्ता के साथ अन्य सदस्यों का आरोप है कि इनमें से तीन दुकानों पर प्रभावशाली लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जिससे न केवल मंदिर की आय बंद हो गई है बल्कि जनहानि का गंभीर खतरा भी बना हुआ है। प्रभाभशाली लोगों के आगे बेबस मंदिर सोसायटी का कहना है कि मुख्य बाजार में करोड़ों की संपत्ति से होने वाली आय से मंदिर का संचालन, पुजारी का वेतन, धर्मशाला का रखरखाव और देवी-देवताओं की सेवा व समय समय पर मंदिर की ओर से होने वाले धार्मिक आयोजन भी होते रहते थे, लेकिन कब्जों के चलते मंदिर को चंदे के सहारे चलाया जा रहा है।

आरोप है कि कब्जेदार आर्थिक रूप से बेहद संपन्न हैं उनके पास नगर और जिले में शोरूम, गोदाम, गैस एजेंसी, कोठियां और करोड़ों की संपत्तियाँ हैं, लेकिन मंदिर की दुकानों को खाली करने को तैयार नहीं हैं।

फर्जी दस्तावेज़ और साठगांठ का आरोप

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब-जब जिला प्रशासन से मदद मांगी गई, तब-तब स्थानीय अधिकारियों से मिलीभगत कर न्यायालय में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मुकदमे दायर कर दिए गए, ताकि मामला लटकता रहे और कब्जा बना रहे।

रिपोर्ट तलब

मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी आदेश में जिलाधिकारी बरेली को निर्देश दिए गए हैं कि जर्जर दुकानों की स्थिति का तत्काल जांच कराकर अवैध कब्जों को हटाए जाएं। इसके बाद इनके ध्वस्तीकरण व पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू करके पूरी कार्यवाही की रिपोर्ट तत्काल शासन को भेजी जाए।

रामेन्द्र राठी बने बहेड़ी बार के अध्यक्ष

संवाददाता, बहेड़ी

बहेड़ी बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

- बहेड़ी बार एसोसिएशन का चुनाव सम्पन्न, दीपचंद्र महामंत्री और रविंदर कोषाध्यक्ष निर्वाचित

अमृत विचार : बहेड़ी बार एसोसिएशन वार्षिक चुनाव आज सम्पन्न हो गया। चुनाव में रामेन्द्र सिंह राठी अध्यक्ष और दीप चंद्र पाण्डेय को महासचिव निर्वाचित घोषित किया गया। कोषाध्यक्ष पद के लिए रविंदर कुमार चुने गये। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद का चुनाव सत्य पाल सिंह ने जीता।

बहेड़ी बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव इस बार काफी गहमागहमी भरा रहा। अध्यक्ष पद के लिए रामेन्द्र सिंह राठी और साबिर रज़ा के बीच मुकाबला था। रामेन्द्र राठी ने 133 मतों के साथ जीत हासिल की। उनके निकटम प्रतिद्वन्दी साबिर रज़ा को 106 वोट मिले। महासचिव पद के लिए हुए मुकाबले में दीप चंद्र पाण्डेय ने केसर कुमार को 19 वोट से हराया। दीप चंद्र को 129 और केसर कुमार को 110 वोट मिले।

बार कोषाध्यक्ष पर पर रविंदर कुमार और महेश कुमार के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें रविंदर कुमार को 129 मत मिले। उन्होंने महेश कुमार को 17 वोट से हराया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए हुए मुकाबले में सत्य पाल सिंह ने लईक अहमद को 29 वोट से शिकस्त दी। सत्य पाल को 130 और लईक अहमद को 101 वोट मिले। आज हुए चुनाव में 242 वकीलों ने वोट डाले। अध्यक्ष पद के लिए हुई वोटिंग में 3 वोट निरस्त भी हुए।

महासचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए हुई वोटिंग में 1-1 और वरिष्ठ उपाध्यक्ष को चुनने में 11वकीलों के वोट निरस्त हुए। जॉइंट सेक्रेटरी प्रकाशन के लिए विशाल दीप और पुस्तकालय मोहम्मद अशरफ और प्रशासन भुवनेश मौर्य पहले ही निर्विरोध नामित हो चुके हैं। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मोहम्मद परवेज़ आलम,भूपेंद्र कुमार, विजेंद्र सिंह,राजेंद्र पाल व मोहम्मद युसूफ और कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए मोहम्मद आसिफ, दिव्यांशु,सैफ रज़ा, शेख महवर,सुरेन्द्र पाल व मोहम्मद इरफ़ान को चुना गया।

काट डाला हाइवे किनारे का सरकारी पेड़, लगेगा जुर्माना

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : बरेली-पीलीभीत हाईवे के किनारे स्थित पाकड़ के एक सरकारी पेड़ को अवैध रूप से काट डाला गया। सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और कटे हुए पेड़ को कब्जे में लेकर क्षेत्रीय वन कार्यालय भिजवा दिया। विभाग द्वारा आरोपी के बयान दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। मामला विशनपुर गांव का है, जहां निवासी महेन्द्र पाल के मकान के सामने सरकारी भूमि पर एक पाकड़ का पेड़ खड़ा था। आरोप है कि पेड़ को चोरी-छिपे कटवा दिया गया। ग्रामीणों ने जब इसकी जानकारी वन विभाग को दी तो मौके पर पहुंचे वन कर्मी मान सिंह को आरोपी द्वारा कथित रूप से डराकर भगा दिया गया।

घटना की सूचना मिलते ही वन रक्षक राकेश दिवाकर, वेद प्रकाश सिंह तथा बीट प्रभारी अकबरी अली मौके पर पहुंचे। टीम ने कटे हुए पेड़ को कब्जे में ले लिया है। आरोपियों पर विधिक कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया जाएगा।

कटी हुई सरकारी पाकड़ को वन विभाग द्वारा जब्त किया गया। ● अमृत विचार

विधवा से मारपीट में ससुर और जेठ पर मुकदमा दर्ज

भमोरा,अमृत विचार : भमोरा थाना क्षेत्र के गांव बनारा निवासी सीमा देवी पत्नी अनिल कुमार ने बताया कि उनके पति की मृत्यु के बाद से जेठ वेदपाल और ससुर चिरौंजी उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं। आए दिन घर से निकालने की धमकी देते हैं। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे ससुर और जेठ ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए उन्हें कमरे में बंद करने का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपियों ने उन्हें बाहर सड़क पर गिराकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। एसओ भमोरा सनी चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

गौसगंज इलेवन ने कस्साबान को हराया

फरीदपुर, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव गौसगंज इलेवन और कस्साबान के बीच हुए क्रिकेट मैच में गौसगंज एलैवन ने कस्साबान को हरा दिया। फरीदपुर के ग्राम गौसगंज में हुए इस मैच का शुभारंभ विधायक पुत्र किशन ग्वाल और ईशान गोयल ने किया। कस्साबान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 102 रन बनाए। गौसगंज एलेवन ने 7 ओवर में ही मैच जीत लिया।इस दौरान वेदयार खान, फौजी सलमान खान,जमील अहमद, राशिद, आरिफ, आसिफ आदि मौजूद रहे।

किसान पर सियार ने किया हमला, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता,नवाबगंज

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के गांव परोथी में बुधवार को खेतों में काम कर रहे किसानों के बीच उस वक्त दहशत फैल गई, जब गन्ने के खेत से निकले सियार ने अचानक एक किसान पर हमला कर दिया। हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

घायल किसान।

गांव परोथी निवासी अंगनलाल रोज की तरह आज सुबह खेत में गन्ने की कटाई कर रहे थे। तभी अचानक गन्ने के घने खेत से निकले सियार ने उन पर झपट्टा मार दिया। अचानक हुए हमले से किसान की चीख-पुकार मच गई।

किसान की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण मौके पर दौड़े और शोर मचाकर सियार को खेत से भगाया। ग्रामीणों की तत्परता से घायल किसान की जान बच सकी।

घटना के बाद परिजन तत्काल अंगनलाल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। भयभीत ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा की गुहार लगायी है।

परीक्षा देने पहुंचे 700 छात्र, इंतजाम कम पड़े

संघटक राजकीय महाविद्यालय भदपुरा में बुधवार को परीक्षार्थियों के लिए करनी पड़ी अतिरिक्त व्यवस्था। ● अमृत विचार

संवाददाता, भदपुरा।

अमृत विचारः बुधवार को संघटक राजकीय महाविद्यालय भदपुरा में पहली पाली में 700 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के परीक्षा केंद्र पर सामान्य से अधिक संख्या में छात्र पहुंचे, जिसके बावजूद परीक्षा सुचारु रूप से संपन्न हुई।

महाविद्यालय में आमतौर पर प्रतिदिन 500 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होते हैं। हालांकि, बुधवार को कला वर्ग के माइनर, बीएससी माइनर, कृषि एमएससी और बीएससी के बैक पेपर के विद्यार्थियों को मिलाकर कुल 700 छात्र परीक्षा देने पहुंचे।

प्राचार्य डॉ. रुद्रमन सिंह ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय से माइनर परीक्षा हटवाने का अनुरोध किया था, लेकिन यह संभव नहीं हो पाया। इसके बाद, उन्होंने अपने शिक्षकों के साथ देर रात तक रुककर अतिरिक्त व्यवस्थाएं करवाईं। बाहरी शिक्षकों को भी बुलाया गया ताकि सभी व्यवस्थाएं कुशलतापूर्वक संचालित हो सकें। बुधवार की परीक्षा भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसके लिए प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया गया।

बरेली से जुड़े हैं सोना तस्करी के तार

संवाददाता, फरीदपुर

- अगरतला से फरीदपुर तक खुल रहीं अंतर्राष्ट्रीय सिंडीकेट की परतें

अमृत विचारः अगरतला में जनवरी 2026 में पकड़े गए 29 किलो सोने के मामले ने एक चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। जांच आगे बढ़ी तो इस अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी सिंडिकेट का सीधा रिश्ता उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के फरीदपुर क्षेत्र से जुड़ा मिला है। यह वही इलाका है, जहां हाल के महीनों में ड्रग्स और हवाला कारोबार को लेकर भी पुलिस की सक्रियता बढ़ी हुई है।

इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपियों में कुणाल जायसवाल का नाम सामने आया है। शुरुआती खबरों में भले ही उसे नई दिल्ली का निवासी बताया गया हो, लेकिन स्थानीय मीडिया और जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक उसका नेटवर्क फरीदपुर और आसपास के इलाकों तक फैला हुआ था। बताया जा रहा है कि यहीं से कैरियर और लॉजिस्टिक्स की पूरी व्यवस्था संभाली जाती थी। जांच में वसीम नामक एक और व्यक्ति का नाम उभर कर आया है, जो फरीदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेहरा का निवासी बताया जा रहा है। वसीम फिलहाल फरार है और उसकी तलाश में राजस्व खुफिया निदेशालय और स्थानीय पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

सूत्रों का कहना है कि सोने की खेप को आगे बढ़ाने में उसकी अहम भूमिका थी। DRI की जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह मणिपुर और त्रिपुरा के रास्ते सोना लाकर यूपी और दिल्ली के बाजारों में खपाया जाता था। इस पूरे ऑपरेशन में करीब 40 करोड़ रुपये का सोना और बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की गई है। जांच एजेंसियों का दावा है कि त्रिपुरा में कुछ प्रभावशाली लोगों का काला धन सोने के बिस्कुटों में बदलने के लिए इसी सिंडिकेट का इस्तेमाल किया जा रहा था।

अगरतला से गिरफ्तार किए गए कुणाल जायसवाल, अजय और राकेश दास को कोर्ट के आदेश पर ट्रांजिट रिमांड में दिल्ली लाया गया है। उन्हें इंडिगो की उड़ान से दिल्ली शिफ्ट किया गया, जहां DRI की टीम उनसे गहन पूछताछ कर रही है। वहीं, स्थानीय आभूषण कारोबारी और तनीषा ज्वेलर्स के मालिक राकेश देबनाथ को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। 3 फरवरी 2026 को इस मामले की सुनवाई त्रिपुरा हाईकोर्ट में हुई। अदालत ने निचली अदालत के रिकॉर्ड की समीक्षा के लिए दोनों पक्षों को अनुमति दी है। मुख्य आरोपियों की जमानत याचिकाएं या तो खारिज हो चुकी हैं या लंबित हैं। DRI ने अदालत में साफ किया कि दुबई और बांग्लादेश से जुड़े अंतरराष्ट्रीय तारों को देखते हुए कड़ी पूछताछ जरूरी है।

बरेली पुलिस भी इस मामले को गंभीरता से ले रही है। एसएसपी के निर्देश पर संदिग्ध तस्करों और उनके सहयोगियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। DRI और बरेली पुलिस लगातार सम्पर्क में हैं।

50 मेधावी छात्राओं को बांटी कम्पटीशन किट

रफियाबाद जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित मेधावी छात्राएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित विज्ञान ज्योति फेज-6 के अन्तर्गत कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की 50 मेधावी छात्राओं का चयन कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रफियाबाद जवाहर नवोदय विद्यालय में किया गया था।

इन छात्राओं को मेडिकल, इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए निःशुल्क 6 हजार की सामग्री निःशुल्क वितरित की गयी। साथ ही उन्हें 12 हजार रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। मंगलवार को शुरू हुए इस तीन दिनी कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय जेएलए, केंद्रीय विद्यालय एनईआर एवं केंद्रीय विद्यालय एयरफोर्स की छात्राएं शामिल हुईं। कार्यक्रम का समापन बृहस्पतिवार को होगा।

इस अवसर पर जेएनवी बरेली के प्राचार्य प्रमोद सिंह रावत, उप प्राचार्य बीना मिश्रा, जिला समन्वयक जितेंद्र कुमार ने कहा कि इस योजना से छात्राए अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

हम दोनो पति व पत्नी अपने पुत्र अमित गुप्ता पुत्र वधू प्रिया दोनो के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर संबंध विच्छेद मकान व चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है आज दिनांक 3 फरवरी 2026 से इनके द्वारा किए गये लेन-देन कृत्यों आदि को लेकर मेरा पुत्र व पुत्रवधू दोनो ही स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरे व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा । **श्रीकृष्ण पुत्र इतवारी व ऊषा पत्नी श्रीकृष्ण ग्राम पंचायत-गढ़िया हरदो पट्टी थाना-उसहैत जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र हर्षित को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **सोहन पाल पुत्र झाजन मो. 3 तहसील बिल्सी व थाना बिल्सी जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र प्रवीन मोहन पाण्डेय को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य व रिश्तेदारों से कोई सरोकार नहीं होगा। **उषा देवी पत्नी स्व. सियाराम शर्मा नि. ग्राम व पो. सोना तहसील आंवला जिला बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अंकुश को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **रामसिंह पुत्र बलबन्त सिंह शकुन्तला पत्नी राम सिंह निवासी:- ग्राम रिसौली तहसील बिल्सी जिला बदायूं**

सूचना

मेरा नाम त्रुटिवश आधार कार्ड में अहरन पुत्र मुलायम सिंह अंकित हो गया है जबकि सही नाम मन्टूरी पुत्र भूपराम है। मुझे सही नाम से जाना पहचाना जाये। **मन्टूरी पुत्र भूपराम, शांति विहार, सुभाष नगर, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल • CARE FOR SURE •
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

महामारी के खिलाफ जिंदगी की उम्मीद दिखाते हैं कैंसर को हराने वाले : एडीजी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में वर्ल्ड कैंसर दिवस पर बुधवार को कैंसर से जंग लड़कर मात देने वाले कैंसर विजेताओं को सम्मानित किया गया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। एडीजी जोन रमित शर्मा ने कैंसर विजेताओं की हिम्मत को सराहा और उन्हें इस महामारी से पीड़ितों की जिंदगी की उम्मीद बताया। एडीजी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

कैंसर को हराने वाले बहादुर मरीजों का सम्मान किया गया। ● अमृत विचार

एडीजी जोन रमित शर्मा ने कहा कि कैंसर विजेता उन सभी लोगों के लिए उम्मीद की किरण हैं, जिन्होंने इस बीमारी के कारण जीने की आशा छोड़ दी है। इन्हें देखकर कैंसर के लाइलाज होने का भ्रम जरूर टूटेगा और महामारी को हराने की हिम्मत बंधेगी। एआई आज दिमाग को पढ़ कर रिएक्ट कर रहा है। सिर्फ दिमाग के जरिये काम करने वाले बॉयो ड्रोन बनाए जा रहे हैं। एडीजी ने एमबीबीएस विद्यार्थियों से कहा कि कैंसर जैसी महामारी और अन्य बीमारियों से निजात दिलाने के लिए आप आज जो सपना देखेंगे और उस पर काम करेंगे वह जरूर पूरा होगा। संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने इस महामारी से बचाव के लिए दूसरों को जागरूक करने का संदेश दिया। कहा कि वर्ष 2002 में एसआरएमएस हॉस्पिटल के स्थापित होने के बाद माताजी की याद में वर्ष 2007 में कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया। सौ से ज्यादा मरीज कीमोथेरेपी के लिए पहुंच रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ के बीच एक मात्र ऐसा हेल्थ सेंटर बन गया जहां पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा है। यह सुविधा शुरू हो गयी है। डॉ. पियूष कुमार अग्रवाल ने कैंसर, इससे बचाव के उपाय बताने के साथ सेंटर में उपलब्ध तकनीक और उपकरणों की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. बिंदु गर्ग, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. अरविंद सिंह चौहान, डॉ. मनोज कुमार टांगड़ी, डॉ. पवन मेहरोत्रा, डॉ. शुभांशु गुप्ता, प्राची उपाध्याय, डॉ. श्रीनिवास नायडू, डॉ. सिद्धांत सिंह, डॉ. अनिकेत, डॉ. क्रांति कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. हिमांशी खट्टर ने किया।

- विजेताओं ने सुनाए एसआरएमएस में इलाज के दौरान के अनुभव किए गए सम्मानित
- कैंसर के महामारी न होने का दिया गया संदेश, कहा- घबराएं नहीं हिम्मत रखें और लड़ें
- चेयरमैन देव मूर्ति ने की मेडिकल कॉलेज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट आरंभ होने की घोषणा की

तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण कैंप कल से

आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डॉ.पियूष कुमार अग्रवाल के अनुसार कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 5 से 7 फरवरी तक कैंप में कैंसर विशेषज्ञों द्वारा लिखी जांचों पर 15 फीसद की छूट दी जाएगी। कैंप में सुबह 9 बजे से दोपहर दो बजे तक रजिस्ट्रेशन होंगे।

इन कैंसर विजेताओं का हुआ अभिनंदन

मोहम्मद नबील (28 वर्ष), मोहम्मदी (लखीमपुर), अस्मा (55 वर्ष), धौरा टांडा, ब्रजपाल सिंह (79 वर्ष), शाहजहांपुर, महेश चंद्रा (62 वर्ष), बदायूं, मधु (65 वर्ष), हरदोई, अमरजीत कौर (63 वर्ष), बाजपुर (उत्तराखंड), सुशीला देवी (51 वर्ष), लखीमपुर, कमला देवी (46 वर्ष), गांव सिमायरा गौसिया (पीलीभीत), रामवती (58 वर्ष), इज्जतनगर, लता शर्मा (49 वर्ष), बदायूं, हफीज अहमद (71 वर्ष), मोहनपुर, मालती देवी (74 वर्ष), अल्मोड़ा।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति सुमित को उत्तम जीवन रक्षक पदक से करेंगी सम्मानित

बरेली, अमृत विचार : मढ़ीनाथ क्षेत्र के संतोषी माता मंदिर के पास के रहने वाले सुमित यादव को दिल्ली में राष्ट्रपति सम्मानित करेंगी। सुमित की वीरता को देखते हुए उत्तम जीवन रक्षक पदक से सम्मानित किया जाएगा। भारत सरकार के गृह सचिव गोविंद मोहन की ओर से सुमित को उनके पिता सर्वेश यादव के पते पर पत्र भेजकर जानकारी दी गयी है। सुमित ने 27 अप्रैल 2024 को रोहिणी के मिलनसार अपार्टमेंट में शॉर्ट सर्किट से लगी भयंकर आग में इंजीनियर के छात्र आर्यन गुप्ता व अनुपम कस्तूरिया को अपनी जान की परवाह न करते हुए बचाया था। दरवाजा तोड़कर जलती हुई आग में फायर का छोटा सिलेंडर लेकर अपने फेस को बचाते हुए सुमित ने अदम्य साहस एवं वीरता का परिचय देकर दोनों साथियों को बचाया था। इस दौरान सुमित गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। बाद में कई अस्पतालों में उनका इलाज चला था।

वॉइस कॉल और एमएस से नहीं चलता डिजिटल भारत

बरेली, अमृत विचार : लोकसभा में आंवला सांसद नीरज मौर्य के उठाए सवाल ने इंटरनेट बंदी को लेकर सरकार की सोच पर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। सांसद ने कानून-व्यवस्था के नाम पर इंटरनेट सेवाएं निलंबित किए जाने से छात्रों, व्यापारियों, नौकरीपेशा लोगों और ऑनलाइन काम करने वाले नागरिकों को होने वाली परेशानियों पर जवाब मांगा था। सरकार ने अपने उत्तर में कहा कि इंटरनेट बंदी के दौरान वॉइस कॉल और एसएमएस सेवाएं चालू रहती हैं, जिससे संपर्क बना रहता है। हालांकि यह जवाब डिजिटल युग की हकीकत से दूर नजर आया।

आज इंटरनेट के बिना न ऑनलाइन पढ़ाई संभव है, न बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, टिकट बुकिंग या ऑफिस वर्क। चौंकाने वाली बात यह रही कि सरकार के पास पिछले पांच वर्षों में इंटरनेट बंदी से हुए आर्थिक नुकसान का कोई आंकड़ा मौजूद नहीं है।

सांसद ने मांग करते हुए कहा कि इंटरनेट निलंबन को अंतिम विकल्प बनाया जाए और इसके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का गंभीर आकलन किया जाए।

श्रम कानूनों में बदलाव और 100 फीसदी एफडीआई का किया विरोध

12 फरवरी को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को लेकर बीमा कर्मी लामबंद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्पलाइज एसोसिएशन के आह्वान पर 12 फरवरी को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल की तैयारियों के क्रम में बीमा कर्मी संघ, बरेली डिवीजन के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मंडल कार्यालय पर सभा का आयोजन किया। यह सभा श्रम कानूनों में प्रस्तावित बदलाव, बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और निगम में कर्मचारियों की भारी कमी के विरोध में हुई।

एलआईसी के मंडल कार्यालय पर प्रदर्शन करते बीमा कर्मी। ● अमृत विचार

- बरेली ट्रेड यूनियन फेडरेशन की अगुवाई में होगी हड़ताल

बीमा कर्मी संघ की महामंत्री गीता शांत ने कहा कि श्रम कानूनों में बदलाव से न केवल कर्मचारियों की सुरक्षा खत्म होगी बल्कि संगठित संघर्ष की ताकत भी कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत एफडीआई का फैसला सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा संस्थानों के भविष्य के लिए खतरनाक है। अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष अरविन्द देव सेवक ने ऐलान किया कि 12 फरवरी की हड़ताल बरेली मंडल में बरेली ट्रेड यूनियन फेडरेशन के बैनर तले आयोजित की जाएगी। उन्होंने निगम में क्लास-3 और क्लास-4 के पदों पर शीघ्र नई भर्ती की मांग दोहराते हुए कहा कि कर्मचारियों की कमी से कामकाज पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अनामिका सारस्वत ने चेतावनी दी कि विदेशी कंपनियों की भागीदारी बढ़ने से एलआईसी का मुनाफा देश से बाहर जाएगा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से लाए जा रहे चार श्रम संहिताएं मजदूर-कर्मचारियों के अधिकारों पर सीधा हमला हैं, जिनके माध्यम से काम के घंटे बढ़ाने और हड़ताल के अधिकार को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। अनामिका सारस्वत ने आभार जताया। दीपक मेहरा, सचिन शुक्ला, विकास गुप्ता, रियाज अहमद, आदर्श सक्सेना, रितु बनर्जी सहित बड़ी संख्या में बीमा कर्मी उपस्थित रहे।

बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को दिया प्रशिक्षण

मीरगंज, अमृत विचार: तहसील सभागार में बुधवार को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दावा आपत्ति प्राप्ति और निस्तारण का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही विसंगतियां के साक्ष्य बीएलओ एप के माध्यम से अपलोड करने और नोटिस सुनवाई की कार्यवाही सम्पन्न कराने का प्रशिक्षण भी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को दिया गया।

प्रशिक्षण में उपजिलाधिकारी मीरगंज आलोक कुमार ने बताया कि एसआईआर के दौरान बी०एल०ओ० द्वारा गणना पत्रों की फीडिंग में मतदाताओं की 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग की गयी थी। एसआईआर में की गयी मैपिंग में आयोग की साइट पर 05 प्रकार की विसंगतियां पायी गयी हैं।

उन्होंने इन त्रुटियों पर आयोग के निर्देशानुसार सम्बन्धित मतदाताओं को नोटिस प्राप्त कराकर बीएलओ साक्ष्य प्राप्त कर बीएलओ एप में अपलोड करने को कहा। इसके अलावा फार्म 6, 7, 8 प्राप्ति एवं फीडिंग भी तत्परता से करने के निर्देश दिये गये।

तहसील परिसर में नहीं सफाई कर्मी, गंदगी से लोग परेशान

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये की लागत से बनाए गए शौचालय आज बदहाली की मिसाल बने हुए हैं। आंवला तहसील परिसर में बना सार्वजनिक शौचालय गंदगी, दुर्गंध और अव्यवस्था का शिकार है। इससे तहसील आने वाले फरियादियों, महिलाओं और दिव्यांगजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

शौचालयों में व्याप्त गंदगी। ● अमृत विचार

तहसील परिसर में प्रतिदिन सैकड़ों ग्रामीण, महिलाएं, बुजुर्ग व दिव्यांग अपनी फरियाद लेकर पहुंचते हैं, लेकिन शौचालय की स्थिति इतनी बदतर है कि लोग उसका उपयोग करने से कतराते हैं। शौचालय में न तो नियमित सफाई हो रही है और न ही पानी की समुचित व्यवस्था है। चारों ओर फैली गंदगी और उठती दुर्गंध से पूरा परिसर प्रभावित रहता है। महिलाओं का कहना है कि घंटों तहसील में इंतजार के दौरान शौचालय की आवश्यकता पड़ने पर उन्हें मजबूरी में इधर-उधर भटकना पड़ता है, जो न केवल असुविधाजनक बल्कि अपमानजनक भी है। वहीं दिव्यांगजनों के लिए बने शौचालयों की हालत और भी खराब है, जहां पहुंचना तक मुश्किल हो गया है। फरियादियों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि शौचालय की तत्काल सफाई कराई जाए, नियमित रख-रखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

- फरियादियों-सामाजिक संगठनों ने की सफाई कराने की मांग

इस मामले में एसडीएम विदुषी सिंह ने बताया कि सफाई कर्मचारी 31 जनवरी को सेवानिवृत्त हो गया है।कोई भी परमानेंट सफाई कर्मचारी नहीं है। आज ईओ से बात की थी। एक दो दिन में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करा दी जाएगी।

नदी की जमीन पर हाईवे किनारे प्लॉटिंग कर रहे भू-माफिया

- तहसील प्रशासन बना अनजान राजस्व कर्मियों पर मिलीभगत के आरोप

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: क्षेत्र में भू-माफियाओं के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे सरकारी भूमि ही नहीं, बल्कि नदियों को भी पाटकर कब्ज़ा करने लगे हैं। ताज़ा मामला कस्बे के पास से होकर गुजरने वाली पनघैली नदी का है, जहां खुलेआम अवैध कब्ज़ा और निर्माण कार्य किया जा रहा है।

बरेली-पीलीभीत हाईवे पर बने नए पुल के पास भू-माफियाओं ने पनघैली नदी की भूमि पर कब्जा करते हुए प्लाटिंग शुरू कर दी है। आरोप है कि दबंगों द्वारा नदी को पाटकर निर्माण कराया जा रहा है। यह अवैध गतिविधि कई दिनों से जारी है, लेकिन तहसील प्रशासन या तो अनजान बना हुआ है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है।

पुलिया के लिए डाले गये पाइप। ● अमृत विचार

दीवार के लिए खोदी नींव। ● अमृत विचार

पाइप डालकर बनाई गई पुलिया : स्थानीय लोगों के अनुसार भू-माफिया जेसीबी और भारी संसाधनों के जरिए नदी की प्राकृतिक धारा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाईवे तक पहुंच बनाने के लिए पाइप डालकर अवैध पुलिया का निर्माण करा दिया गया है। इसके साथ ही नदी का रुख मोड़ने के लिए दीवार खड़ी करने की तैयारी चल रही है।

जांच कागज़ों में सिमटी : ईंधजागीर के ग्राम प्रधान प्रेमशंकर गंगवार उर्फ लला ने कई माह पूर्व एसडीएम को सरकारी भूमि और पनघैली नदी पर अवैध कब्ज़े को लेकर लिखित शिकायत दी थी। आरोप है कि जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

राजस्व कर्मी पर आरोप

ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया है कि इस पूरे प्रकरण में एक राजस्व कर्मी की भूमिका संदिग्ध है। प्रशासन की निष्क्रियता के चलते भू-माफिया सरकारी जमीन को निगलने में लगे हुए हैं। ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

निर्माण रुकवाने के आदेश दे दिये गये हैं: तहसीलदार

तहसीलदार दुष्यन्त प्रताप ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में आया है। राजस्व टीम और हल्का लेखपाल को मौके पर भेजा गया है तथा निर्माण कार्य रुकवाने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता पर कार चढ़ाने का प्रयास

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर अभद्रता करने वाले के खिलाफ मुकद्मा दर्ज कराने के बाद एफआईआर की कॉपी लेने गए अधिवक्ता को कार से कुचलने के प्रयास का मामला सामने आया है।

क्षेत्र के मोहल्ला बक्सरिया निवासी अधिवक्ता ओमेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि वह अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तहसील अध्यक्ष हैं। उन्होंने बीते दिवस फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के गांव रम्पुरा कमन निवासी विनोद राठौर के खिलाफ सोशल मीडिया पर फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर लगातार आपत्तिजनक पोस्ट और अभद्र टिप्पणियां करने पर मुकदमा दर्ज कराया था।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी से विवाद।

बीती 31 जनवरी को आरोपी ने फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की, जिसमें पारिवारिक संबंधों को लेकर अमर्यादित, अशोभनीय और समाज को आहत करने वाली भाषा का प्रयोग किया गया। इसके बाद आरोपी द्वारा लगातार कमेंट्स के माध्यम से धमकी दी गई और सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया था।

ओमेन्द्र सिंह ने बताया कि वह मंगलवार को एक दिन पहले दर्ज कराए गए इसी एफआईआर की प्रति लेने थाने आए थे। लौटते समय वह रास्ते से फल खरीदने लगे। वहीं करीब 1:15 बजे अचानक विनोद राठौर अपने साथी पवन प्रजापति के साथ कार से वहां पहुंचा। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और मुकदमा दर्ज कराने को लेकर जान से मारने की धमकी दी। साथ ही अपनी कार को ओमेन्द्र पर चढ़ाने का प्रयास किया। जिससे उनकी मोटर साइकिल क्षतिग्रस्त हो गयी। ओमेन्द्र ने इस मामले की भी तहरीर थाने में दे दी है।

ओमेन्द्र का कहना है कि भागते समय आरोपियों ने सड़क पर खड़े अन्य वाहनों को भी टक्कर मारी। इस दौरान प्रिन्स पुत्र राजेश, रमन सिंह और स्वयं ओमेन्द्र सिंह को चोटें आईं। प्रिन्स की साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। आरोपी जान की धमकी देते हुए फरार हो गए।

प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि अन्य आरोपों के साथ सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल, ऑडियो-वीडियो साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है।

बजट 2026 | इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया का सेमिनार

जीएसटी से जुड़े नए संशोधन बताये

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की बरेली ब्रांच के आईसीएआई भवन में बुधवार को यूनियन बजट विषय पर विस्तृत एवं ज्ञानवर्धक सेमिनार का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर व जीएसटी से संबंधित नवीन संशोधनों की व्यावहारिक जानकारी दी।

मंचासीन इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया बरेली ब्रांच के पदाधिकारी।

कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्यक्ष सीए नीरज कुमार अग्रवाल ने सदस्यों के स्वागत संबोधन के साथ किया। सचिव सीए विनेश अरोड़ा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर वक्ताओं एवं सत्रों का समन्वय किया। पहले तकनीकी सत्र में सीए अतुल अग्रवाल ने बताया कि बजट में एनआरआई द्वारा भारत में संपत्ति की बिक्री के लिए अब टीएएन लेने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है, जिससे अनिवासी करदाताओं को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त आयकर प्रावधानों को सरल बनाने, अनुपालन प्रक्रिया को सुगम करने व करदाता-हितैषी सुधारों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। दूसरे सत्र में सीए कपिल वैश्य ने अप्रत्यक्ष कर एवं जीएसटी से संबंधित संशोधनों पर जानकारी दी। सत्र में जीएसटी अनुपालन को आसान बनाने, रिटर्न प्रक्रिया, आईटीसी से जुड़े प्रावधानों, ई-इनवॉइसिंग व विभागीय अपडेट्स पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में सत्र अध्यक्ष के रूप में पूर्व अध्यक्ष सीए रविंद्र अग्रवाल ने वक्ताओं का मार्गदर्शन कर सत्र को प्रभावी बनाया। सीए राजेन विद्यार्थी, सीए सुधीर मल्होत्रा, सीए रवि जोहरी, सीए मनोज मंगल, सीए पवन अग्रवाल, सीए गौरव अग्रवाल, सीए अंकित मेहरा, सीए संजीव अग्रवाल, सीए अरुण अग्रवाल, सीए उत्कर्ष आनंद, सीए नितिन रस्तोगी, सीए संजय अग्रवाल, सीए वैभव चावला आदि मौजूद रहे।

रिठौरा में एमएलसी ने किया बूथों का निरीक्षण

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार: नगर पंचायत रिठौरा में एमएलसी बहोरन लाल मौर्य ने बूथों का निरीक्षण कर नये वोट बनने की प्रगति जानी। उन्होंने बीएलाओ से अनुपस्थित मतदाताओं की भी जानकारी ली और उनसे सम्पर्क के लिए पुनः कोशिश करने को कहा।

इस दौरान सभी बीएलओ ने नये वोट बनाने के लिए दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय रिठौरा, कार्यालय नगर पंचायत रिठौरा बूथों पर बुधवार को आवेदन फार्म छह को एकत्रित किया। उनसे एमएलसी बहोरन लाल मौर्य ने सभी बूथों का निरीक्षण कर ज्यादा से ज्यादा नये मतदाताओं को जोड़ने को निर्देशित किया।

इस दौरान बीएलओ वर्षा गुप्ता, कुलदीप गंगवार, मोहित रस्तोगी, रामपाल रामदास, खलील अहमद राजेश यादव, सीमा यादव, दीक्षा सिंह, दुर्गा सिंह, प्रीती आर्या, पूर्व चेयरमैन राकेश कुमार, सभासद कमलेश गंगवार,वीरपाल समाजसेवी दिनेश भास्कर, जयदेव मौर्य, प्रदीप कुमार गुप्ता मौजूद रहे।

बूथ निरीक्षण के दौरान एमएलसी बहोरन लाल मौर्य। ● अमृत विचार

बाल विद्यापीठ में वार्षिक खेल प्रतियोगिता संपन्न

आंवला, अमृत विचार: बाल विद्यापीठ पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में वॉलीबाल, कबड्डी, रस्साकशी, 50 मीटर रेस, बिस्किट रेस, सैक रेस, लेमन रेस, स्लो साइकिल रेस सहित विभिन्न खेल शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक डॉ. रमेश चंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। दूसरे दिन एनसी से कक्षा 5 तक तथा तीसरे दिन कक्षा 6 से 11 तक के विद्यार्थी शामिल हुए। प्रबंधक डॉ. संजीव गुप्ता एवं प्रधानाचार्या सारिका गुप्ता ने विजेताओं को मेडल पहनाये।

दावत से लौट रही महिला की चाकू से गोदकर हत्या

अमरोहा, अमृत विचार : शादी समारोह से वापस आ रही महिला की चाकू से गोदकर पड़ोसी युवक ने हत्या कर दी। घटना के से गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। जानकारी होने पर एसपी अमित कुमार आनंद, सीओ व पांच थानों की पुलिस पहुंच गई। गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। उधर हत्या के बाद आरोपी अपने घर में कमरे में बंद हो गया। मृतका के आक्रोशित परिजनों ने आरोपी के घर पर पहुंच तोड़फोड़ की।

कार्यालय ग्राम पंचायत खरेहटा वि.खं. बांकेगंज जनपद लखीमपुर (खीरी)

पत्रांक: मैमो. मनरेगा निर्माण कार्य/सामग्री आपूर्ति निविदा

अति अल्पकालीन निविदा

विकास कार्य / स्वीकृत कार्य मनरेगा के अन्तर्गत अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्न निर्माण कार्य हेतु पीडब्लूडी की दरों पर निम्न सामग्री आपूर्ति पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित फर्मों के स्थाई स्थापित फर्म जिनका आयकर वाणिज्यकर में पंजीकृत है, में मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	मनरेगा के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य का नाम	अनुमानित लागत	भुगतान सामग्री		
			सामग्री का नाम	मात्रा	इकाई
01.	विनोद के घर से बाबूराम के घर तक इंटरलॉक कार्य	825462	ईट क्लास-150	12463	प्रति हजार
			ईट रोडा 40 मिमी	56.5	प्रति घन मी.
			मौरंग	8.62	प्रति घन मी.
			सीमेंट	9.90	प्रति टन
			इण्टरलॉक	21603.00	प्रति इंटरलॉक
			गिट्टी	2.35	प्रति घन मी.
			बालू	28.00	प्रति घन मी.
			बालू (Vजमुना)	40.00	प्रति घन मी.

नोट:- अनुमन्य जी.एस.टी. अलग से देय होगा।

निविदा फार्म / क्रय की जाने वाली सामग्री सम्बन्धित दिशा निर्देश अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय पंचायत भवन / ग्राम पंचायत खरेहटा से दिनांक 05.02.2026 से 11.02.2026 तक 100 रूपये जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा दिनांक 11.02.2026 अपरान्ह 02 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। तथा उसी दिनांक को 03 बजे गठित समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। किसी भी निविदा / सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।

कलामुद्दीन
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत खरेहटा
वि.खं. बांकेगंज (खीरी)

अभिषेक कश्यप
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत खरेहटा
वि.खं. बांकेगंज (खीरी)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, पीलीभीत

पत्रांक-195/31ए दि0 28/01/2026

अल्पकालीन ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1.महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत अन्तर्गत जो मार्ग वर्षा/बाढ़ से क्षतिग्रस्त हो गये है, आम जनमानस को सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 06.02.2026 से दिनांक 16.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 16.02.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत रू0 लाख में	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	5	6	7	7	7
1	एल0बी0 मार्ग किमी0 417 से बीसलपुर दियोरिया कलां मार्ग से सखिया मार्ग	8.00	0.80	रू0 856.00	01 माह	A, B, C & D (Road Work)
2	पीडीके मार्ग किमी0 30 से किशनपुर मार्ग	16.60	1.66	रू0 944.00	01 माह	
3	पीडीके मार्ग से कटैआ नहर की पुलिया तक मार्ग	16.60	1.66	रू0 944.00	01 माह	
4	पीडीके मार्ग किमी0 36 से बड़गांव से मुड़िया भगवन्तापुर मार्ग	5.90	0.59	रू0 856.00	01 माह	
5	कनपरा कनपरी लिंक मार्ग	9.50	0.95	रू0 856.00	01 माह	
6	बेनीपुर बढ़ारा रोड से गुलड़िया राधे	8.30	0.83	रू0 856.00	01 माह	
7	परेवा तुर्रा सम्पर्क मार्ग से सिसईया सम्पर्क मार्ग	4.15	4.15	रू0 944.00	01 माह	
8	सोराहा से खाकूमा सम्पर्क मार्ग	16.80	1.68	रू0 944.00	01 माह	
9	बी0डी0यू0एस0 मार्ग किमी0 3 से निघुआ बाबा सम्पर्क मार्ग	4.20	0.42	रू0 856.00	01 माह	
10	बरखेड़ा दौलतपुर मार्ग से परेवा अनूप सम्पर्क मार्ग	14.30	1.43	रू0 944.00	01 माह	
11	रिछा जहानाबाद मार्ग किमी0 06 से बिन्दुआ नवादा सम्पर्क मार्ग	23.80	2.38	रू0 944.00	01 माह	
12	पीलीभीत जहानाबाद मार्ग से पंसोली सम्पर्क मार्ग	27.40	2.74	रू0 944.00	01 माह	
13	शाही जहानाबाद ओ0डी0आर किमी0 01 से शाही गांव तक सम्पर्क मार्ग	8.50	0.85	रू0 856.00	01 माह	
14	मीरापुर मु0 लिंक मार्ग	11.90	1.19	रू0 944.00	01 माह	
15	ग्राम चकशिवपुरी से ग्राम जादोपुर पट्टी सम्पर्क मार्ग	22.60	2.26	रू0 944.00	01 माह	

3-निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP-245171 दिनांक 03.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(एस0के0 जैन) अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लोनिवि, पीलीभीत

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, नलकूप मण्डल बरेली

ई-प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-01/अधी0अभि0/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन निविदा (http://etender.up.nic.in) ई-टेंण्डरिंग के माध्यम से सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। सिंचाई विभाग उ0प्र0 में सिविल एवं यॉत्रिक "ए" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार फिक्स दरों पर दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक आनलाईन ई-निविदाएं निर्धारित बिड फार्म यथा (1) तकनीकी बिड एवं (2) फाईनेन्शियल बिड में आमंत्रित की जाती है जो दिनांक-27.02.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे, व दिनांक-06.03.2026 को अपरान्ह 13:00 बजे जैसा की निम्नांकित है, खोली जायेगी। बिड जमा करने का विस्तृत विवरण, नियम व शर्तें ई-निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्योंरमेन्ट की वेबसाईट (http://etender.up.nic.in) पर उपलब्ध है। फर्म/ठेकेदार जो सिंचाई विभाग के क्लास 'ए' सिविल एवं यॉत्रिक में पंजीकृत है।

ई-निविदा हेतु प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि ई-निविदा पोर्टल पर ऑनलाईन रूप से जमा करना अनिवार्य होगा। ई-निविदा पोर्टल पर ऑनलाईन रूप से जमा किये जाने वाली बिड सिक्यूरिटी एवं निविदा प्रपत्र मूल्य के आनलाईन भुगतान न किये जाने पर पोर्टल पर अग्रेतर कार्यवाही नहीं हो सकेगी। निविदा प्रपत्र में निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों/शर्तो में कोई विचलन/परिवर्तन मान्य नहीं होगा। एक या समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा। निविदा हेतु कार्य एवं अन्य विवरण निम्नानुसार है।

क्र0 सं0	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रु0 मं)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज सहित (रु0 में)	पंजीकृत श्रेणी
1	3	4	5	6	7	8
1.	नलकूप मण्डल बरेली कार्यालय के पुनर्निर्माण का कार्य।	314.40 + जी0एस0टी0 अतिरिक्त	6.50	18 माह	2715.00	"ए" अथवा उच्च श्रेणी सिविल एवं यॉत्रिक

Table 02

(क)	वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि एवं समय	दिनांक 06.02.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक
(ख)	बिड प्रस्तुत/अपलोड करने की अवधि जिसके साथ निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर धनराशि/इन्डस्ट्रीज रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, धरोहर धनराशि में छूट हेतु एवं अन्य आवश्यक प्रपत्र पी0डी0एफ/एक्स.एल.एस फार्मेट में।	दिनांक 06.02.2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे तक
(ग)	प्री-बिड मीटिंग की तिथि एवं समय	दिनांक 17.02.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे
(घ)	निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर धनराशि मूलरूप एवं अन्य वांछित अभिलेख सम्बन्धित कार्यालय में जमा करने की निर्धारित तिथि एवं समय।	दिनांक 26.02.2026 को अपरान्ह 16:00 बजे
(ड)	आनलाईन तकनीकी भाग खोले जाने की तिथि एवं समय।	दिनांक 27.02.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे
(च)	आनलाईन वित्तीय भाग खोले जाने की तिथि एवं समय	दिनांक 06.03.2026 को अपरान्ह 13:00 बजे
(छ)	प्री बिड़ मीटिंग एवं बिड खोले जाने का स्थान	कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, नलकूप मण्डल बरेली।

नोट-
1. निविदा सूचना विभाग की वेबसाइट (http://information.up.nic.in)एवं सिंचाई विभाग की वेबसाइट (http://idup.gov.in) पर उपलब्ध है। निविदा प्रपत्र ई-प्रोक्योरमेन्ट वेबसाइट (http://etender.up.nic.in) से डाउनलोड किये जा सकते है।
2. ई-निविदा में कोई भी संशोधन होने पर ई-टेण्डर वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ-साथ नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दिया जायेग।
3. अवकाश होने की दशा में यह निविदा अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

UP-245216 दिनांक 03.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता नलकूप मण्डल बरेली।

कार्यालय ग्राम पंचायत रिजोला विकास खंड उसावां (बदायूं)

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रिजोला विकास खंड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त / 15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड) ओ.डी.एफ. प्लास, आर.जी.एस.ए. मनरेगा के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में उपलबध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार अंत्येष्टि स्थल, परिवार रजिस्टर, कम्प्यूटरीकृत करने हेतु गौशाला एवं प्रस्तावित/स्वीकृत निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इंटरलॉक, सीमेन्ट, मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें / कुटेशन आमंत्रित की जातीं। इच्छुक फर्म एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 07.02.2026 से दिनांक 07.02.2026 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा / कुटेशन की सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1.	रिजोला में विभिन्न स्थानों पर नालियों में शेप चैनल निर्माण कार्य।	10	232955
2.	ग्राम पंचायत रिजोला में पुस्तकालय कक्ष का निर्माण कार्य।	01	496860

यादवेन्द्र शाक्य (ग्राम प्रधान) **मनोज कुमार राम (सचिव)**

कार्यालय ग्राम पंचायत डालपुर ग्रन्ट वि.खं. बांकेगंज जनपद लखीमपुर (खीरी)

पत्रांक: मैमो. मनरेगा निर्माण कार्य/सामग्री आपूर्ति निविदा

अति अल्पकालीन निविदा

विकास कार्य / स्वीकृत कार्य मनरेगा के अन्तर्गत अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय वित्तीय वर्ष 2025-26 में निम्न निर्माण कार्य हेतु पीडब्लूडी की दरों पर निम्न सामग्री आपूर्ति पंजीकृत स्थानीय एवं प्रतिष्ठित फर्मों के स्थाई स्थापित फर्म जिनका आयकर वाणिज्यकर में पंजीकृत है, में मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	मनरेगा के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य का नाम	अनुमानित लागत	भुगतान सामग्री		
			सामग्री का नाम	मात्रा	इकाई
01.	पोहकरपुर में अनुरूद्ध के घर से राजू के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	825997	ईट क्लास-150	11997	प्रति हजार
			ईट रोडा 40 मिमी	53.2	प्रति घन मी.
			मौरंग	8.24	प्रति घन मी.
			सीमेंट	9.39	प्रति टन
			इण्टरलॉक	22365	प्रति इंटरलॉक
			गिट्टी	2.14	प्रति घन मी.
			बालू	26.60	प्रति घन मी.
			बालू (जमुना)	41.53	प्रति घन मी.
02.	पोहकरपुर में घूरेलाल के घर से सुरेन्द्र के घर तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य।	366075	ईट क्लास-150	6170	प्रति हजार
			ईट रोडा 40 मिमी	24.94	प्रति घन मी.
			मौरंग	4.24	प्रति घन मी.
			सीमेंट	4.55	प्रति टन
			इण्टरलॉक	8996	प्रति इंटरलॉक
			गिट्टी	1.10	प्रति घन मी.
			बालू	12.47	प्रति घन मी.
			बालू (जमुना)	16.70	प्रति घन मी.

नोट:- अनुमन्य जी.एस.टी. अलग से देय होगा।

निविदा फार्म / क्रय की जाने वाली सामग्री सम्बन्धित दिशा निर्देश अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय पंचायत भवन / ग्राम पंचायत डालपुर ग्रन्ट से दिनांक 05.02.2026 से 11.02.2026 तक 100 रूपये जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा दिनांक 11.02.2026 अपरान्ह 02 बजे तक जमा किये जा सकते हैं। तथा उसी दिनांक को 03 बजे गठित समिति के समक्ष निविदा खोली जायेगी। किसी भी निविदा / सभी को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।

जितेन्द्र कुमार
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत डालपुर ग्रन्ट
वि.खं. बांकेगंज (खीरी)

हरीलाल राना
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत डालपुर ग्रन्ट
वि.खं. बांकेगंज (खीरी)

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, भावलखेड़ा (शाहजहांपुर)

पत्रांक: सी-1602/क्षेत्र पंचायत/टेन्डर/2025-26 दिनांक: 29.01.2026

समस्त पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड भावलखेड़ा जनपद शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु राज्य वित्त आयोग से निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य कराने हेतु ई-निविदाएं http://etender.up.nic.in पर दिनांक 03.02.2026 से दिनांक 09.02.2026 को पूर्वाहन 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी, जहां से इसे डाउनलोड कर सकते है।

क्र.	कार्य का नाम	योजना का नाम	कार्य की संख्या/मात्रा (नग में/मी.)	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रू.)	निविदा शुल्क (रू.)	जमानत धनराशि स्वीकृत निविदा पर 10 प्रति. एफ. डी.आर. द्वारा जमा करनी होगी। (रू.)
1.	ग्राम पंचायत जमुही में सार्वजनिक भवन की बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य।	राज्य वित्त आयोग	143 मी.	21.90 लाख	109500.00	1000.00	219000.00

निविदा पत्र विकास खण्ड भावलखेड़ा दिनांक से 03.02.2026 से दिनांक 09.02.2026 तक निविदा शुल्क नगद जमा कर कार्यालय से जमा रसीद प्राप्त की जा सकती हैं । निविदाएं दिनांक 10.02.2026 को पूर्वान्ह 03:00 बजे तक तकनीकी एवं वित्तीय निविदाएं खण्ड विकास अधिकारी के कार्यालय में निविदा दाताओ के समक्ष खोली जायेंगी । उक्त तिथि पर यदि कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्य दिवस पर खोली जायेगी। निविदाओं की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी । निविदा से संबंधित नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस पर विकास खण्ड कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र के साथ पंजीकृत फर्म का पैन नं0/जी0एस0टी0 नं0 /लेबर रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र की स्वयं प्रमाणित छाया प्रति जमा करना अनिवार्य है।

1. निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी भावलखेड़ा में निहित होगा। निविदा से संबंधित कोई भी विवाद मा0 न्यायलय शाहजहाँपुर में ही मान्य होगा।
2. कार्य को पूर्ण करने की समयावधि वर्षा ऋतु को शामिल करते हुये 03 माह होगी ।
3. प्रत्येक कार्य की कुल धनराशि पर 05 प्रति0 अर्नेस्ट मनी जमा करनी होगी। टेडर स्वीकृत होने पर 05 प्रति. जमानत धनराशि खण्ड विकास अधिकारी के पक्ष में एफ.डी.आर.बन्धक/प्रत्येक कार्यो के बिलो से कटौती कर ली जायेगी।
4. प्रत्येक कार्य की कुल धनराशि पर 05 प्रति0 अर्नेस्ट मनी जमा करनी होगी। टेडर स्वीकृत होने पर 05 प्रति0 जमानत धनराशि खण्ड विकास अधिकारी के पक्ष में एफ0डी0आर0 बन्धक / प्रत्येक कार्यो के बिलो से कटौती कर ली जायेगी ।
5. सशर्त निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी ।
6. निविदा प्रपत्र के साथ पंजीकृत फर्म का पैन नं0, जी.एस.टी. नं., लेवर रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र की स्वयं प्रमाणित छायाप्रति, चरित्र प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, हैसियत प्रमाण -पत्र, ई0पी0 एफ0 कटौती सम्बन्धी रसीद, अपलोड करना अनिवार्य है।
7. निविदा डालने हेतु फर्म किसी भी सरकारी संस्थान में पंजीकृत होने का प्रमाण - पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।
8. निविदा डालने हेतु फर्म को बिल्डिंग निर्माण का 05 वर्ष का अनुभव प्रमाण-पत्र अपलोड करना अनिवार्य है।
9. निविदा डालने हेतु फर्म को अपने 05 वर्ष का आयकर रिटर्न सम्बन्धी प्रपत्र अपलोड करना अनिवार्य है।
10. निविदा डालने हेतु फर्म की बिड क्षमता 2 करोड़ से अधिक होना अनिवार्य है।
11. निविदा डालने हेतु 100 रूपये के स्टाम्प पर अनुबन्ध पत्र देना अनिवार्य है ।
12. निविदा डालने हेतु 10 रूपये के स्टाम्प पर यह अनुबन्ध पत्र देना अनिवार्य है कि निविदा डालने वाली फर्म का कोई भी सगा सम्बन्धी विकास खण्ड कार्यालय में कार्यरत नहीं है।
13. निविदा डालने हेत 10 रूपये के स्टाम्प पर यह अनुबन्ध पत्र देना अनिवार्य है कि निविदा डालने वाली फर्म के पास निर्माण से सम्बन्धी सभी उपकरण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।
14. निविदा डालने वाली फर्म को निविदा क्रय की धनराशि विकास खण्ड कार्यालय में जमा करानी होगी एवं कार्यालय से प्राप्त जमा रसीद को अपलोड करना अनिवार्य है।
15. निविदा स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार खण्ड विकास अधिकारी भावलखेड़ा में निहित होगा। निविदा से सबंधित कोई भी विवाद मा. न्यायालय शाहजहांपुर में ही मान्य होगा।

अभिषेक अग्रवाल
खण्ड विकास अधिकारी
भावलखेड़ा-शाहजहांपुर

भाई की बीमारी पर खर्च हो रही रकम गुजरी नागवार, कर दी हत्या

लोटे से पीटकर हत्यारे ने बीमार भाई को उतारा मौत के घाट

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : योगेश हत्याकांड के सजायाफ्ता संदीप जायसवाल ने मंगलवार की आधी रात एक और बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। इस बार उसने अपने बीमार भाई सोनू को निशाना बनाया।

उसे यह नागवार गुजर रहा था कि सोनू की बीमारी पर भतीजे की रकम खर्च हो रही है और उसे ढेला तक नसीब नहीं हो रहा है। इसी कुंठा में रात को शराब के नशे में धुत होकर संदीप घर पहुंचा और अपनी मां व भाई को बंधक बनाकर स्टील के लोटे से हमला कर दिया। सोनू के चेहरे और सिर पर वह तब तक हमले करता रहा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। घटनास्थल से फरार हत्यारा कुछ ही दूरी पर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने आरोपी के पास से लोडेड रिवॉल्वर और कारतूस बरामद किए हैं। कोतवाल विजय सिंह मेहता ने बताया कि मंगलवार की लगभग आधी रात हत्या की वारदात हुई। राम मंदिर बगीचा, बरेली रोड निवासी सोनू जायसवाल (42 वर्ष) पुत्र स्व. लल्लन प्रसाद जायसवाल यहां अपनी मां रानी, भाई संदीप जायसवाल व भतीजे अंकित के साथ रहता था। सोनू लीवर सिरोसिस नाम की गंभीर बीमारी से ग्रस्त था। मंगलवार की रात संदीप शराब के नशे में घर पहुंचा और सोनू को उसकी बीमारी पर ताने मारने लगा। इसी बात पर दोनों में विवाद हो गया। संदीप ने कहा, तेरी वजह से सब बर्बाद हो रहा है। इतने में उसने पास में रखा स्टील का लोटा हाथ मे उठा लिया। सोनू कुछ समझ पाता, इससे पहले ही संदीप ने सोनू के चेहरे और सिर पर ताबड़तोड़ हमले कर दिए।

सोनू।

देर से कॉलेज पहुंचने पर विद्यार्थियों की हुई पिटाई

- **दो सहायक प्रोफेसर निलंबित, चार हिरासत में**

कानपुर, एजेंसी

कानपुर के मंधाना क्षेत्र स्थित महाराणा प्रताप इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्र-छात्राओं ने घने कोहरे के कारण देर से पहुंचने पर संकाय सदस्यों द्वारा कथित तौर पर की गई पिटाई के विरोध में प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विवाद बढ़ने पर कॉलेज प्रशासन ने दो सहायक प्रोफेसरों सुभाष चंद्र मौर्य और अनिल कुमार पाठक को निलंबित कर दिया है और प्रकरण की जांच के लिये समिति गठित की है।

इस बीच पुलिस ने चार अन्य शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। छात्रों ने बताया कि घने कोहरे के कारण उन्हें सुबह कॉलेज आने में देर हुई और वे नौ बजे के बाद जब परिसर में पहुंचे तो कुछ शिक्षकों ने उन्हें देर से आने पर कथित रूप से लाठियों और बेल्ट से पीटा और 300 रुपये लेट चार्ज देने को कहा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सं0 उपमु0इं0-निर्माण-एलजेएन-01-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0 : (1) खुली निविदा संख्या: उपमु0इं0-नि0-एलजेएन-01-2026 दिनांक 02.02.2026 कार्य का नाम:** सीतापुर-मैलानी खण्ड में झरेखापुर हाल्ट को 3 लाईन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन तथा देवकली हाल्ट को 3 लाईन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन के साथ लाईन सं0-3 पर गुड्स प्लेटफार्म का कार्य। **अनुमानित निविदा मूल्य :** 36,41,58,217.18 **बयाना राशि (रु) :** 19,70,800.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) :** निल। **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 (बारह) माह। ● **क्रम सं0-1 :** ई-टेण्डर डालने की अंतिम तिथि 24.02.2026 समय 15.00 बजे तक है तथा उसी दिन 15.30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के कार्यालय मे खोली जायेगी। ● निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं भातें बेवसाइट **http://ireps.gov.in.** अथवा बेवसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in.** पर भी देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना मे यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों मे कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I लखनऊ

मुजाघि/डब्लू-446

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)

संख्या:- 1070/न.पं.कुंवरगांव/पेयजल निविदा/(2025-26) दिनांक: 04.02.2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत कुंवरगांव की ओर से अद्योहस्ताक्षरी द्वारा राज्य सेक्टर के पेयजल हेतु व्यवस्था वर्ष 2025-26 में प्राप्त धनराशि से निम्नवत् कार्य हेतु फर्मो/ठेकेदारों से दिनांक 05.02.2026 से दिनांक 16.02.2026 दोपहर 02:00 बजे तक ई-निविदा (टैक्नीकल/फाईनेन्शियल बिड) आमंत्रित की जाती है। जिसकी समस्त कार्यवाही वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। आमंत्रित ई-निविदा दिनांक 17.02.2026 को प्रात: 11:00 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं) **अध्यक्ष नगर पंचायत कुंवरगांव (बदायूं)**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोनिवि बदायूं।

पत्रांक 238/निविदा/2025-26 दि0 29/01/2026

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0 बदायूँ के क्षेत्रान्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई-निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र साईट/पोर्टल पर दिनांक 06.02.2026 से दिनांक 13.02.2026 मध्यान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 13.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू.)	धरोहर धनराशि (लाख रू.)	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत गढ़िया रंगीन लालपुर खादर से कटकोटरा मार्ग के किमी0-3 में स्थित लघु सेतु की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	32.50	3.30	944	2 Month	A, B, C & D (Bridge work)
2	दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत राज्य मार्ग, प्रमुख जिला मार्ग एवं अन्य जिला मार्गों पर पॉट होल्स / पैच मरम्मत का कार्य	15.00	1.50	944	6 Month	A, B, C & D (Road work)
3	दातागंज विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्रामीण मार्गों पर पॉट होल्स / पैच मरम्मत का कार्य	15.00	1.50	944	6 Month	A, B, C & D (Road work)
4	शेखूपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत राज्य मार्ग, प्रमुख जिला मार्ग एवं अन्य जिला मार्गों पर पॉट होल्स / पैच मरम्मत का कार्य	15.00	1.50	944	6 Month	A, B, C & D (Road work)

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

UP-245182 दिनांक 03.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नरेश कुमार) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लोनिवि, बदायूँ

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 664/76सी0(ए0)(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 29.01.2026

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

(स्वीकृति की प्रत्याशा में)

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र में निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आइटम दरों पर (Item Rate Bids) ई-निविदा दिनांक 11.02.2026 से दिनांक 28.02.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदादाता बिड से संबंधित अभिलेख जैसे कि कान्ट्रेक्ट डाटा, प्रपत्र, शर्तें, विषिष्टियॉ, बिल ऑफ क्वांन्टिटी आदि एवं बिड की संषोधित/परिषिष्ट शर्तें इत्यादि का भली-भॉति परीक्षण कर लें। निविदा दिनांक 28.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
	निर्माण लागत	5 वर्षीय अनुरक्षण लागत	कुल लागत			
1			2	3	4	5
पीलीभीत गोमती उद्गम स्थल माधोटांडा पूरनपुर, मुख्य मार्ग से मन्दिर तक पहुँच मार्ग (ग्रामीण मार्ग) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य।	1055.50	26.40	1081.90	21.70	2714.00	12 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

(राजेष चौधरी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
पीलीभीत

(के0 के0 सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ-पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0,
बरेली

UP-245170 दिनांक 03.02.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

स्कॉर्पियो पुल के नीचे गिरी, तीन की मौत

जगदलपुर। बस्तर में युवा पर्यटकों से भरी एक स्कॉर्पियो के पेड़ से टकराने के बार पुल के नीचे गिरी, यह हादसा 3 फरवरी की रात हुआ। इस दुर्घटना में पांच लोगों को चोटें आईं हैं तथा पांच लोगों खरोंच तक नहीं है। सभी दोस्त छत्तीसगढ़ के ही गरियाबंद जिले के निवासी हैं। बुधवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा मारडूम थाना क्षेत्र में 3 फरवरी की देर रात हुआ था। गरियाबंद जिले के 13 युवकों का समूह एक स्कॉर्पियो में बस्तर भ्रमण पर निकला था। लोहंडीगुड़ा थाना के प्रभारी रवि कुमार के अनुसार, समूह ने 2 फरवरी की शाम दंतेवाड़ा पहुंचने के बाद अगले दिन मां दंतेश्वरी के दर्शन किए और बारसूर घूमने गए। देर रात जगदलपुर वापस लौटते समय हादसा हुआ। पुलिस के मुताबिक, चालक का रात के अंधेरे में वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और कार सीधे एक बड़े पेड़ से जा टकराई, जिससे वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

ट्रेन की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

पलक्कड़। केरल के पलक्कड़ जिले के वालयर क्षेत्र के पास बुधवार तड़के एक जंगली हाथी रेल की पटरी मिला। वन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वयस्क नर हाथी की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वन और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि इस वन क्षेत्र में ट्रेन की गति सीमा निर्धारित होती है और यह हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है।

विधि छात्रा ने खाई में कूदकर की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के लोनावला पर्यटन स्थल पर एकल यात्रा (सोलो ट्रिप) पर गई 19 वर्षीय एक विधि छात्रा ने गहरी खाई में कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान नवी मुंबई निवासी श्रिया पाती के रूप में हुई है। वह ठाणे जिले के कल्याण स्थित एक निजी कॉलेज से विधि की पढ़ाई कर रही थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के वास्तविक कारणों का पता मौके से बरामद मोबाइल फोन और लैपटॉप की जांच के बाद ही चलेगा। अधिकारी के अनुसार, छात्रा 30 जनवरी की सुबह माता-पिता से यात्रा पर जाने और शाम तक लौटने की बात कहकर घर से निकली थी।

समझौते में हम कृषि क्षेत्र की सुरक्षा करने में रहे सफल

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा और राज्यसभा में भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर दिया वक्तव्य

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में भाषण देते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

संसद में बुधवार को केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भारत इस समझौते में कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। गोयल ने पहले लोकसभा में और फिर राज्यसभा में अपनी ओर से भारत एवं अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते पर एक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से भारत को विकसित बनाने की दिशा में देश की यात्रा को मजबूती मिलेगी।

गोयल ने कहा कि दोनों देश नियमित रूप से चर्चा कर रहे थे, दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर गहन बातचीत की है। उनका कहना था कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण और संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करते हुए यह समझौता करने में सफल रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर चर्चा की और इसके बाद ट्रंप ने अमेरिका के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। गोयल ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि यह अमेरिका द्वारा कई प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए शुल्क से कम है। उन्होंने कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान करेगा।

मंत्री के अनुसार, भारतीय पक्ष विशेष रूप से कृषि और दुग्ध क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सफल रहा है। गोयल ने जोर दिया, खाद्य और कृषि क्षेत्र में भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक ढांचागत समझौता दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते की प्रक्रियाओं और कागजी कार्रवाई को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश को विकसित बनाने के पथ पर आगे बढ़ने के लिए ऊर्जा, विमानन, डेटा केंद्र और परमाणु ऊर्जा समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपनी क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता होगी और अमेरिका इन क्षेत्रों में अग्रणी देश है।

संसद सत्र के दौरान वाणिज्य मंत्री की प्रेस वार्ता सदन की परंपरा का उल्लंघन है : कांग्रेस

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा सत्र के दौरान संसद के बाहर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रेस वार्ता करने पर चिंता व्यक्त की। तिवारी ने शून्यकाल के दौरान नियम 258 का हवाला देते हुए कहा कि सदन नियमों और परंपराओं के अनुसार चलता है। सदन की परंपरा रही है कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तो नीतिगत मुद्दों को सदन के बाहर नहीं उठाया जा सकता। हालांकि, कल वाणिज्य मंत्री ने व्यापार समझौते पर प्रेस वार्ता की। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने व्यवस्था के प्रश्न को खारिज करते हुए कहा कि मंत्री को बुधवार को ही सदन में इस मुद्दे पर बयान देना था। उन्होंने कहा कि मंत्री आज बयान देने वाले हैं, इसलिए व्यवस्था का कोई प्रश्न नहीं है। इस पर तिवारी ने कहा कि वह मंगलवार की बात को लेकर चिंता जता रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस सदस्य की आपत्ति को स्वीकार करते हुए कहा कि वह व्यवस्था के प्रश्न से सहमत हैं और ऐसी परंपरा मौजूद है। रीजीजू ने कहा कि कल लोकसभा में (व्यापार समझौते पर) बयान देने का कार्यक्रम था। परिस्थिति ऐसी बनी कि बयान देना संभव नहीं हो सका। आज राज्यसभा और लोकसभा दोनों जगह बयान दिया जाएगा। तिवारी के बार-बार आग्रह करने के बावजूद सभापति ने इस विषय पर आगे की चर्चा की अनुमति नहीं दी। बाद में, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जॉन ब्रिटास ने नियम 267 के तहत व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए निर्धारित कार्यवाही को स्थगित करने की मांग की। सभापति ने इसे खारिज करते हुए कहा कि आप नियम 267 के आधार पर खुद को सही बता रहे हैं। पहले ही इस संबंध में फैसला दिया जा चुका है। बहुत ही आपातकालीन स्थिति को छोड़कर नियम 267 के तहत कोई प्रस्ताव नहीं रखा जाएगा।

कैंसर की जांच में अस्पताल ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली के एक निजी अस्पताल ने बुधवार को आठ घंटे के भीतर सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर के दौरान सबसे अधिक नमूने एकत्र करके 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में अपना नाम दर्ज कराया है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बुध विहार में आयोजित जांच शिविर के दौरान नोवानेओ अस्पताल ने सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे के बीच 500 से अधिक महिलाओं की जांच की तथा 'पैप' और 'एचपीवी' के नमूने एकत्र किए। बयान में कहा गया कि अस्पताल परिसर में दिल्ली राज्य कैंसर चिकित्सा संस्थान के सहयोग और ऑल इंडिया तेरापंथ महिला मंडल के साथ मिलकर आयोजित यह शिविर क्षेत्र में एक दिन में सर्वाइकल कैंसर जांच के सबसे बड़े प्रयासों में से एक है। बयान के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र पता लगाना था, जो भारत में महिलाओं में सबसे आम लेकिन रोके जा सकने वाले कैंसरों में से एक है।

इंडिगो और एयर इंडिया ने ईरान के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल बंद किया

नई दिल्ली, एजेंसी

● एहतियातन वैकल्पिक मार्गों से उड़ान भर रहे दोनों के विमान

पश्चिम एशिया में बदलते भू-राजनीतिक हालात के बीच इंडिगो और एयर इंडिया ने ईरानी हवाई क्षेत्र का उपयोग बंद कर दिया है और अब अपनी लंबी दूरी वाली उड़ानों का संचालन वैकल्पिक मार्गों से कर रही हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। हालांकि, वैकल्पिक मार्ग अपनाने के कारण यूरोप, ब्रिटेन और अमेरिका के लिए उड़ानों का समय बढ़ गया है, जिससे ईंधन की खपत भी अधिक हो रही है।

इंडिगो ने कहा कि वह पट्टे पर लिए गए ड्रीमलाइनर विमानों से संचालित की जा रही अपनी लंबी दूरी वाली उड़ानों का समायोजन करेगी। इसके तहत 17 फरवरी से कोपनहेगन के लिए सेवाएं निलंबित की जाएंगी, जबकि दिल्ली-लंदन हीथ्रो और दिल्ली-मैनचेस्टर मार्गों पर उड़ानों की संख्या भी घटाई जाएगी। एयरलाइन ने बयान में कहा कि उसके चौड़े आकार वाले विमानों के परिचालन को भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण लगातार बदलते हवाई-क्षेत्र प्रतिबंधों और भारत एवं दूसरे देशों के हवाई अड्डों पर बढ़ती भीड़ जैसी बाहरी परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। एयर इंडिया के एक सूत्र ने कहा कि ईरान में बदल रही स्थिति को देखते हुए एयरलाइन अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के लिए जाने वाली उड़ानों के लिए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल कर रही है। एयर इंडिया अमेरिका के कई शहरों के अलावा कनाडा के टोरंटो एवं वैंकूवर शहरों के लिए भी उड़ानें संचालित करती है। सूत्र ने बताया कि एयर इंडिया अपने उड़ान परिचालन के लिए सुरक्षा और संरक्षा परिदृश्य की निरंतर निगरानी और आकलन कर रही है। यह प्रक्रिया जोखिम-आकलन व्यवस्था के तहत की जा रही है जिसे वैश्विक विमानन सुरक्षा एजेंसियों और विशेषज्ञ सुरक्षा सलाहकार भागीदारों से मिली सूचनाओं पर आधारित है। सूत्र के मुताबिक, एयरलाइन इन आकलनों के आधार पर आवश्यकता के अनुरूप अपने परिचालन की पूर्व-योजना बनाती रहती है।

भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह बने मणिपुर के मुख्यमंत्री

इंफाल। भाजपा नेता वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 62 वर्षीय सिंह को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुकी समुदाय से ताल्लुक रखने वालीं भाजपा विधायक नेमचा किपगेन और नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के विधायक एल. डिखो ने मणिपुर के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

किपगेन ने नई दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से ऑनलाइन माध्यम से शपथ ली। भाजपा के गोविंदास कोंथौजम और एनपीपी नेता के. लोकेन सिंह ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के कुछ घंटों बाद यहां 'लोक भवन' में शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

सेवा और सभी का कल्याण है भारत का धर्म : मोहन भागवत

खरगोन, एजेंसी

● खरगोन के लेपा गांव में बोले आरएसएस के सर संघचालक

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं है, बल्कि यह सेवा, कर्म और सामूहिक कल्याण की भावना का प्रतीक है।

जिले के कसरावद में स्थित लेपा गांव में एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारतीय परंपरा उपकार करने में नहीं, बल्कि सेवा की भावना में निहित है और दूसरों की सेवा करना भारत का धर्म है। संघ की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सरसंघचालक ने कहा कि हमारे यहां चैरिटी नहीं, अपितु सेवा है।

जीवन में सेवा के जो भी अवसर मिलें, सेवा करना चाहिये। सेवा से हमारी शुद्धि होती है। जिसके पास जो हो, वो देना चाहिये। उन्होंने कहा कि दूसरों के दुखों को नजरअंदाज करते हुए खुशी का आनंद लेना मानवीय संवेदनशीलता के खिलाफ है और समाज के दर्द को कम करना भारत का अंतर्निहित स्वभाव है एवं इसी आधार पर भारत ने दुनिया को धर्म का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि पराधीनता के दौर में भी भारत का यह चरित्र नहीं बदला।

चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र-निर्माण'' विषय पर अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की पीड़ा को दूर करने के लिए होना चाहिए।

भागवत ने कहा कि श्रम की गरिमा और आत्मनिर्भरता के महत्व को सीखना ही सच्ची शिक्षा है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति का मतलब केवल आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह जल संसाधनों, जंगलों, नदियों, पहाड़ों, जानवरों और मनुष्यों का समग्र विकास है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने कार्यक्रम के दौरान मराठी ऑडियोबुक ''गोष्ट-नर्मदालयाची'' का भी विमोचन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन निमाड़ अभ्युदय ग्रामीण प्रबंधन एवं विकास संघ और श्री रामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

मध्यप्रदेश में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी

● पुलिस ने फैक्ट्री से बरामद किया 320 किग्रा संदिग्ध केमिकल

राजस्थान में झालावाड़ पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश में चल रही ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश कर 320.72 किलोग्राम संदिग्ध केमिकल के साथ पांच तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। झालावाड़ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की रात को पुलिस टीमों ने ग्रोथ सेंटर चौराहे पर खड़ी संदिग्ध पिकअप और महिंद्रा टीयूवी को चैक किया। तलाशी में पिकअप में घरेलू सामान के नीचे छिपाए गए छह ड्रम बरामद हुए। इनमें केमिकल भरा था, जिसका उपयोग एमडी जैसी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स बनाने में किया जाता है।

प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए तस्करों दीपक, जितेंद्र सिंह और शैलेंद्र विलाला निवासी आगर मालवा मध्यप्रदेश ने खुलासा किया कि वे यह केमिकल ट्रांसपोर्ट के जरिए महाराष्ट्र से कोटा मंगवाया था। वहां से इसे किराए की पिकअप में भरकर मध्यप्रदेश के आगर में जयनारायण को डिलीवरी देने जा रहे थे। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल मध्यप्रदेश के सुसनेर में दबिश देकर मुख्य रिसीवर जयनारायण और उसके साथी रामलाल को दबोच लिया। पूछताछ के बाद पुलिस राजगढ़ जिले के माचलपुर पहुंची। हालांकि मुख्य सरगना रघुनंदन पाटीदार अपनी कार लेकर फरार हो गया, लेकिन जब पुलिस ने उसके घर पर दबिश दी तो वहां पूरी ड्रग्स फैक्ट्री संचालित होती मिली। मौके से भारी मात्रा में ड्रग्स बनाने के उपकरण और अन्य केमिकल बरामद किए गए। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 30 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि यह केमिकल कहां से सप्लाई हो रहा था और इसका नेटवर्क राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के किन-किन हिस्सों में फैला है।

हैदराबाद में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने की खुदकुशी

हैदराबाद। अपनी नौकरी की जरूरतों को पूरा करने में खुद को असमर्थ पा रहे एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने बुधवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि 31 वर्षीय इस इंजीनियर ने आज सुबह मियापुर में अपने घर पर फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि उसने लगभग दो महीने पहले एक प्रतिष्ठित सॉफ्टवेयर कंपनी में काम शुरू किया था और हाल में कोडिंग से संबंधित काम संभाला था, जो उसे मुश्किल लग रहा था। पुलिस के मुताबिक एक साल पहले शादी करने वाले इस सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी समस्या अपनी पत्नी और भाई को बतायी थी तथा वह अक्सर अपनी पत्नी से फोन पर बात करता था। उसकी पत्नी जनवरी में पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में अपने मायके गई है, लेकिन अभी तक हैदराबाद नहीं लौटी थी। पुलिस ने कहा कि उसके इस अतिवादी कदम का कारण काम की लंबी अवधि को नहीं बताया जा रहा है।

बर्फ के बीच जीवन...

अनंतनाग में बुधवार को ताजा बर्फबारी के बाद धूप खिली। इस दौरान एक महिला बर्फ से ढके खेत से होते हुए अपने पशुओं को नदी तक पानी पिलाने के लिए ले जा रही है। ● एजेंसी

राज्य चुनाव आयुक्तों का 24 को होगा राष्ट्रीय सम्मेलन

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोगपिछले 25 वर्षों बाद आगामी 24 फरवरी को राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। इससे पहले राज्य चुनाव आयुक्तों का राष्ट्रीय सम्मेलन 1999 में आयोजित किया गया था। चुनाव पैनल ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सम्मेलन नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य चुनाव आयुक्तों के भाग लेने की उम्मीद है।राज्य चुनाव आयुक्त अपने कानूनी और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे, जिससे नीति और परिचालन दोनों मुद्दों पर गहन चर्चा संभव होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

100 से अधिक नाइजीरियाई हिरासत में, कोकीन जब्त

पालघर (महाराष्ट्र), एजेंसी

● पालघर में विदेशियों के दस्तावेज सत्यापन के दौरान की कार्रवाई

पालघर जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बुधवार को नालासोपारा पूर्व क्षेत्र में दस्तावेजों के सत्यापन के लिए 109 नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। अभियान के दौरान ली गई तलाशी में लगभग दो किलोग्राम कोकीन जब्त की गई। अधिकारी ने कहा कि अब तक इनमें से किसी ने भी वैध यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं। पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी ने कहा कि मीरा-भयंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की टीम ने सुबह छह बजे तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने कहा, एक जगह पर हमने एक व्यक्ति से दो किलोग्राम कोकीन जब्त की है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि नाइजीरिया, युगांडा और घाना सहित कई देशों के नागरिक नालासोपारा, अचोले और तुलिंज में रहते हैं और ये मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल पाए गए हैं। चौगुले-श्रृंगी ने कहा, ये विदेशी नागरिक लगातार मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहे हैं और हाल ही में यह भी पता चला है कि उन्होंने अवैध दुकानें भी खोल रखी हैं। वसई-विरार नगर निगम को भी इन गतिविधियों की जानकारी थी। इसलिए, हमने मादक पदार्थों और अवैध प्रतिष्ठानों के खिलाफ समन्वित कार्रवाई शुरू की है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों को अपने यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, अब तक एक भी व्यक्ति वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया है... जो लोग वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे, उन्हें रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि जो ऐसा करने में विफल रहेंगे, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें उन्हें वापस उनके देश भेजा जाना भी शामिल है।

मोदी सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते

नई दिल्ली, एजेंसी

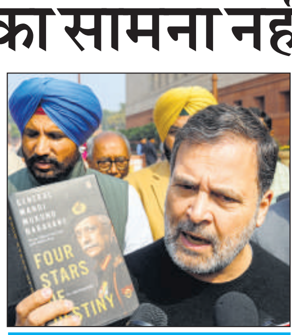

● राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री आज संसद में नहीं आए क्योंकि वह डरे हुए हैं

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी आज संसद में नहीं आए क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते हैं। राहुल गांधी पूर्व सेना प्रमुख नरवणे के अप्रकाशित संस्मरण की एक प्रति लेकर संसद पहुंचे थे और कहा था कि यदि प्रधानमंत्री सदन में आते हैं तो वह यह पुस्तक उन्हें भेंट करेंगे।

लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, जैसा मैंने कहा, प्रधानमंत्री संसद में नहीं आएंगे क्योंकि वह डरे हुए हैं और सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते। इससे पहले, उन्होंने इस अप्रकाशित पुस्तक के एक अंश का हवाला देते हुए दावा किया कि जब चीन के टैंक भारत की सीमा की तरफ बढ़ रहे थे, उस वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन नहीं किया था। उन्होंने पुस्तक दिखाते हुए कहा कि वे कहते हैं कि यह किताब अस्तित्व में नहीं है, लेकिन यह रही किताब।

सच्चाई से डर रही सरकार : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने दावा किया कि सरकार राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दे रही है क्योंकि वह इस बात को लेकर डरी हुई है कि चीन के साथ सैन्य तनाव के समय की उसकी सच्चाई सामने आ जाएगी। प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में कहा कि जब मोदी सरकार सदन को बाधित करना चाहती है, तो निशिकांत दुबे को बोलने के लिए खड़ा कर देती है। राहुल गांधी को संसद में, पब्लिश हो चुकी किताब से कुछ उद्धृत नहीं करने दिया गया, वहीं निशिकांत दुबे 6 किताबें लिए हुए हैं, सामने से दिखा रहे हैं, उनमें से उद्धृत कर रहे हैं, लेकिन उनका माइक बंद नहीं किया जा रहा है।

छात्रा को थप्पड़ मारने में शिक्षिका को तीन साल की मिली सजा

गांधीनगर। गुजरात में गांधीनगर की अदालत ने होमवर्क पूरा न करने पर नौवीं कक्षा की छात्रा को थप्पड़ मारने की आरोपी स्कूल शिक्षिका को दोषी ठहराते हुए तीन साल से अधिक की सजा सुनाई है। इस घटना से छात्रा के बाएं कान का पर्दा फट गया और उसे सुनने में दिक्कत होने लगी।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हिमांशु चौधरी ने 30 जनवरी को फैसले में कहा कि यह अपराध शिक्षक द्वारा अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल था, जिससे 14 साल की लड़की को गंभीर चोट लगी और उसे सुनने में दिक्कत हुई। अदालत ने कहा कि घटना के साढ़े चार साल बाद भी पीड़िता का उपचार जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा | व्यक्तिगत स्वतंत्रता की याचिकाओं की सुनवाई न होना निराशाजनक

लंबित जमानत मामलों की सभी हाईकोर्ट सौंपे रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने देश के सभी उच्च न्यायालयों से जमानत से जुड़े लंबित मामलों के बारे में रिपोर्ट मांगते हुए बुधवार को कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए दायर याचिकाओं की शीघ्र सुनवाई न होना निराशाजनक है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा विपुल एम पंचोली की पीठ ने उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरलों को सभी जमानत याचिकाओं का विवरण प्रदान करने का निर्देश दिया। इन जमानत याचिकाओं में इस वर्ष एक जनवरी के बाद दाखिल किए गए नियमित और अग्रिम आवेदन भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि याचिका दाखिल करने की तारीख, अगली सुनवाई की तारीख और यदि कोई निर्णय हो तो उसकी तारीख उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही, उसने जनवरी 2025 से पहले दायर की गई लंबित जमानत याचिकाओं का विवरण भी मांगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि हमें यह देखकर बेहद निराशा हुई है कि निजी आजादी की अपीलों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वांगचुक की हिरासत पर पुनर्विचार करे केंद्र सरकार

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या इस बात की संभावना है कि वह जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उनकी हिरासत पर विचार कर सकती है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ ने कहा कि वांगचुक की स्वास्थ्य रिपोर्ट ठीक नहीं है और केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज को इस मामले में निर्देश लेने चाहिए। अदालत ने कहा कि दलीलों, जवाबी दलीलों और कानूनी पहलुओं के अलावा अदालत का एक अधिकारी होने के अलावा इस बात पर भी विचार करें। पांच महीने पहले 26 सितंबर 2025 को हिरासत संबंधी आदेश जारी किया गया था। पीठ ने कहा कि हिरासत में लिए गए व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति पर विचार करते समय हमने जो रिपोर्ट देखी है, उससे पता चलता है कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। कुछ आयु संबंधी और कुछ दूसरी समस्याएं हैं।

अमृत विचार

गुरुवार, 5 फरवरी 2026

खुशी तब होती है जब आपके विचार, आपके शब्द और आपके कर्म आपस में सामंजस्य में हों।
–महात्मा गांधी

डिजिटल संप्रभुता का संदेश

डिजिटल युग में नागरिकों की निजता और तकनीकी कंपनियों के कारोबारी मॉडल के बीच खिंचाव अब खुलकर सामने आ गया है। यह मामला केवल एक कंपनी का नहीं, बल्कि भारत की उभरती डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा तय कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मेटा को यह कहना कि 'देश का कानून मानो या बाहर जाओ' महज टिप्पणी नहीं, डिजिटल संप्रभुता का स्पष्ट संदेश है। यह टिप्पणी उस समय आई है, जब व्हाट्सएप और मेटा, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के 213.14 करोड़ रुपये के जुर्माने और निर्देशों को चुनौती दे रहे हैं।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने 2021 की व्हाट्सएप प्राइवेसी पॉलिसी के तहत अनिवार्य डेटा शेयरिंग को प्रतिस्पर्धा-विरोधी मानते हुए मेटा पर जुर्माना लगाया और निर्देश दिया कि यूजर्स का डेटा अन्य मेटा कंपनियों के साथ साझा न किया जाए। कंपनी का तर्क था कि यह डेटा सेवाओं को बेहतर बनाने और एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम तैयार करने के लिए आवश्यक है, लेकिन पहले आयोग और अब सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रश्न यह है कि क्या सेवा सुधार के नाम पर उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी को व्यापक व्यावसायिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है? यह विवाद केवल डेटा गोपनीयता का नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा और डेटा के आर्थिक मूल्य का भी है। आज डेटा 'नया तेल' कहा जाता है। उपयोगकर्ता की आदतें, लोकेशन, संपर्क और व्यवहार सबका मौद्रिक मूल्य है। यदि यह जानकारी उपयोगकर्ता की स्पष्ट और समझी हुई सहमति के बिना साझा होती है, तो यह केवल निजता का उल्लंघन नहीं, बल्कि उसकी डिजिटल संपत्ति का दोहन भी है। अदालत का स्पष्ट संकेत है कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार तकनीकी विस्तार के साथ कमजोर नहीं हो सकते। 'टेक्नोलॉजी के युग में डेटा शेयरिंग अनिवार्य है'- यह तर्क न्यायालय ने स्वीकार नहीं किया। यह टिप्पणी महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि यह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को याद दिलाती है कि सुविधा और नवाचार का अर्थ अधिकारों से समझौता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यूजर कंसेंट और ऑप्ट-आउट के तर्क पर भी सवाल उठाना सही था, क्योंकि बड़ी टेक कंपनियों की प्राइवेसी पॉलिसी नागरिकों की समझ से परे जटिल भाषा में होती है। ऐसे में 'सहमति' कितनी स्वैच्छिक है, यह गंभीर प्रश्न है। यदि सहमति अस्पष्ट और असंतुलित है, तो वह वैधानिक सुरक्षा नहीं दे सकती। यह टिप्पणी भविष्य में सभी डिजिटल कंपनियों के लिए चेतावनी है कि पारदर्शिता और सरलता अनिवार्य होगी।

भारत मेटा के लिए सबसे बड़ा बाजार है, जहां 50 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं, इसलिए यह मामला केवल कानूनी नहीं, आर्थिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पक्षकार बनाने का आदेश इस बात का संकेत है कि अदालत इस विवाद को व्यापक नीति-प्रश्न के रूप में देख रही है। नौ फरवरी का अंतरिम आदेश भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर सिद्ध हो सकता है। यदि न्यायालय स्पष्ट रूप से निजता और प्रतिस्पर्धा की रक्षा को पूर्ण प्राथमिकता देता है, तो यह न केवल मेटा बल्कि सभी वैश्विक टेक कंपनियों के लिए नजीर बनेगा।

प्रसंगवश

स्वच्छता को मौलिक अधिकार मानने का महत्व

निवेदिता शर्मा
शिक्षिका

जब एक लड़की मासिक धर्म के कारण स्कूल नहीं जाती, तो सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि उसके सपनों और भविष्य की पढ़ाई अधूरी रह जाती है। ऐसा अक्सर होता रहा है, लेकिन अब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने स्वच्छता को संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। इस फैसले में कहा गया है कि स्वच्छता का अधिकार भी अधिकारों के सबसे मूलाधार आर्टिकल 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) के अंतर्गत आता है, जो प्रत्येक व्यक्ति की गरिमा, स्वास्थ्य और समानता सुनिश्चित करता है। यही कारण है कि अदालत ने स्कूलों में लड़कियों को मुफ्त सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

पुरानी सामाजिक मान्यताओं की वजह से मासिक धर्म को 'अशुद्ध' या 'अछूत' माना जाता रहा है। इससे लड़कियों को सामाजिक और मानसिक दबाव झेलना पड़ता था। ऐसी सोच कभी 'आराम' देने के नाम पर शुरू हुई, लेकिन वह अंधविश्वास और नकारात्मक रूढ़िवाद में बदल गई, जिससे लड़कियों को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और शिक्षा के मौके से वंचित होना पड़ा।

जहां सही जानकारी और स्वच्छ सुविधा न हो, वहां स्वास्थ्य समस्याएं भी बढ़ जाती हैं। शोध बताते हैं कि लगभग 64% किशोर लड़कियों को मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं जैसे यूटीआई, दर्द या संक्रमण का सामना करना पड़ता है, जिसकी एक बड़ी वजह स्वच्छता और जानकारी की कमी है।

आजकल कई अख़बारों में रिपोर्ट आती हैं कि 15 साल से कम उम्र की लड़कियां भी मासिक धर्म और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की कमी के कारण मानसिक और भावनात्मक असमंजस का सामना कर रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि सही जानकारी न मिलने पर लड़कियां भ्रम, डर या असमंजस में आ जाती हैं, जो कभी-कभी स्वास्थ्य और मानसिक निर्णयों पर गंभीर असर डालता है।

स्कूल में मासिक धर्म के दौरान अनुपस्थिति आम है। अध्ययन बताते हैं कि लगभग 40% लड़कियां मासिक धर्म के दिनों में स्कूल नहीं जातीं। इससे स्कूल में भागीदारी कम होती है और लगभग 2.3 करोड़ लड़कियां हर साल इसी वजह से आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों की श्रेणी में शामिल हो जाती हैं। यह सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उन सपनों और अवसरों की कहानी है, जो अधूरे रह जाते हैं जब सही संसाधन उपलब्ध नहीं होते।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह भी कहा गया है कि केवल पैड देना ही काफी नहीं है; इसके साथ स्वच्छ शौचालय, पानी, साबुन, गोपनीयता और जागरूकता की शिक्षा भी जरूरी है, ताकि लड़कियां अपनी स्वास्थ्य ज़रूरतों को बिना किसी शर्म या डर के पूरा कर सकें। कानूनी तौर पर यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि आर्टिकल 21 का अधिकार सिर्फ जीवन की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि गरिमा, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी ज़रूरतों को भी शामिल करता है। अदालत ने कहा है कि अगर स्कूल इन निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उनकी मान्यता रद्द भी की जा सकती है।

हर मुफ्त पैड एक लड़की को स्कूल भेजता है, और हर सुरक्षित टॉयलेट उसके स्वास्थ्य और अधिकार की गारंटी है। यह आदेश उन लगभग 2.3 करोड़ लड़कियों के लिए खास मायने रखता है, जो मासिक धर्म के कारण स्कूल से दूर हो जाती हैं। जब लड़कियों को स्वच्छता, जानकारी, गोपनीयता और समर्थन मिलेगा, तो वे सिर्फ़ नियमित रूप से स्कूल ही नहीं जाएंगी, बल्कि अपने भविष्य और अवसरों को मजबूती से थाम सकेंगी। यही 'स्वच्छता से सफलता तक' का असली अर्थ है।

जब बिजली जा रही है तो मक्का क्यों नहीं!

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश के साथ रिश्तों में आई खटास का खामियाजा बिहार के मक्का पैदा करने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है। अलबत्ता बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति जारी है।

बांग्लादेश में अगस्त- 2024 में शेख हसीना को सत्ता से हटाने के बाद भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों का सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। आश्चर्य है कि क्रिकेट लीग केकेआर की टीम से बांग्लादेशी खिलाड़ी को हटवा कर अपना राष्ट्रवाद सिद्ध कर रहे संगठनों द्वारा बांग्लादेश को बेची जा रही बिजली की मात्रा बढ़ने के आंकड़े पर शुतुरमुर्ग बन जाते हैं। बदले हालात और भारत के साथ रिश्तों में आई खटास का खामियाजा बिहार के मक्का पैदा करने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है, लेकिन गोड्डा (झारखंड) के कोयला आधारित बिजली घर से बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति लगातार जारी है।

सभी जानते हैं कि कोसी और सीमांचल में अच्छी मक्का होती है और वहां का किसान बांग्लादेश के बाजार को आपूर्ति के लिए ही जमकर मक्का उगाता रहा है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, तो बीते छह महीन से मक्का का निर्यात बंद हो गया। विदित हो कि यहां उगने वाली करीब 70 फीसदी मक्का का निर्यात बांग्लादेश में होता रहा है। स्थानीय बाजार में मक्का की आवक ज्यादा हो गई, तो पिछले साल 2700 रुपये प्रति क्विंटल तक बिकने वाले मक्के को अभी 1800 रुपये प्रति क्विंटल के भाव से भी खरीदार नहीं मिल रहे हैं। बहुत से किसानों को भरोसा है कि कुछ दिन में फिर से निर्यात सामान्य हो जाएगा, सो उन्होंने अपने घर-गोदामों में मक्का का स्टॉक कर लिया है। बरसात के साथ सीलन और भंडारण की दिक्कते बढ़ीं, तो अब किसान इस सोने से दमकती मक्का को गाय-भैंस को खिला रहे हैं।

स्थानीय किसान बताते हैं कि मक्के का भाव साल-दर साल बढ़ रहा था। उन्नत बीज और तकनीकी के इस्तेमाल से उनकी फसल भी बढ़िया हो रही थी, लेकिन बांग्लादेश का रास्ता बंद होते ही मक्का को कौड़ियों के दाम खरीदने वाले नहीं मिल रहे हैं। आज इसके दाम बीते पांच साल में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

विदित हो कि यदि परिवेश में नमी 13–14% से अधिक हो, तापमान 25–35C और हवादार भंडारण न हो तो मक्का में अफ्लाटॉक्सिन नामक एक ज़हरीला मायकोटॉक्सिन निर्मित हो जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में फफूंद लगना कहते हैं। इससे फसल जहरीली हो जाती है। किसान के यहां फफूंद लग रही है तो थोक कारोबारियों ने उधारी पर भी खरीद से मना कर दिया है। बड़े थोक व्यापारी कहते हैं कि चूंकि सीमा पर तनाव है। साथ ही डॉलर की कमी भी है, इसलिए बांग्लादेशी व्यापारी मक्का खरीदने में कम रुचि दिखा रहे हैं। अब हालात इतने खराब हैं कि किसान के लिए लागत निकालना भी मुश्किल है।

किसान को प्रभावित करने वाले ऐसे हालता प्याज, मसाले यदि के साथ भी हैं। भारत ने हाल के समय में गैर-बासमती चावल पर कई प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन बांग्लादेश के साथ विशेष कोटा रहता था। अब तनाव के कारण यह व्यापार भी अनिश्चितता के घेरे में है। अदरख, मिर्च और अंगूर जैसे सामान जो ट्रकों में भरकर सीमा पर जाते हैं, वे बॉर्डर पर देरी होने के कारण अक्सर सड़ जाते हैं। इससे छोटे व्यापारियों को सीधे तौर पर लाखों का घाटा होता है।

बांग्लादेश दुनिया का बड़ा गारमेंट एक्सपोर्टर है और वह इसके लिए भारत से धागा और कच्चा कपास खरीदता है। वहां राजनीतिक उथल-पुथल से फैक्ट्रियां बंद हुईं, जिससे भारत के सूरत, तिरुपुर और लुधियाना के स्पिनिंग मिलों का माल डंप हो गया है। खासकर उत्तर-पूर्वी राज्यों के सीमावर्ती राज्यों में लगने वाली खुली हाट में इस तनाव का व्यापक असर देखा गया।

साल-दर-साल बढ़ रही थी कीमत

उत्पादन वर्ष	कीमत
2019-20	1,300-1,500
2021-22	1,600-1,800
2022-23	1,800-2,000
2023-24	2,100-2,300
2024-25	2,400-2,700
2025-26	1700-1900

(भाव व्यापारियों के अनुसार।)

इसके ठीक विपरीत दोनों देशों की सरकारों के आंकड़े बताते हैं कि बांग्लादेश को बिजली निर्यात बढ़ रहा है। झारखंड के गोड्डा स्थित प्लांट की क्षमता 1600 मेगावाट है और अनुबंध के अनुसार इसका शत-प्रतिशत उत्पादन बांग्लादेश को भेजा जाना है। वैसे बांग्लादेश सरकार द्वारा नियुक्त एक पैनल ने इस आपूर्ति को अत्यधिक महंगा बताया था। भारतीय और बांग्लादेशी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश को होने वाला बिजली निर्यात दिसंबर तक के तीन महीनों में सालाना आधार पर लगभग 38% बढ़कर लगभग 2.25 बिलियन किलोवाट-घंटा (केवीएच) हो गया। बांग्लादेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार, इसने वर्ष के लिए बांग्लादेश के कुल बिजली मिश्रण में भारतीय निर्यात को रिकॉर्ड 15.6% तक पहुंचा दिया, जो 2024 में 12% था। भारत से 2023 की शुरुआत में बांग्लादेश को आपूर्ति शुरू की गई थी।

कैसी विडंबना है कि किसान की फसल सड़ रही है और निर्यात बैन है, लेकिन जिस कारखाने से इस अनुमान के अनुसार औसतन लगभग 9.35 मिलियन टन CO प्रति वर्ष का उत्सर्जन होता है, सल्फर ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसों के साथ सूक्ष्म कण (PM10/PM2.5) वायु में उड़ते हैं और लाखों लोगों के फेफड़ों तक पहुंचते हैं, उस पर कोई नियंत्रण या कमी नहीं है। जान लें गोड्डा प्लांट को चलाने के लिए नजदीकी गंगा नदी से पानी लिया और वापिस निस्तारित किया जाता है। इसने आसपास जल का pH बदल दिया और जलजीवन व कृषि पर नकारात्मक असर डाला है।

2025 में बांग्लादेश को रिकॉर्ड 8.63 बिलियन किलोवाट-घंटा बिजली की आपूर्ति गोड्डा से की गई, जो कुल आपूर्ति का 8.2% है। वहीं अन्य भारतीय कंपनियों से होने वाला आयात मामूली रूप से बढ़कर 7.92 मिलियन किलोवाट-घंटा हो गया। इस साल जनवरी के पहले 27 दिनों के दौरान, कुल बिजली आपूर्ति में गोड्डा की हिस्सेदारी लगभग 10% रही।

आमने सामने

साल-दर-साल बजट की रकम तो बढ़ाई जा रही है, लेकिन इसका सार्थक लाभ धरातल पर नजर नहीं आता। बिहार सरकार बजट का सही इस्तेमाल करने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। यह बजट आम नागरिकों को छलावे के सिवा कुछ नहीं देता।
–राजेश राम
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष, बिहार

आज का विपक्ष इतना 'विद्वान' हो गया है कि बिना बजट समझे ही प्रतिक्रिया दे देता है, जबकि पहले बजट को समझने में दो दिन तक लगते थे। बिहार का बजट विस्तृत और तकनीकी होता है। विपक्ष का यह रवैया बताता है कि उसने बजट को पढ़ने या समझने की कोशिश तक नहीं की।
–दिलीप जायसवाल
उद्योग मंत्री, बिहार

ग्रामीण समृद्धि की रीढ़ बनेगा पशुधन

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

बजट में सरकार ने पशु पालकों और दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए हैं। इससे रोजगार बढ़ने के साथ ही आमदनी में स्थिरता आएगी।

ग्राम और ग्रामीण की समृद्धि की रीढ़ अब केवल खेती-किसानी तक सीमित नहीं रह गई है। इस आम बजट में सरकार ने पशुधन से पशु पालकों और दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने के ठोस उपाय किए हैं। इससे रोजगार बढ़ने के साथ दैनिक और मासिक आमदनी में स्थिरता आएगी। खेती पर बढ़ते संकट कम होंगे। पशुधन, मुर्गी व मत्स्य पालन ग्रामीणों की आजीविका का सहारा बनेंगे। यह पशुधन स्वस्थ्य बना रहे, इस लक्ष्यपूर्ति के लिए 20 हजार से अधिक पशु चिकित्सकों की उपलब्धता भी तय की गई है, ताकि गांव में ही त्वरित इलाज की सुविधा मिले।

फिलहाल देश में पशु-चिकित्सकों की बहुत कमी है, इस कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इस कमी को दूर करने के लिए डेढ़ लाख पशु देखभाल प्रशिक्षित सेवकों की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। इस उपाय से दुधारू पशुओं की असमय मृत्यु में कमी आएगी। यदि पालतू पशुओं को आरक्षित वनों में चरने की छूट दे दी जाती है तो सड़क दुर्घटनाओं में पशुओं के मरने में तो कमी आएगी ही, पौष्टिक चारा मिलने से दूध भी पौष्टिक होगा।

पशुधन की महिमा इस तथ्य से जानी जा सकती है कि खेती से होने वाली कुल आय में करीब 16 प्रतिशत की भागीदारी पशुपालन और उनसे उत्पादित आहार से है। इस आय में लगातार पिछले ग्यारह साल से 12.77 प्रतिशत की वार्षिक दर से वृद्धि हो रही है। यानी खेती जहां लघु व मध्यम किसानों के लिए घाटे का सौदा बनी हुई है, वहीं पशुपालन ग्रामीणों को भरोसे की आय का साधन बन गया है। भारत दूध उत्पादन में दुनिया में पहले सोपान पर है। विश्व के कुल दूध उत्पादन में भारत 25 प्रतिशत का योगदान दे रहा है।

बीते 10 साल में देश में दूध का उत्पादन लगभग 57 प्रतिशत बढ़ा है। नतीजतन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। नौ वर्ष पहले यह उपलब्ता महज 300 ग्राम प्रति व्यक्ति प्रतिदिन थी। कुछ साल पहले दुग्ध उत्पादों के आयात की संभावना जताई जाने लगी थी, किंतु अब पशु संवर्धन के लिए किए गए प्रयास रंग दिखाने लगे हैं। बीते एक दशक में दूध के उत्पादन एवं उत्पादकता में आजादी के बाद से सर्वाधिक वृद्धि हुई है। मुर्गी एवं मत्स्य पालन के साथ जलीय कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, इसीलिए अमेरिका जैसे देश भारत के दूध बाजार को हड़पना चाहते हैं।

पशुधन का संरक्षण इसलिए जरूरी है, क्योंकि ग्रामों में दूध नियमित नकद आय का पुख्ता आधार बना हुआ है। ग्रामीण रोजगार और अर्थव्यवस्था में इसकी बड़ी भागीदारी है। देश में 2019 में हुई 20वीं पशुधन गणना के अनुसार करीब 14 करोड़ गाएं और 11 करोड़ भैंसें हैं। याक, ऊंट, भेड़ और बकरी भी दुधारू पशुओं में गिने जाते हैं, हालांकि अभी तक हमारा राष्ट्रीय आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो महज 20 फीसदी पशुओं का ही आनुवांशिक वर्गीकरण कर पाया है। इससे पता चलता है कि हम अपने पशुधन के प्रति कितने लापरवाह हैं।

घरेलू नस्ल के दुधारू जानवरों को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों में पलने-बढ़ने व वंश वृद्धि में ज्यादा मजबूत और जुझारू पाया जाता है। ये पशु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को बर्दाश्त करने में भी ज्यादा समर्थ होते हैं। भारत दूध उत्पादन में दुनिया का अग्रणी देश है। फिर भी दूध की आपूर्ति सिंथेटिक दूध बनाकर और पानी मिलाकर की जा रही है। यूरिया से भी दूध बनाया जा रहा है। दूध की बढ़ती मांग के कारण दूध का कारोबार गांव-गांव फैल गया है।

जैविक तकनीक के क्षेत्र में भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार इस क्षेत्र में देश में पहली बार ई-3 (इकोनोमी एनवायरमेंट, एमप्लायमेंट) नीति कुछ समय पहले जारी की गई है। इसके तहत दूध, खाद्यान्न, पर्यावरण सहित आम जनजीवन के सामने खड़ी होने वाली प्रत्येक चुनौती से निपटने की तैयारी है। इस क्षेत्र में फिलहाल जनता को सबसे बड़ा लाभ जैविक दूध के रूप में मिलने वाला है।

पशुधन के बिना मिलने वाला यह जैविक दूध, दूध की कमी पूरा करने के साथ पौष्टिक भी होगा। यह नई औद्योगिक क्रांति, जैव तकनीक और बायो मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में होगी। आईटी क्रांति की तरह जैविक दूध और खाद्य सामग्री अभी भले ही लोगों को एक चौंकाने वाली बात लग रही हो, लेकिन भविष्य की जरूरतें इसी से पूरी होंगी। यह दूध केवल जैविक उत्पादों से तैयार होगा। इसमें रसायन का प्रयोग कतई नहीं होगा।

अब तक बिना किसी सरकारी मदद के दूध का कारोबार फलता-फूलता रहा है। दूध का 70 फीसद कारोबार असंगठित ढांचा संभाल रहा है। इस व्यापार में लगे ज्यादातर लोग अशिक्षित हैं, लेकिन पारंपरिक ज्ञान से न केवल वे दूध उत्पादन में दक्ष हैं, बल्कि दूध के सह-उत्पाद बनाने में भी कुशल हैं। दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित क्षेत्र, मसलन दूध डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध के उत्पादन से 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की भी अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं।

सोशल फोरम

हाकी के उस्ताद केडी बाबू

हफीज किदवई
ब्लॉगर

एक दर्ज़ी के लड़के को लकड़ी के डंडे से हॉकी खेलते देखा। यह नैनीताल था, वह वहां बैठे चाय पी रहे थे। लड़के की हॉकी के प्रति लगन देखी। बाप से बात की, जो उसे दर्ज़ी बनाना चाहता था, ताकि घर का खर्च चल सके। बाप राज़ी हो गए और वह उस लड़के को नैनीताल से लखनऊ ले आए। यहां उसके टैलेंट को तराशा, निखारा और इस तरह ज़माने को मशहूर हॉकी प्लेयर सैय्यद अली मिले, जिसने मुल्क के कंधे पर कितने ही मेडल टांक दिए और अपने उस्ताद का सीना चौड़ा कर दिया, कौन उस्ताद, वही, जो...

ग़रीब बच्चों को उनकी आंखों में झांककर, उसमें तैर रहे ख्वाबों को देखकर, उनकी आंखों की पुतलियों में झलक रही ललक को देखकर, अगर कोई उसे साकार करने की तड़प रखता हो, तो वह थे कुंवर दिग्विजय सिंह जी यानि केडी सिंह बाबू, जो हमारी हॉकी के खूबसूरत दिनों का पर्याय हैं।

सन 1922 को बाराबंकी में जन्मा यह सितारा जब दुनिया पर एक ज़माने की मोहर बनकर बैठा, उसके पांव जब पहली बार इस जमीन पर पड़े, तब से अब तक एक शतक बीत गया है। बाराबंकी और लखनऊ के बीच घूमती यह शख्सियत दुनिया में हर उस घर में अपनी दस्तक देती गई, जहां हॉकी ने अपनी जगह बना रखी थी।

देश राजनीति, विज्ञान, कला, भाषा,साहित्य के साथ खेल में भी अपनी दस्तक देने खड़ा हो पाया, इसके श्रेय मेजर ध्यानचंद और केडी बाबू को जाता है। केडी बाबू खिलाड़ी में सिर्फ खेल और जुनून देखते। हर समाजी अंतर से परे सिर्फ हॉकी से मोहब्बत ही उनके लिए योग्यता थी और ज़िन्दगी भर इसी नियम को माना।

देश दो हिस्सों में बंट चुका था। अंग्रेज खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि बहुत से भारतीय खिलाड़ी भी पाकिस्तान जा चुके थे। हॉकी को भी गहरे जख्म लगे थे। मगर मेजर ध्यानचंद के नेतृत्व में जब 1948 के लंदन ओलंपिक में भारत जाने लगा, तो उस दूर द्रष्टा प्रधानमंत्री का भरोसा यह टीम ही थी, जिसमें केडी बाबू भी थे। उनके आत्मविश्वास और आपसी मोहब्बत से लबरेज़ दिलों ने हर ज़ख्म से मुंह फेरा, पूरी टीम इकट्ठे हुई और सब दर्द भूलकर लंदन में ही इंग्लैंड को हराकर अपने आने वाले मज़बूत भविष्य की दस्तक दे डाली।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कच्चे घरों के बीच पक्की उम्मीदों का सपना

किरण आर्या
एक्टिविस्ट

केंद्रीय बजट से ग्रामीण क्षेत्रों को काफी आशाएं थीं। बात चाहे घर की हो, सड़क की हो या फिर नलजल योजना की, लोगों को उम्मीद थी कि सरकार गांव के विकास के लिए बजट के पिटारे खोल देगी। इसके पीछे कई कारण भी हैं। आज भी देश के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र विशेषकर दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र विकास की योजनाओं में काफी पीछे चल रहे हैं। केवल उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की बात करें तो इस पहाड़ी इलाके के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवास जैसी अहम योजना भी देरी से पहुंचती है।

पहाड़ों के बीच बसे गांव बाहर से जितना शांत दिखाई देते हैं, भीतर से उतना ही संघर्षों से भरे हैं। गांव की पगडंडियों पर चलते हुए सबसे पहले जो बात ध्यान खींचती है, वह हैं मिट्टी, लकड़ी और टिन से बने कच्चे मकान, जिनकी दीवारें समय के साथ जर्जर हो चुकी हैं और छतें हर बारिश में डर पैदा करती हैं। कई बार इसके गिरने का खतरा भी बना रहता है, लेकिन ज्यादातर लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि वह इसकी मरम्मत भी करा सकें।

अन्य राज्यों की तुलना में उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में ऐसी चुनौती और भी जटिल हो जाती है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन और दूर-दराज़ में बसे गांव, योजना के क्रियान्वयन को धीमा कर देते हैं। उदाहरण के तौर पर, पौड़ी जिले के कल्जीखाल क्षेत्र में एक वर्ष में 805 घरों का निर्माण हुआ, जबकि बीरोंखाल जैसे क्षेत्रों में यह संख्या केवल 65 घरों तक सीमित रही। यह अंतर दर्शाता है कि एक ही राज्य के भीतर भी विकास की गति समान नहीं है।

देश और राज्य स्तर पर आंकड़े देखें तो ग्रामीण आवास की स्थिति एक बड़ी तस्वीर पेश करती है। ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत देश भर में लगभग 3.79 करोड़ घरों का लक्ष्य रखा गया था, जिनमें से लगभग 2.72 करोड़ घरों का निर्माण पूरा हो चुका है, यानी करीब 72 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा चुका है। अब इस योजना का विस्तार कर लक्ष्य को 5.79 करोड़ घरों तक ले जाने की बात की जा रही है।

आंकड़ों से परे असली सवाल जमीन पर नजर आने वाली सच्चाई का है। पहाड़ों में रहने वाले परिवारों के लिए पक्का घर न केवल ठंड और बारिश से बचाव का माध्यम है, बल्कि यह किसी भी समय होने वाले भूस्खलन से बचाव का भी साधन है। यहां की गलियों से गुजरते हुए यह साफ़ महसूस होता है कि जब किसी परिवार को घर मिलने की सूचना मिलती है, तो वह केवल एक सरकारी लाभ नहीं होता, बल्कि उम्मीदों का एक कारवां होता है। वहीं जिन परिवारों तक यह सुविधा नहीं पहुंच पाती, उनके लिए स्थानीय स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि सरकार गांव के विकास को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाती है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि इन योजनाओं की जानकारी हर गांव और हर परिवार तक समय पर पहुंचे। इसके लिए स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत है। साथ ही उन आवाजों को भी सुनने की बहुत जरूरत है, जो हाशिये पर होते हैं और अक्सर फाइलों और आंकड़ों के बीच उनकी आवाज कहीं दब जाती हैं, क्योंकि यही हाशिये पर रहने वाले लोग कच्चे घरों में भी रहकर पक्की उम्मीदों का सपना देखते हैं, जिसे पूरा करने की जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन के साथ-साथ समाज की है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कैम्पस

वर्ड स्मिथ

स्क्रूटनी शब्द की उत्पत्ति

स्क्रूटनी शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'स्क्रूटिनियम' से मानी जाती है, जिसका मूल अर्थ खोज, छानबीन अथवा सूक्ष्म परीक्षण है। यह शब्द पुरानी फ्रेंच भाषा के माध्यम से विकसित होकर अंग्रेजी भाषा में प्रविष्ट हुआ, जहां इसका प्रयोग किसी विषय या तथ्य की गहन और व्यवस्थित जांच के अर्थ में होने लगा। भाषाई विकास की इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट होता है कि जांच की अवधारणा सदैव तथ्यों की गहराई तक पहुंचने से जुड़ी रही है। शैक्षणिक दृष्टि से जांच-पड़ताल का आशय किसी घटना, वस्तु या अवधारणा का तार्किक, सावधानीपूर्ण और विस्तृत अध्ययन करना है। इसमें तथ्यों का संग्रह, उनका विश्लेषण तथा उपलब्ध प्रमाणों के आधार पर निष्कर्ष निकालने की प्रक्रिया शामिल होती है। जांच केवल सतही निरीक्षण तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके अंतर्गत कारण-परिणाम संबंधों को समझना और विषय के विभिन्न पक्षों का मूल्यांकन करना भी आवश्यक होता है। अनुसंधान, न्यायिक प्रक्रिया, प्रशासन और सामाजिक विज्ञानों में जांच की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। सही और निष्पक्ष जांच न केवल सत्य की खोज में सहायक होती है, बल्कि निर्णय प्रक्रिया को भी अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाती है। इस प्रकार, जांच ज्ञान-विकास, सत्यापन और उत्तरदायित्व की स्थापना का एक अनिवार्य साधन है।

शिक्षा बजट 2026: शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के साझा मॉडल की परिकल्पना

कुमार सिद्धार्थ
लेखक

केंद्रीय बजट 2026-27 में शिक्षा को लेकर सरकार ने यह संकेत देने की कोशिश की है कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की नींव कक्षा, कौशल और तकनीक के मेल से रखी जाएगी। वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार शिक्षा पर कुल आवंटन बढ़ाकर लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के 1.28 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 8.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। पहली नजर में यह बढ़ोतरी उल्लेखनीय लगती है और सरकार इसे भविष्य की तैयारी के रूप में प्रस्तुत कर रही है, लेकिन गहराई से देखने पर यह सवाल भी सामने आता है कि क्या यह बजट वास्तव में पुरानी संरचनात्मक समस्याओं से किनारा करता है या उन्हें नई शब्दावली में ढक देता है।

तकनीकी कौशल से करियर की राह

इस बजट का केंद्रीय विचार शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को एक साझा रणनीति के रूप में जोड़ने का है। सरकार का मानना है कि केवल डिग्री आधारित शिक्षा अब पर्याप्त नहीं है, इसलिए पाठ्यक्रमों को उद्योग, तकनीक और वैश्विक जरूरतों से जोड़ना आवश्यक है। इसी सोच के तहत स्कूलों और कॉलेजों में कौशल आधारित ढांचे को मजबूत करने की घोषणाएं की गई हैं। सबसे अधिक चर्चा में रहने वाला प्रस्ताव 15 हजार स्कूलों और 500 कॉलेजों में 'एवीजीसी कंटेंट क्रिएटर लैब' स्थापित करने का है। एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों को भविष्य के रोजगार से जोड़ते हुए सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि डिजिटल और क्रिएटिव इकोनॉमी अब औपचारिक शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनेगी। बजट दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि वर्ष 2030 तक एवीजीसी और इससे जुड़े डिजिटल क्रिएटिव सेक्टर में लगभग 20 लाख लोगों को रोजगार की आवश्यकता होगी। ऐसे में स्कूल स्तर से ही कंटेंट क्रिएशन, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और तकनीकी कौशल सिखाने की योजना को सरकार एक दूरदर्शी कदम के रूप में पेश कर रही है। इससे युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजन में सक्षम बनाने का दावा किया गया है।

शिक्षा नीति को लचीला बनाने का लक्ष्य

उच्च शिक्षा के मोर्चे पर बजट का झुकाव तकनीक, अनुसंधान और उद्योग से सीधे जुड़ाव की ओर दिखाई देता है। औद्योगिक और लॉजिस्टिक कॉरिडोर के पास पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव इसी दिशा में उठाया गया कदम है। सरकार का तर्क है कि जब विश्वविद्यालय, रिसर्च सेंटर, स्किल हब और उद्योग एक ही भौगोलिक क्षेत्र में होंगे, तो छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव, इंटर्नशिप और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। यह मॉडल शिक्षा और उद्योग के बीच लंबे समय से चली आ रही दूरी को पाटने का प्रयास है। बजट में यह भी कहा गया है कि शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए एक उच्च-स्तरीय स्थायी समिति गठित की जाएगी। यह समिति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और उभरती तकनीकों के संदर्भ में यह आकलन करेगी कि भविष्य में कौशल और रोजगार की जरूरतें कैसे बदलेंगी और उसी अनुसार पाठ्यक्रमों में सुधार की सिफारिश करेगी। यह पहल संकेत देती है कि सरकार शिक्षा नीति को स्थिर नहीं, बल्कि बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप लचीला बनाना चाहती है।

डिजिटल अवसंरचना पर जोर

स्कूल शिक्षा के संदर्भ में बजट में डिजिटल और तकनीकी अवसंरचना पर जोर दिखाई देता है। डिजिटल कंटेंट, ऑनलाइन संसाधन और नई तकनीकों के माध्यम से शिक्षा को सुलभ बनाने की बात कही गई है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की भौतिक सुविधाएं और ग्रामीण-आदिवासी क्षेत्रों की जमीनी हकीकत इस डिजिटल छलांग के साथ तालमेल बिठा पाएगी। कई विश्लेषणों में यह चिंता भी जताई गई है कि यदि शिक्षक ही प्रशिक्षित नहीं होंगे, तो स्मार्ट बोर्ड, डिजिटल लैब और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म धूल ही फांकेंगे। राज्य विश्वविद्यालयों और संबद्ध कॉलेजों की स्थिति पर बजट अपेक्षाकृत मौन दिखाई देता है। जबकि देश के लगभग 80 प्रतिशत विद्यार्थी इन्हीं संस्थानों में पढ़ते हैं, अनुसंधान और बुनियादी सुविधाओं के लिए मिलने वाला अधिकांश फंड अब भी केंद्रीय और प्रीमियम संस्थानों तक सीमित रहता है। इस असंतुलन के कारण राज्य विश्वविद्यालयों में शोध संस्कृति कमजोर होती जा रही है और बजट में इस खाई को पाटने के लिए कोई ठोस रोडमैप साफ नजर नहीं आता। बजट में यह भी उल्लेख है कि शिक्षा, कौशल और रोजगार को जोड़कर "भविष्य की अर्थव्यवस्था" की नींव रखी जा रही है। युवाओं को नेतृत्व के लिए तैयार करने की बात कही गई है और इसे जनसांख्यिकीय लाभांश से जोड़ा गया है। भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और सरकार इस युवा शक्ति को उत्पादक मानव संसाधन में बदलने का लक्ष्य रखती है, लेकिन यह लक्ष्य तभी साकार होगा, जब शिक्षा केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित न रहे, बल्कि आलोचनात्मक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और रचनात्मकता को भी स्थान दे।

कुल मिलाकर, बजट 2026-27 का शिक्षा खंड एक दोहरे संदेश के साथ सामने आता है। एक ओर यह तकनीक, कौशल और रोजगार के जरिए भविष्य की तैयारी की बात करता है, दूसरी ओर यह पुरानी समस्याओं जैसे अपर्याप्त सार्वजनिक निवेश, शिक्षक भर्ती की कमी और राज्य स्तरीय संस्थानों की उपेक्षा से पूरी तरह मुक्त होता नहीं दिखता। यह बजट शिक्षा को आर्थिक विकास के औजार के रूप में तो देखता है, लेकिन उसे सामाजिक समानता और बौद्धिक स्वतंत्रता के व्यापक संदर्भ में रखने का साहस अभी अधूरा लगता है। आखिरकार, यह कहना गलत नहीं होगा कि शिक्षा बजट 2026-27 दिशा तो दिखाता है, लेकिन दूरी अभी तय होनी बाकी है। यह भविष्य की तैयारी का दावा करता है, पर साथ ही यह सवाल भी छोड़ जाता है कि क्या हम पुरानी समस्याओं को हल किए बिना सचमुच एक समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़ पाएंगे?

नोटिस बोर्ड

- उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रयागराज रीजन ने संविदा चालकों की भर्ती के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से 5 से 12 फरवरी के बीच अलग-अलग स्थानों पर भर्ती मेले लगाए जाएंगे। विभाग के मुताबिक इस अभियान के तहत लगभग 250 संविदा चालकों की नियुक्ति की जाएगी। इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता आठवीं पास रखी गई है। वहीं आयु सीमा 23 वर्ष 6 माह से 58 वर्ष तक तय की गई है। चयन के दौरान मौके पर ही दस्तावेजों की जांच की जाएगी, इसके बाद ड्राइविंग टेस्ट होगा।

- एमजेपीआरयू द्वारा सेंटर फॉर एजुकेशन एवं ऑनलाइन एजुकेशन के अंतर्गत संचालित स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जनवरी सत्र हेतु विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस सत्र में अभ्यर्थी एमए शिक्षा, एमए अर्थशास्त्र, बीकॉम (सामान्य), एमएसडब्ल्यू, एमबीए (मार्केटिंग), एमए अंग्रेजी, एमए हिंदी, एमकॉम (सामान्य), एमए इतिहास तथा एमएससी गणित जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त बीए तथा इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता विषय में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भी नामांकन की सुविधा उपलब्ध है।

कैंपस में पहला दिन

एक दिन, जो उम्र भर साथ चला

धर्मेंद्र सिंह चौहान
हल्द्वानी

कॉलेज जीवन की उन यादों में शामिल है, जो समय बीतने के साथ और भी अधिक चमकदार हो जाती हैं। कॉलेज के पहले दिन स्वयं को किसी रियासत का राजकुमार समझते हुए जब बरेली कॉलेज, बरेली की अंग्रेजी शासनकाल की विशाल और भव्य इमारत के भीतर प्रवेश किया, तो मन में एक अद्भुत रोमांच भर उठा। ऊंची छतें, लंबे बरामदे और इतिहास की गवाही देती दीवारें मानो नए सपनों का स्वागत कर रही थीं। विद्यालय के अनुशासित, सीमित और नियमबद्ध वातावरण से निकलकर महाविद्यालय के खुले, उन्मुक्त माहौल में कदम रखते ही लगा कि जीवन ने जैसे नई उड़ान भरने का अवसर दे दिया हो। बिना किसी यूनिफॉर्म के छात्र-छात्राओं की टोलियां परिसर में इधर-उधर घूम रही थीं। कहीं हंसी-ठिठोली थी, कहीं नए परिचयों की झिझक और कहीं भविष्य के सपनों की हलचल। उस क्षण यह एहसास गहराई से हुआ कि जीवन वास्तव में आज ही से शुरू हुआ है।

इसी दौरान कॉलेज के फीस काउंटर के पास एक बुजुर्ग मिले, जो मेरे बड़े भाई को जानते थे। उन्होंने स्नेह से पूछ लिया, "तुम उनके भाई हो?" यही एक छोटा-सा संवाद आगे चलकर गहरी मित्रता की नींव बन गया। अगले कुछ ही मिनटों में अपनापन इतना बढ़ गया कि वह रिश्ता वर्षों तक परम मित्रता में बदल गया और आज भी हम एक-दूसरे के परिवार में बेटे की तरह जुड़े हुए हैं। अभी इस आत्मीयता की गर्माहट मन में थी कि कुछ सीनियर छात्रों के समूह ने हमें रोक लिया। वे हमें कॉलेज की कैंटीन में ले गए, जहां हल्के-फुल्के सवाल-जवाब हुए और परिचय के नाम पर कोई न कोई गतिविधि करने को कहा गया, किसी से गाना, किसी से नाच, तो किसी से चुटकुला। जब मेरी बारी आई और मैंने चुटकुला सुनाया, तो पूरा वातावरण हंसी के ठहाकों से गूंज उठा। प्रसन्न होकर सीनियर छात्रों ने सभी को जलपान भी कराया।

तब तक शाम ढल चुकी थी। महाविद्यालय का वह पहला दिन मेरी स्मृतियों में सदा के लिए अंकित हो गया। आज भी जब उस दिन को याद करता हूं, तो अतीत की वे तस्वीरें मन में ताजा हो जाती हैं और होंठों पर अनायास ही मुस्कान बिखर जाती है।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच एक व्यापार समझौता हो गया है, जिसके तहत शुल्क (टैरिफ) तत्काल प्रभाव से कम किए जाएंगे। यह घोषणा भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई सीधी बातचीत के बाद की गई। ट्रंप के अनुसार, इस समझौते के तहत भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अमेरिकी 'पारस्परिक टैरिफ' को 25% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इस डील से द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र में बड़े बदलाव और शुल्क में राहत की उम्मीद जताई गई है। हालांकि इसके कानूनी स्वरूप और दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर अभी भी कुछ सवाल बने हुए हैं।
- हाल ही में रक्षा मंत्री ने ऑर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड के निगमितकरण के बाद गठित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम यंत्रा इंडिया लिमिटेड को मिनीरत्न श्रेणी-I का दर्जा देने की मंजूरी दी। महज चार वर्षों में यह कंपनी पारंपरिक सरकारी ढांचे से निकलकर मजबूत बिक्री और बढ़ते निर्यात के साथ एक लाभकारी उपक्रम बनकर उभरी है। इस निर्णय को भारत में आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन को मज़बूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।
- बीते दिनों भारतीय पर्वतारोही कबक यानो ने अर्जेंटीना में स्थित माउंट अकॉनकागुआ की सफलतापूर्वक चोटी पर चढ़ाई की, जो दक्षिण अमेरिका और पश्चिमी गोलार्ध की सबसे ऊंची चोटी है। 22,831 फीट ऊंचाई वाली इस चढ़ाई ने उनके 7-सम्मिट पर्वतारोहण अभियान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है। इस उपलब्धि से उनके दृढ़ संकल्प, सहनशीलता और साहस का परिचय मिलता है और यह पूरे देश के युवा खिलाड़ियों और साहसिक उत्साही लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी है।
- बीते दिनों भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गंगा के मैदानों में स्थित एक आर्द्रभूमि और कच्छ के शुष्क भू-भाग में स्थित दूसरी आर्द्रभूमि को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि वैश्विक ढांचों के तहत आर्द्रभूमि और जैव विविधता संरक्षण के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में स्थित पाटना पक्षी अभयारण्य और गुजरात के कच्छ क्षेत्र में स्थित छरी-ढांड (Chhari-Dhand) को आधिकारिक रूप से रामसर आर्द्रभूमि घोषित किया गया है। इसके साथ ही भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या बढ़कर 98 हो गई है।

जॉब अलर्ट

बैंक ऑफ बड़ौदा (BOB)

- पद का नाम- विभिन्न IT पद (डेवलपर, इंजीनियर, एडमिनिस्ट्रेटर आदि)
- कुल रिक्तियां-418 पद
- योग्यता-CS/IT/इलेक्ट्रॉनिक्स में B.E/B.Tech/M.Tech/M.E/MCA
- आयु सीमा-22 से 37 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग)
- आवेदन शुल्क-UR/OBC/EWS: 850 | SC/ST/PwD/महिला: 175
- आवेदन की अंतिम तिथि-19 फरवरी 2026
- वेबसाइट-bankofbaroda.bank.in

डाक विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार

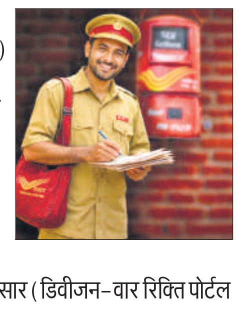

- पद का नाम-ग्रामीण डाक सेवक (GDS) – ब्रांच पोस्टमास्टर (BPM), असिस्टेंट ब्रांच पोस्टमास्टर (ABPM), डाक सेवक
- पदों की संख्या-28636 (संभावित) अनुलग्नक-I के अनुसार (डिवीजन-वार रिक्ति पोर्टल पर उपलब्ध है)
- वेतन-BPM: 12,000 से 29,380, ABPM/डाक सेवक: 10,000 से 24,470
- योग्यता- गणित और अंग्रेजी में पासिंग मार्क्स के साथ 10 वीं कक्षा (SSE)
- आयु सीमा-18 से 40 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-16 फरवरी 2026
- वेबसाइट-https://indiapost.gov.in/

यंत्र इंडिया लिमिटेड ट्रेड अप्रेंटिस

- पद का नाम-ट्रेड अप्रेंटिस (पूर्व-आईटीआई और गैर-आईटीआई)
- कुल रिक्तियां-लगभग 3979 पद
- आवेदन का तरीका-ऑनलाइन
- प्रशिक्षण स्थान-आयुध और आयुध उपकरण कारखाने (पूरे भारत में)
- वजीफा-8200 - 9600 प्रति माह
- आवेदन की अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- वेबसाइट-https://recruit-gov.com

स्कूल-शिक्षक-समाज : नीति के चौराहे पर खड़ा उत्तराखंड

उत्तराखंड में विद्यालयों और महाविद्यालयों में न्यून छात्र संख्या के आधार पर पदों के समायोजन, स्थानांतरण और नई भर्तियों पर रोक से जुड़ी हालिया खबर केवल प्रशासनिक निर्णय भर नहीं है, बल्कि यह राज्य की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों के भविष्य और ग्रामीण समाज की संरचना से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यह विषय जितना वित्तीय अनुशासन से जुड़ा है, उतना ही सामाजिक न्याय, शैक्षिक समानता और संवैधानिक दायित्व से भी।

जीवन सिंह सैनी
लेखक

राज्य के पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी विद्यालय केवल शिक्षा के केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन की धुरी रहे हैं। पलायन, बेरोजगारी, स्वास्थ्य व आधारभूत सुविधाओं के अभाव ने पहले ही इन क्षेत्रों को कमजोर किया है। ऐसे में छात्र संख्या में प्रतिवर्ष 7 से 12 प्रतिशत की गिरावट एक स्वाभाविक सामाजिक परिणाम है, न कि शिक्षकों या विद्यालयों की विफलता। यदि इसी गिरावट को आधार बनाकर स्कूलों को 'अप्रासंगिक' ठहराया जाएगा, तो यह समस्या के समाधान के बजाय उसे और गहरा करेगा। नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत क्लस्टर योजना का उद्देश्य संसाधनों का साझा उपयोग और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार है। किंतु जब इस योजना को केवल न्यून छात्र संख्या से जोड़कर देखा जाता है और उसका परिणाम शिक्षकों को 'सरप्लस' घोषित कर स्थानांतरण के रूप में निकलता है, तो नीति की आत्मा ही आहत होती है। शिक्षा नीति का लक्ष्य शिक्षक को असुरक्षित करना नहीं, बल्कि उसे सशक्त बनाना होना चाहिए।

वित्त विभाग का यह तर्क कि संसाधनों का बेहतर प्रबंधन आवश्यक है, अपनी जगह उचित है, लेकिन क्या बेहतर प्रबंधन का अर्थ पदों को कम करना या रिक्त छोड़ देना ही है? क्या यह नहीं देखा जाना चाहिए कि राज्य के कई दुर्गम क्षेत्रों में आज भी विषय विशेषज्ञों और योग्य शिक्षकों की भारी कमी है? यदि कुछ विद्यालयों में छात्र संख्या कम है, तो समाधान विद्यालय बंद करना या पद घटाना नहीं, बल्कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप नवाचार, बहुस्तरीय शिक्षण, डिजिटल सहायता और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाना होना चाहिए।

शिक्षकों को बार-बार दुर्गम से सुगम और सुगम से दुर्गम स्थानों पर स्थानांतरित करने की नीति ने पहले भी शिक्षा की निरंतरता को नुकसान पहुंचाया है। शिक्षक असुरक्षा के वातावरण में न तो शैक्षणिक नवाचार कर पाता है और न ही समाज के साथ स्थायी रिश्ता बना पाता है। यदि सरप्लस के नाम पर स्थानांतरण का नया फॉर्मूला लागू हुआ, तो इसका सीधा असर शिक्षकों के मनोबल, पारिवारिक जीवन और शैक्षणिक गुणवत्ता पर पड़ेगा। यह भी विचारणीय है कि पद समाप्त होने या रिक्त रहने से अल्पकालिक वित्तीय बचत तो हो सकती है, लेकिन दीर्घकाल में इसका मूल्य समाज को चुकाना पड़ेगा। जब स्कूल कमजोर होंगे, तो निजी और महंगी शिक्षा का दबाव बढ़ेगा, जिससे सामाजिक असमानता और गहरी होगी। ग्रामीण बच्चों के लिए शिक्षा का अधिकार केवल कागजी रह जाएगा। राजकीय शिक्षक संघ द्वारा समय रहते इस विषय को उठाना दूरदर्शिता का परिचायक है। यदि 2023 में पदोन्नति मुद्दा था, तो 2026 में आर्थिक हानियों से बचाव और 2028-2030 में स्कूल व नौकरी बचाने की चेतावनी एक गंभीर संकेत है। यह केवल शिक्षकों की लड़ाई नहीं, बल्कि सरकारी शिक्षा प्रणाली को बचाने की लड़ाई है। अब आवश्यकता है कि शिक्षक संगठन भावनात्मक नहीं, बल्कि अकादमिक और नीतिगत स्तर पर ठोस प्रस्ताव लेकर आगे आए। जैसे-

- न्यून छात्र संख्या वाले विद्यालयों में बहु-विषयक और बहु-ग्रेड शिक्षण मॉडल लागू करना।
- क्लस्टर योजना में शिक्षक सुरक्षा को अनिवार्य शर्त बनाना।
- ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शैक्षिक प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करना।
- पदों को समाप्त करने के बजाय पुनर्नियोजन और प्रशिक्षण के माध्यम से उपयोगी बनाना।

सरकार और शिक्षक संघ दोनों को यह समझना होगा कि शिक्षा खर्च नहीं, निवेश है। यदि आज विद्यालय और शिक्षक सुरक्षित नहीं किए गए, तो आने वाले वर्षों में समाज, राज्य और लोकतंत्र तीनों इसकी कीमत चुकाएंगे। कलम की शक्ति तभी बुलंद होगी, जब नीति में संवेदनशीलता और निर्णय में दूरदृष्टि होगी।

अमृत विचार

बरेली, गुरुवार ,5 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2610, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2425, रविन्द्रा 2530, फॉर्चुन 13 किग्रा 2145, जय जवान 2140, सचिन 2130, सूरज 2140, अवसर 1945, उजाला 2125, गृहणी 13 किग्रा 1985, क्लासिक (किग्रा) 2325, मोर 2335, चक्र टिन 2375, ब्लू 2215, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2560

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 18000-23000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4150,लाडली 4100

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10600, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8900, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 9000, अरहर पटका मोटा 9700, अरहर कोरा मोटा 10000, अरहर पटका छोटा 11500-12200, अरहर कोरी छोटी 13400

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

बिजनेस ब्रीफ

भारत के लिए दो अंकीय वृद्धि संभव : मुकेश

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बुधवार को कहा कि भारत के लिए निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि संभव है और किसी भी देश को स्थिर आर्थिक नेतृत्व ही परिभाषित करता है। जियोब्लैकरॉक के कार्यक्रम में अंबानी ने कहा कि अगले दशक में भारत अपनी 80 प्रतिशत ऊर्जा का आयात नहीं करेगा। भारत के हर गांव में 5जी नेटवर्क है जो किसी भी अन्य देश से बेहतर एवं सस्ते हैं।

चांदी तीन लाख के करीब सोना 1.65 लाख पर

नई दिल्ली। कीमती धातुओं ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन अपनी तेज़ी को बरकरार रखा। इस दौरान चांदी की कीमतें बढ़कर 2.98 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं और सोना 1.65 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। कारोबारियों ने कहा कि मजबूत वैश्विक रुख, कमजोर डॉलर ने इस उछाल में योगदान दिया।

जीईएम से खरीद चार लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में अब तक सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) से सामान और सेवाओं की खरीद चार लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा 50 लाख से अधिक खरीद और बिक्री ऑर्डर दिए गए हैं। जीईएम के सीईओ मिहिर कुमार ने कहा कि सार्वजनिक खरीद ऑर्डर का 45% सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिया गया है, जो 25% की अनिवार्य आवश्यकता से अधिक है।

...तो बहेड़ी से केसर की 95 साल पुरानी रिश्ते की डोर टूट जाएगी

- 1933 में बनी केसर शुगर मिल के सामने खड़ी हो गई आर्थिक तंगी, बेचने की होने लगी बात

शुऐब, बहेड़ी।

अमृत विचार : केसर मतलब बहेड़ी और बहेड़ी मतलब केसर। केसर की चीनी, देश भर में मशहूर रही। दिन और रात मिल की कई समय पर बजने वाली सीटी, लोगों के कानों को भाती ही नहीं थी, बल्कि वह उससे वक़्त का अंदाज़ा भी लगा लेते थे। 95 साल तक बनी रही इस पहचान का यह रिश्ता अब टूटने की कगार पर है।

ब्रिटिश शासन 1933 में बहेड़ी में लगी केसर शुगर मिल के जरिए केसर के बहेड़ी से बने रिश्ते टूटने की वजह केसर ग्रुप का आर्थिक संकट में फंस जाना है। किसानों का गन्ना मूल्य का 140 करोड़ रुपया बकाया है और बैंकों के साथ सप्लायर्स की भी बड़ी देनदारी मिल पर है। आर्थिक संकट से उबरने को मिल प्रबंधन ने कई साल हाथ पैर मारे, लेकिन संकट से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला। थक हार कर प्रबंधन अब मिल को किसी दूसरे को सौंपने की तैयारी में हैं।

किलाचंद ग्रुप की मिल के मालिकान के सामने अब सिर्फ दो ही विकल्प हैं। पहला मिल को बेच देना और दूसरा किसी के साथ पार्टनर शिप कर मिल को चलाते रहना। फिलहाल मिल प्रबंधन दोनों विकल्पों पर काम कर रहा, और बहुत जल्द तस्वीर साफ होने की उम्मीद है।

केसर ने दिया नगर पालिका भवन और सरकारी अस्पताल के लिए जगह

केसर ने लोगों के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अहम कार्य किए। सरकारी अस्पताल के लिए जगह और उसकी इमारत बना दी। मौजूदा सीएचसी केसर की जगह पर है। कोरोना काल में केसर ने अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट भी लगवाया था। केसर मोंटेसरी और केसर इंटर कॉलेज का संचालन करती है। गन्ना उत्पादक डिग्री कॉलेज के बनने में भी केसर का योगदान रहा था। केसर ने 1936 में केसर भवन बनाकर एक शानदार इमारत नोटिफाइड एरिया को दी थी। उस वक़्त के यूपी के गवर्नर एचई सर हेयरी हैग ने इसका उद्घाटन किया था। उस वक़्त नोटिफाइड एरिया के चेयरमैन एआर गिल थे। गन्ना समिति के लिए जगह देने के साथ किसानों के लिए किसान भवन भी दिया था।

पूर्वी उप्र के साथ बिहार के लोगों को भी रोजगार

केसर स्थानीय लोगों के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए रोज़गार का ज़रिया भी बनी। सीज़नल कर्मचारियों में ज़्यादातर पूरब के ही हैं। यहां के व्यापार को पंख लगाने में भी केसर की बड़ी भूमिका रही। चीनी दुलाई में ट्रांसपोर्ट का बिज़नेस भी परवान चढ़ा।

किलाचंद-देवचंद ग्रुप ने लगाई थी केसर मिल

गुजरात से मुंबई आकर व्यापार कर रहे सेठ किलाचंद देवचंद ग्रुप ने बहेड़ी में 1932-33 में चीनी मिल लगाई थी। द केसर शुगर वर्क्स लिमिटेड के नाम से लगाई मिल से बनी चीनी दूर-दूर तक मशहूर थी। मिल में उस वक़्त गन्ना पेराई के लिए हालैण्ड की स्टॉक कंपनी के एंटीक भाप इंजन को लगाया गया था। 800 टन पेराई क्षमता वाली चीनी मिल तरक्की करते हुए अब 7200 टन क्षमता वाली मिल बन गई है। इस बीच 1991 में इसका नाम केसर इंटरप्राइजेज लिमिटेड हो गया। मिल में डिस्टिलरी व कोजेन प्लांट भी लगे, लेकिन डिस्टलरी बंद हो गई। डिस्टलरी को कुछ साल पहले शुरू करने के फिर प्रयास हुए, और 90 करोड़ रुपये लगाकर इसमें इथेनोल प्लांट लगाया गया, लेकिन यह चल नहीं पाई, और इसे फिर बंद करना पड़ा। हालांकि मिल में 1 लाख बोरी चीनी रखने का गोदाम बनने के साथ आलीशान एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक भी बना।

आर्थिक तंगी ने केसर के सामने खड़ी की मुश्किलें

दरअसल केसर मिल कई साल से आर्थिक तंगी से गुज़र रही है। हर साल मिल गन्ना किसानों का 150-200 करोड़ रुपया बकाया रखते हुए बंद हो रही है। चालू सत्र की चीनी बेचकर पुराना पैसा देने का चलन चल रहा था। पिछले सीजन में पैसा न मिलने से किसानों ने केसर को कम गन्ना दिया, जिससे मिल सिर्फ 60 लाख कुंटल गन्ना पेराई कर पाई। पिछले साल का पैसा न देने पर इस बार शासन ने मिल के करीब 2 दर्जन सेंटर काट दिए, जिससे मिल के पास आधे सेंटर ही रह गए। प्रबंधन ने इस साल 8 दिन में पैसा भुगतान का वादा करते हुए पेमेंट देना शुरू किया, तो मिल को आधे सेंटर होने के बावजूद अच्छा गन्ना मिल रहा है, और अब तक 45 लाख कुंटल गन्ना पेराई कर भी लिया है, लेकिन पिछले साल का 140 करोड़ रुपया देने का प्रबंधन के पास कोई इंतज़ाम नहीं हो पाया। दूसरी तरफ बैंकों का मोटा पैसा मिल पर बकाया है, जिसका ब्याज बढ़ रहा है। सप्लायर्स और चीनी व्यापारियों की देनदारी है, साथ ही कर्मचारियों को वेतन देने की चुनौती। कुल मिलाकर केसर प्रबंधन खुद को पैसों के इंतज़ाम के लिए असहाय महसूस करने लगा है।

हमारा प्रयास है इंडस्ट्री चलती रहे : शरत

केसर ग्रुप के सीईओ शरत मिश्रा ने कहा कि 11 साल में कुछ इस तरह की परिस्थितियां बनी कि हम आर्थिक संकट में फंसते गए। कोजन प्लांट लगाने के बाद अचानक 4 साल चीनी मिलें घाटे में चली गईं, इसी बीच बिजली के तय रेट सरकार ने कम कर दिए,और इसमें भी लॉस होने लगा। अकेले बिजली दर में आए अंतर का करीब 125 करोड़ रुपये सरकार पर है, जिसका दूसरी मिलों के साथ कोर्ट में केस चल रहा है, ऐसे में बैंकों का बोझ बहुत ज़्यादा बढ़ गया, और इसी वजह से हमें किसानों का पैसा देने में देर होने लगी। उन्होंने कहा कि समस्या का हल निकालने को कुछ ग्रुप्स से बात जारी है। ट्रेनी के सबसे छोटे पद से नौकरी शुरू करने और केसर ग्रुप के सर्वोच्च पद सीईओ पर पहुंचने वाले शरत मिश्रा ने बताया कि हम चाहते हैं, इंडस्ट्री चलती रहे, और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास कर रहे हैं। इसी से किसानों और क्षेत्र का भला है। जहां इंडस्ट्री बंद हुई, वहां बर्बादी का हाल हम सब देख ही रहे हैं।

44 मेगावाट की टरबाइन वाला है बिजली प्लांट

केसर के पास कोजेन प्लांट में 190 टन क्षमता का बायलर है, जबकि 44 मेगावाट की टरबाइन लगी है। सरकार से बिजली खरीद के तय रेट कम किए जाने से भी केसर की आर्थिक तंगी बढ़ने की वजह बनी। केसर के पास 45 केएल प्रतिदिन क्षमता का डिस्टलरी प्लांट है। मिल ने इथेनोल बनाने का भी प्लांट लगाया हुआ है।

फॉरएवर, डालमिया और एरा जैसी कंपनियां केसर को खरीदने में ले रहीं दिलचस्पी

केसर प्रबंधन ने आर्थिक तंगी से निजात पाने के लिए चाहता है कि या तो किसी ग्रुप से पार्टनरशिप हो जाए, या फिर सही दाम मिलने पर सौदा किया जाए। गोरखपुर में डिस्टलरी चलाने वाले फॉरएवर ग्रुप से प्रबंधन से बातचीत चल रही है। डालमिया, एरा और हैदराबाद का चीनी मिल ग्रुप भी इस सौदे का इच्छुक है। बताया जा रहा है कि पार्टियों से एसेट्स और उनके कागज़ात देखने-दिखाने की प्रक्रिया चल रही है। कुछ पार्टियां मौके का सर्वे भी कर गई हैं। बहुत जल्द ही तस्वीर साफ हो जाएगी।

हज़ारों बीघा ज़मीन सीलिंग में निकलने से बैठ गई केसर

केसर के पास मुंडिया मुकर्रमपुर और किच्छा में खुरपिया फार्म था। किसानों ने मिल लगते वक़्त केसर को लीज़ पर ज़मीन दे दी थी। यूपी गवर्मेंट ने मुंडिया मुकर्रमपुर में सीलिंग में निकली करीब 2100 बीघा ज़मीन को फ़ूड पार्क के लिए अधिग्रहित कर लिया। इसी तरह खुरपिया फार्म की 9 हज़ार बीघा बीघा ज़मीन का उत्तराखंड सरकार ने अधिग्रहणकर लिया। केसर के पास से करीब 11 हज़ार बीघा ज़मीन निकल गई, जिससे उसको बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। खुरपिया फार्म पर चलने वाले गन्ना शोध केंद्र को भी बंद करना पड़ा।

अमेरिका के औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की श्रृंखला पर शुल्क शून्य करेगा भारत

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि बोले- भारत कुछ क्षेत्रों पर नियंत्रण रखेगा जो संरक्षित हैं

- अमेरिका भारत के खिलाफ 18 प्रतिशत का शुल्क स्तर बनाए रखेगा : यूएसटीआर

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

भारत व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक एवं कृषि उत्पादों की विस्तृत शृंखला जैसे कि फल और सब्जियों पर शुल्क को घटाकर शून्य कर देगा। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते को बड़ी जीत करार दिया और कहा कि भारत उन कुछ प्रमुख क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा जिन्हें संरक्षण प्राप्त है।

ग्रीर ने कहा कि अब समझौता पक्का हो गया है। हम कागजी कार्रवाई पूरी कर लेंगे, लेकिन हमें सारी बारीकियां पता हैं। हमें सारी जानकारी है। यह एक बहुत ही बेहतरीन अवसर है। अमेरिका भारत के खिलाफ 18 प्रतिशत का शुल्क स्तर बनाए रखेगा, क्योंकि हमारा उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है लेकिन उन्होंने कृषि उत्पादों, निर्मित वस्तुओं, रसायनों, चिकित्सा उपकरणों आदि की एक विस्तृत शृंखला पर हमारे लिए अपने शुल्क को कम करने पर भी सहमति व्यक्त की है। यह दोनों देशों के लिए बेहतरीन मौका है।

ग्रीर ने कहा कि भारत के साथ औद्योगिक वस्तुओं पर वर्तमान में औसत शुल्क 13.5 प्रतिशत है। यह सभी वस्तुओं पर लगभग शून्य हो जाएगा। लगभग कहने का मतलब 98-99 फीसदी से है। कृषि क्षेत्र में कृषि उत्पादों की एक विशाल शृंखला है। इसलिए यह शुल्क शून्य हो जाएगा। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका समेत दुनिया के हर देश की तरह भारत में भी कुछ खास क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था है, जिन पर हमारा नियंत्रण बना रहेगा। हम पहुंच सुनिश्चित करने के लिए काम करते रहेंगे। हालांकि कई चीजों जैसे मेवे, शराब, स्पिरिट, फल, सब्जियां आदि पर लगभग शून्य शुल्क होगा। यह एक बड़ी जीत है।

भारत प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब डॉलर के निवेश पर सहमत

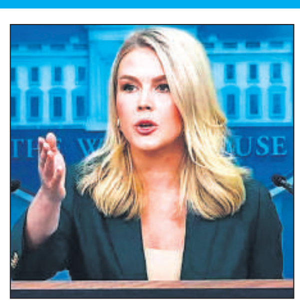

अमेरिकी राष्ट्रपति आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भारत के साथ हुए नए व्यापार समझौते पर कहा कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रमुख अमेरिकी क्षेत्रों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश पर भी सहमति व्यक्त की है। कैरोलिन ने कहा कि ट्रंप ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की। दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत न केवल रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने को भी प्रतिबद्ध है। संभवत: वेनेजुएला से भी जिससे हमें पता है कि अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका में 500 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है जिसमें परिवहन, ऊर्जा एवं कृषि उत्पाद भी शामिल हैं। इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप की बदौलत यह एक और शानदार व्यापार समझौता है। इससे पहले, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कैरोलिन ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार को शानदार बातचीत हुई जिसके बाद द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा हुई।

भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने वाली विदेशी कंपनियों पर कोई कर जोखिम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईटी मंत्रालय से अधिसूचित डेटा सेंटर स्थापित करने वाली कंपनियों को ही मिलेगा लाभ

वैश्विक स्तर पर क्लाउड सेवाएं देने वाली विदेशी कंपनियों को 20 साल की कर छूट देने का बजट प्रस्ताव केवल उन्हीं कंपनियों पर लागू होगा, जिन्होंने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से अधिसूचित डेटा सेंटर स्थापित किया है। ऐसे मामलों में इन विदेशी कंपनियों की वैश्विक आय पर भारत में कर लगाए जाने का कोई जोखिम नहीं होगा।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बजट की यह घोषणा उन विदेशी कंपनियों को भी निश्चितता प्रदान करेगी, जो भारत में डेटा सेंटर से क्लाउड सेवाएं और खरीद सेवाएं के कारोबार में हैं। अब भारतीय डेटा सेंटर वैश्विक क्लाउड इकाइयों को आत्मविश्वास के साथ अपनी सेवाएं दे सकते हैं क्योंकि इन वैश्विक इकाइयों को भारतीय डेटा सेंटर का उपयोग करने पर किसी कर जोखिम की आशंका नहीं रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के बजट में घोषणा की थी कि जो भी विदेशी कंपनी भारत से डेटा सेंटर सेवाओं का उपयोग कर वैश्विक ग्राहकों को क्लाउड सेवाएं प्रदान करती है, उसे 2047 तक कर छूट दी जाएगी। हालांकि, ऐसी कंपनियों को भारतीय ग्राहकों को सेवाएं एक भारतीय रीसेलर इकाई के माध्यम से देनी होंगी। यह बजट प्रस्ताव डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया गया है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि इस आधार पर विदेशी कंपनियों की वैश्विक आय पर भारत में कर लगाए जाने का कोई जोखिम नहीं होगा।

लाभ के लिए विदेशी कंपनी को पूरी करनी होंगी चार शर्तें

प्रस्ताव को स्पष्ट करते हुए सूत्रों ने बताया कि कर छूट का लाभ उठाने के लिए विदेशी कंपनी को चार शर्तें पूरी करनी होंगी। पहली ये है कि विदेशी कंपनी अधिसूचित हो। कंपनी अधिनियम के अनुसार, विदेशी कंपनियां वे होती हैं जिनका गठन भारत के बाहर हुआ हो और जिनका भारत में व्यवसाय स्थल हो। ये कंपनियां विदेशी पूंजी से स्थापित होती हैं। 2020 से 2024 के बीच विभिन्न क्षेत्रों की 350 विदेशी कंपनियों ने कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में पंजीकरण कराया है। दूसरी ये है कि भारत में जिस डेटा सेंटर कंपनी से सेवाएं ली जा रही हैं, वह भारतीय कंपनी हो। तीसरी ये है कि डेटा सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिसूचित हो। विदेशी कंपनी का भारतीय उपयोगकर्ताओं को सेवाएं एक भारतीय रीसेलर इकाई (जो कि भारतीय कंपनी हो) से प्रदान करना चौथी शर्त है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि घरेलू आर्थिक गतिविधियों से होने वाली आय पर लाभ यानी निवासी डेटा सेंटर द्वारा वैश्विक इकाई को दी गई डेटा सेंटर सेवाएं और निवासी रीसेलर इकाई द्वारा भारतीय ग्राहकों को क्लाउड सेवाओं की रीसेल अन्य घरेलू कंपनियों की तरह ही कर योग्य रहेगा।

किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए स्वतंत्र है भारत : रूस

मास्को, एजेंसी

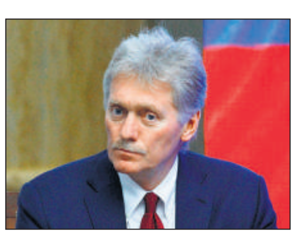

- रूस, भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एकमात्र देश नहीं

रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन ने बुधवार को कहा कि भारत किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र है और अपने आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाने के उसके फैसले में कुछ भी नया नहीं है।

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि हम और अन्य अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञ इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि रूस, भारत को तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति करने वाला एकमात्र देश नहीं है। भारत हमेशा से अन्य देशों से भी ये उत्पाद खरीदता रहा है, इसलिए हमें इसमें कुछ भी नया नजर नहीं आता। उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस दावे के बारे में पूछा गया था, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूसी तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से कच्चा तेल खरीदने पर सहमत हो गए हैं। इससे एक दिन पहले पेसकोव ने स्पष्ट किया था कि रूस को भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद बंद करने के संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान या सूचना प्राप्त नहीं हुई है। निजी व्यावसायिक रेडियो स्टेशन कोमर्सेंट एफएम ने इस ओर ध्यान दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रंप के दावों के विपरीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूसी तेल के आयात को रोकने से संबंधित किसी भी समझौते का कोई उल्लेख नहीं किया।

रूस के नेशनल एनर्जी सिक्योरिटी फंड के प्रमुख विशेषज्ञ इगोर युशकोव ने कहा कि भारतीय तेल शोधन संयंत्र रूसी कच्चे तेल का आयात पूरी तरह बंद नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिस शेल ऑयल का निर्यात करता है, वह हल्के श्रेणी का होता है। इसके विपरीत, रूस अपेक्षाकृत भारी और सल्फर युक्त यूराल्स तेल की आपूर्ति करता है। भारतीय तेल शोधन संयंत्रों के ढांचे के अनुसार, उन्हें अमेरिकी तेल को अन्य श्रेणी के साथ मिलाना होगा, जिससे अतिरिक्त लागत आएगी। ऐसे में रूस के तेल को पूरी तरह अमेरिका से बदलना संभव नहीं होगा। युशकोव ने कहा कि रूस आमतौर पर भारत को प्रतिदिन 15 से 20 लाख बैरल तेल निर्यात करता है। अमेरिका इस मात्रा की भरपाई करने में सक्षम नहीं है। ट्रंप केवल यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने व्यापार वार्ता जीत ली है और समझौता पूरी तरह अमेरिकी मांगों के अनुरूप है।

आरबीआई की बैठक में रेपो दर यथावत रखने की संभावना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति ने बुधवार को द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया। यह बैठक आम बजट और भारत-अमेरिका समझौते की घोषणा पर हो रही है। समिति का फैसला शुक्रवार सुबह गवर्नर मल्होत्रा घोषित करेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार रिजर्व बैंक इस बार यथास्थिति बनाए रख सकता है। कुछ के अनुसार, उधारी लागत को और कम करने के लिए केंद्रीय बैंक एक और दर कटौती कर सकता है। बीओएफए ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई का दर कटौती चक्र फिलहाल समाप्त होता दिख रहा है। व्यापार समझौते से विकास को लेकर निश्चितता बढ़ेगी और उच्च आवृत्ति संकेतकों में दिख रहा मौजूदा सकारात्मक रुझान आगे बना रह सकता है। आरबीआई ने अब ब्याज दरों में कटौती बंद कर दिया है, लेकिन तरलता प्रावधानों का सावधानीपूर्वक प्रबंधन जारी रखेगा।

व्यापार समझौते पूंजी सृजन में लाते हैं तेजी : सेबी प्रमुख

- तुहिन कांत बोले- ऐसे कदम निवेश संबंधी फैसलों को कर सकते हैं प्रोत्साहित
- एसटीटी बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से किया इन्कार

मुंबई, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि अमेरिका जैसे देशों के साथ व्यापार समझौतों के जरिये व्यापारिक तनाव खत्म होने से अनिश्चितताएं दूर होती हैं, जिससे पूंजी सृजन में तेजी आने में मदद मिलती है। पांडेय ने कहा कि ऐसे कदम निवेश संबंधी फैसलों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मूल रूप से जब किसी नियामकीय कार्रवाई का बोझ हटता है और व्यापारिक तनाव खत्म होते हैं, तो पूंजी सृजन की प्रक्रिया हमेशा तेज होती है। अनिश्चितताओं के दूर होने से निवेश निर्णयों को बल मिलता है और पूंजी को लेकर अधिक समझ आती है। कुल मिलाकर कि व्यापार से जुड़े जो समझौते हुए हैं, उनसे काफी हद तक अनिश्चितताएं दूर हुई हैं। कॉरपोरेट बॉण्ड बाजार को मजबूती देने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के सम्मेलन से इतर पांडेय ने वायदा-विकल्प सौदों पर प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव पर टिप्पणी करने से हालांकि इन्कार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस समय हम किसी भी नए कदम पर विचार नहीं कर रहे हैं और जो ढांचा हमने लागू किया है, वही जारी रहेगा। बॉण्ड बाजार को मजबूती पर पांडेय ने कहा कि सेबी के सर्वेक्षण के अनुसार, अधिक निवेशक बॉण्ड बाजार की तुलना में क्रिप्टोकरेंसी के बारे में जानते हैं। पिछले एक दशक में बॉण्ड बाजार में स्वागतयोग्य वृद्धि हुई है, लेकिन बाजार को और मजबूत करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररमन राममूर्ति ने एक निश्चित सीमा से अधिक वित्त जुटाने के लिए सार्वजनिक निर्गम के जरिये कॉरपोरेट बॉण्ड बाजार तक पहुंच को अनिवार्य करने और जारीकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के लिए कर छूट देने का सुझाव दिया। बीएसई और एनएसई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में हितधारकों ने अपनी मंशा को बेहतर तरीके से व्यक्त करने के लिए बॉण्ड्स – एक सशक्त बंधन टैगलाइन (प्रचार पंक्ति) भी पेश की।

कॉरपोरेट बॉण्ड के लिए कार्यक्रम में भाषण देते सेबी अध्यक्ष तुहिन कांता पांडे।

सेबी ने मध्यस्थों के लिए उपयुक्त और सक्षम व्यक्ति ढांचे में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बुधवार को बाजार मध्यस्थों के लिए लागू उपयुक्त और सक्षम व्यक्ति ढांचे में व्यापक बदलावों का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य नियामकीय प्रक्रिया में अधिक स्पष्टता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाना है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अपने परामर्श पत्र में बाजार मध्यस्थ विनियम, 2008 की अनुसूची-2 में संशोधन सुझाए हैं। ये प्रावधान मध्यस्थों, उनके प्रमुख प्रबंधन कार्मिकों (केएमपी) और नियंत्रण रखने वाले व्यक्तियों पर लागू होते हैं। बाजार मध्यस्थों की श्रेणी में शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड वितरक एवं निवेश सलाहकार आते हैं। इन प्रस्तावों के तहत सेबी ने सुनवाई के अधिकार को नियमों में स्पष्ट रूप से शामिल करने, अयोग्यता से जुड़े मामलों के दायरे को परिभाषित करने और आवेदकों के लिए नियामकीय अनिश्चितता कम करने की सिफारिश की है। नियामक ने परिसमापन कार्यवाही शुरू होने मात्र को ही अयोग्यता मानने का संदर्भ हटाने का प्रस्ताव दिया है।

पहले ही रोके जा सकते हैं कैंसर के 30 प्रतिशत मामले : संयुक्त राष्ट्र

- आईएआरसी के ताजा शोध के हवाले से किया गया दावा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र की कैंसर अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी (आईएआरसी) के एक ताजा अध्ययन में सामने आया है कि कैंसर के लगभग 30 प्रतिशत मामलों को पहले ही रोका जा सकता है। यह अध्ययन तंबाकू, शराब, उच्च बॉडी मास इंडेक्स, शारीरिक निष्क्रियता, वायु प्रदूषण और पराबैंगनी विकिरण सहित 30 रोकथाम योग्य कारणों पर आधारित है।

विश्व कैंसर दिवस, चार फरवरी के अवसर पर जारी इस अध्ययन में पहली बार नौ कैंसर पैदा करने वाले संक्रमणों को भी शामिल किया गया है, जैसे कि ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी), जो सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर का कारण बन सकता है। वर्ष 2020 में दुनिया भर में लगभग एक करोड़ मौतें इसी बीमारी से हुईं, जो कि लगभग हर छह मौतों में से एक का कारण है। अनुमान बताते हैं कि यदि वर्तमान रुझान जारी रहा, तो 2040 तक नए मामलों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जो प्रभावी रोकथाम रणनीतियों की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है।

185 देशों में किया गया अध्ययन

अध्ययन में 185 देशों और 36 प्रकार के कैंसर के आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इस तरह का अनुमान है कि वर्ष 2022 में कैंसर के कुल नये मामलों में से 37 प्रतिशत (लगभग 71 लाख) ऐसे थे जिन्हें रोका जा सकता था। डब्ल्यूएचओ के कैंसर नियंत्रण टीम के प्रमुख डॉ. आंद्रे इल्बावी ने कहा, देशों और जनसंख्या समूहों के स्वरूपों की जांच करके, हम अधिक विशिष्ट जानकारी दे सकते हैं ताकि कई कैंसर के मामलों को शुरू होने से पहले ही रोकने में मदद मिल सके।

ऑनलाइन गेमिंग की घातक लत

डिजिटल डेथ ट्रैप

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद (भारत सिटी सोसाइटी) में 4 फरवरी 2026 को एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। यहां तीन सगी बहनों (निशिका 16, प्राची 14 और पाखी 12) ने नौवीं मंजिल से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि ये किशोरियां एक कोरियन लव गेम (जिसे वी आर कोरियन-स्टा या लव गेम भी कहा जा रहा है) की बुरी तरह आदी थीं। उनके सुसाइड नोट में सॉरी पापा के साथ-साथ कोरियाई संस्कृति और गेम के प्रति उनके जुनून की झलक मिली, जहां उन्होंने लिखा था कि वे इसके बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकतीं। यह मामला केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि उस डिजिटल मकड़जाल का हिस्सा है जो बच्चों को धीरे-धीरे वास्तविकता से काटकर मौत के मुहाने तक ले जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारण

- व्यवहार सुदृढ़ीकरण : ये गेम टास्क-आधारित हो सकते हैं। छोटे टास्क पूरे करने पर मिलने वाली डोपामाइन की लहर बच्चों को इसका आदी बना सकती है।
- भावनात्मक शून्यता और अलगाव : गेम की दुनिया में डूबे बच्चे स्कूल जाना बंद कर देते हैं और सामाजिक संबंधों से कट जाते हैं। गाजियाबाद की बहनें भी दो साल से स्कूल नहीं गई थीं।
- नियंत्रण खोना : किशोरों का मस्तिष्क पूरी तरह विकसित नहीं होता, जिससे वे सही-गलत का फैसला नहीं कर पाते। जब माता-पिता गेम पर प्रतिबंध लगाते हैं, तो वे इसे अपनी पहचान पर हमला मानते हैं।
- आत्महत्या का संक्रमण : जब एक ही परिवार के बच्चे एक साथ गेम खेलते हैं, तो वे एक-दूसरे के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, जिससे सामूहिक आत्मघाती कदम उठाने का जोखिम बढ़ जाता है।

कानूनी स्थिति और प्रतिबंध

- आईटी एक्ट की धारा 69ए : सरकार उन ऐप्स या गेम्स को प्रतिबंधित कर सकती है जो सार्वजनिक व्यवस्था या सुरक्षा के लिए खतरा हों।
- ब्लू व्हेल पर कार्रवाई : भारत सरकार ने पूर्व में इंटरनेट दिग्गजों (गूगल, फेसबुक, इंस्टाग्राम) को निर्देश दिया था कि वे ब्लू व्हेल गेम के लिंक तुरंत हटा दें।
- वर्तमान स्थिति : हालांकि विशिष्ट 'कोरियन गेम्स' पर अभी राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध नहीं है, लेकिन पुलिस और साइबर एजेंसियां ऐसे संदिग्ध ऐप्स की जांच कर रही हैं।

चेतावनी के संकेत

- अचानक से स्कूल जाना या पढ़ाई छोड़ देना।
- रात-रात भर जागकर फोन का इस्तेमाल करना।
- शरीर पर रहस्यमय कट या निशान होना।
- मोबाइल छीनने पर अत्यधिक गुस्सा या हिंसक व्यवहार करना।
- अकेले कमरे में बंद रहना और परिवार से दूरी बना लेना।

बचाव के उपाय

- संवाद बढ़ाएं : बच्चों से बात करें। अहसास दिलाएं कि वे अकेले नहीं हैं।
- डिजिटल डिटॉक्स : फोन के इस्तेमाल के लिए समय सीमा तय करें। भोजन और सोते समय फोन का प्रयोग वर्जित करें।
- पैरेंटल कंट्रोल : मोबाइल में पैरेंटल कंट्रोल सेटिंग्स का उपयोग करें ताकि आपत्तिजनक ऐप्स डाउनलोड न हो सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

यौन उत्पीड़न केस में भारतीय दोषी करार

न्यूयॉर्क। अमेरिका की एक संघीय जिला अदालत ने एक भारतीय नागरिक को विमान में महिला का यौन उत्पीड़न करने के मामले में दोषी करार दिया है। बिना वैध नागरिकता के रह रहे वरुण अरोड़ा (38) को मई में सजा सुनाई जाएगी और उसे दो साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अदालती विवरण और मुकदमे में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, अगस्त 2024 में रोड आइलैंड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए विमान के उतरने के दौरान अरोड़ा ने महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था।

पंजाब में ड्रोन से गिराई चार किग्रा हेरोइन

तरनतारन। पंजाब में तरन तारन पुलिस ने बुधवार को सीमा सुरक्षा बल के साथ संयुक्त अभियान में सीमा चौकी कालियान के कृषि क्षेत्रों से 3.925 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि हेरोइन की खेप बरामद करने के अलावा पुलिस टीम ने एक डीजेआई मैट्रिस ड्रोन भी बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल पाकिस्तान स्थित तस्करों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार से खेप पहुंचाने के लिए किया जाता था।

नाइजीरिया में 162 लोगों की हत्या की

सोकोतो। पश्चिमी नाइजीरिया के दो गांवों पर हमलों के दौरान हथियारबंद चरमपंथियों ने कम से कम 162 लोगों की हत्या कर दी। हालिया महीनों में यह सबसे बर्बर हमला है। स्थानीय सांसद मोहम्मद उमर ने कहा कि हमले मंगलवार की शाम को क्वारा राज्य के वोरो और नुकु गांवों में किए गए। ये हमले लकुरावा नामक संगठन ने किए, जो इस्लामिक स्टेट से जुड़ा समूह है।

ट्रंप से बैठक के बाद कोलंबिया पड़ा नरम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने व्हाइट हाउस में लगभग दो घंटे तक चली बैठक को मैत्रीपूर्ण और सकारात्मक बताया है। महीनों से चले आ रहे तीखे बयानों और राजनयिक गतिरोध के बाद इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों के सुधरने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। बैठक के बाद ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा कि हमारी मुलाकात बहुत अच्छी रही। पेट्रो शानदार व्यक्ति हैं। उनका यह बयान चौंकाने वाला है क्योंकि कुछ ही हफ्ते पहले ट्रंप ने पेट्रो को बीमार और नशीली दवाओं का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति बताया था। पेट्रो ने भी सोशल मीडिया पर ट्रंप के साथ हाथ मिलाते हुए फोटो साझा की।

ड्रोन हमले की घटना के बाद ईरान अमेरिका वार्ता की उम्मीद धूमिल

अपने विमान वाहक पोत के करीब अमेरिका ने मार गिराया था ईरानी ड्रोन

- ईरान की सफाई, ड्रोन से टूट गया था संपर्क, कारणों की हो रही जांच

काहिरा, एजेंसी

ईरानी सशस्त्र बलों के एक ड्रोन ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय जल क्षेत्रों में एक निरीक्षण मिशन पूरा किया, जिसके ठीक बाद अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया है जिसने एक विमान वाहक के करीब आक्रामक रूप से आने की कोशिश की थी। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा कि ईरान का अपने एक ड्रोन से संपर्क टूट गया जिसके कारणों की जांच की रही है। ऐसा माना जा रहा है कि दोनों तरफ से हुई इस आक्रामक कार्रवाई से दोनों देशों में बातचीत की उम्मीद प्रभावित हो सकती है।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने इससे पहले कहा था कि अरब सागर में एक अमेरिकी एफ-35सी युद्धक विमान को ईरानी शाहेद-139 ड्रोन को मार गिराने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईरानी ड्रोन यूएसएस अब्राहम लिंकन की ओर अनावश्यक रूप से पैंतरेबाजी की, जब विमानवाहक पोत ईरानी तट से लगभग 800 किलोमीटर दूर अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र से गुजर रहा था। ड्रोन को आत्मरक्षा की कार्रवाई में मार गिराया गया। इस मुठभेड़ में कोई भी अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ और न ही किसी उपकरण को नुकसान पहुंचा। यह मुठभेड़ आने वाले दिनों में अमेरिका-ईरान वार्ता की अस्थायी संभावनाओं के बीच हुई है। इससे पहले दिन में, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा था कि उन्होंने विदेश मंत्रालय को अमेरिका के साथ निष्पक्ष एवं न्यायसंगत बातचीत करने का निर्देश दिया है। एक्स पर पेज़ेश्कियन ने कहा कि यह कदम क्षेत्रीय सरकारों द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वार्ता प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के अनुरोध के बाद उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कोई भी वार्ता गरिमा, विवेक एवं तत्परता की सीमाओं में होनी चाहिए।

ओमान में हो सकती है दोनों देशों में वार्ता

दुबई। तनाव के बावजूद दोनों देशों में ओमान में वार्ता हो सकती है। ईरानी समाचार एजेंसियों ने खबर दी है कि ईरान और अमेरिका के बीच शुक्रवार को ओमान में वार्ता संभव है। हालांकि ओमान ने यह स्वीकार नहीं किया कि वह वार्ता की मेजबानी करेगा। ओमान ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु वार्ता के कई दौरों की मेजबानी कर चुका है। अमेरिका ने भी इस बात की पुष्टि नहीं की है कि वार्ता ओमान में होगी। हालांकि, व्हाइट हाउस ने वार्ता होने की उम्मीद जताई है। तुर्की ने भी मध्यस्थता की पेशकश की है। वहीं ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि आगामी दिनों में होने वाली वार्ताओं के लिए स्थान तय करने को विचार-विमर्श जारी है।

ईरान के मुद्दे पर शी जिनपिंग-ट्रंप में फोन पर चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्होंने ईरान के मुद्दे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ फोन पर चर्चा की। ईरान को अलग-थलग करने के लिए चीन और अन्य देशों पर दबाव बनाने के अमेरिकी प्रशासन के प्रयासों के बीच दोनों नेताओं ने बातचीत की है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने जिनपिंग से व्यापार और ताइवान समेत अमेरिका-चीन संबंधों से जुड़े मुद्दों और अप्रैल में चीन यात्रा की अपनी योजना पर भी बात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, चीन और राष्ट्रपति शी के साथ मेरे व्यक्तिगत संबंध बहुत अच्छे हैं और हम दोनों को पता है कि संबंध को जस का तस रखना कितना महत्वपूर्ण है।

महत्वपूर्ण खनिजों का कुछ क्षेत्रों में सिमट जाना वैश्विक जोखिम

- मंत्रिस्तरीय खनिज सम्मेलन में बोले विदेशमंत्री जयशंकर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में एक बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों का कुछ ही जगहों पर अत्यधिक संकेंद्रण होने से संबंधित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए बुधवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं के समक्ष जोखिम को कम करना जरूरी है। वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा आयोजित पहले 'क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल' सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी 'फोर्ज' नामक पहल के प्रति भारत के समर्थन की भी जानकारी दी।

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज वाशिंगटन डीसी में क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल सम्मेलन को संबोधित किया। अत्यधिक संकेंद्रण से जुड़ी चुनौतियों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से आपूर्ति श्रृंखलाओं के जोखिम को कम करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन समेत पहलों के जरिए अधिक लचीलापन हासिल करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। मंत्रिस्तरीय सम्मेलन शुरू होने से पहले जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालकृष्णन समेत कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने नीदरलैंड्स, इटली, मलेशिया, बहरीन, मंगोलिया, पोलैंड, रोमानिया, इजराइल और उज्बेकिस्तान के अपने समकक्षों से भी बातचीत की। खनिज सम्मेलन से पूर्व विदेशमंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की जिसमें रुबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में हुए व्यापार समझौते का स्वागत किया।

वित्त मंत्री बेसेंट से आर्थिक साझेदारी पर चर्चा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग आगे बढ़ाने पर चर्चा की। जयशंकर ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से मिलकर खुशी हुई। भारत-अमेरिका आर्थिक साझेदारी और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई। वहीं बेसेंट ने एक पोस्ट में कहा कि उन्हें जयशंकर से मुलाकात करके अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि इस बातचीत के दौरान हमने आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के महत्व के साथ-साथ आपसी हित के अन्य राष्ट्रीय और आर्थिक सुरक्षा मुद्दों पर भी चर्चा की।

ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही आवास छोड़ा

लंदन। यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जुड़ी विवादित फाइल में नाम सामने आने के बाद पूर्व प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर ने विंडसर कैसल एस्टेट में स्थित अपने आवास 'रॉयल लॉज' को छोड़ दिया है। एप्स्टीन फाइल सार्वजनिक होने के बाद से ब्रिटेन के राजनीतिक नेताओं के एक वर्ग पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

महाराज चार्ल्स तृतीय के भाई एंड्रयू (65) ने पिछले साल अपनी सभी उपाधियां त्याग दी थीं, जिसके तहत उन्हें 77 वर्षीय महाराज के शाही एस्टेट में स्थित अपना आवास खाली करना था। एप्स्टीन फाइल में अनुचित व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद उनपर आवास खाली करने का दबाव बढ़ गया था।

जापान व बांग्लादेश में रक्षा और तकनीक पर समझौता

- दोनों एक-दूसरे को करेंगे तकनीक और उपकरण का आदान-प्रदान

टोक्यो, एजेंसी

जापान और बांग्लादेश ने रक्षा उपकरणों और तकनीक के आदान-प्रदान को लेकर समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जापान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया, तीन फरवरी को ढाका में जापान के बांग्लादेश स्थित राजदूत साइडा शिनिची और बांग्लादेश सरकार के सशस्त्र बल प्रभाग के प्रधान स्टाफ अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल एसएम कमरुल हसन ने दोनों देशों की सरकारों के बीच रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए।

समझौता उसी दिन से प्रभाव में आ गया है। बयान में कहा गया कि यह समझौता दोनों सरकारों के बीच संयुक्त रूप से निर्धारित परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए रक्षा उपकरणों और तकनीक के प्रबंधन का एक कानूनी ढांचा स्थापित करता है। इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल होंगी जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा में योगदान देंगी। समझौते के तहत यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि हस्तांतरित किए गए रक्षा उपकरणों और प्रौद्योगिकी का किसी तीसरे पक्ष को आगे स्थानांतरण या दुरुपयोग न हो। इसके लिए उपयुक्त नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी। जापानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस समझौते से जापान और बांग्लादेश के बीच रक्षा सहयोग को मजबूती मिलेगी।

सात फरवरी को मलेशिया जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार से मलेशिया की दो-दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जिसका मकसद व्यापार, निवेश, ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह प्रधानमंत्री मोदी की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी, और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदले जाने के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी।

इस यात्रा के दौरान मोदी मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। मोदी भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी संवाद करेंगे।

गाजा में इजराइली हमले में 21 लोगों की गई जान

- अपने एक सैनिक की मौत पर इजराइल का जवाबी हमला

दीर अल बलाह, एजेंसी

गाजा में इजराइली गोलीबारी में कम से कम 21 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। वहीं, इजराइल का कहना है कि आतंकियों की तरफ से की गई गोलीबारी में उसका एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसने जवाबी कार्रवाई की। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इजराइली गोलीबारी में मारे गए लोगों में सात महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं।

दस अक्टूबर, 2025 को लागू हुए संघर्षविराम के बाद से फलस्तीनियों की मौत की ये ताजा घटना है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस समझौते के लागू होने के बाद से इजराइली गोलीबारी में 530 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए हैं। गाजा शहर के शिफा अस्पताल के निदेशक डॉ. मोहम्मद अबू सेल्मिया ने फेसबुक पोस्ट पर कहा कि गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार वाली जंग जारी है। संघर्षविराम कहां है? मध्यस्थ कहां हैं? अस्पताल ने बताया कि बुधवार सुबह इजराइली सैनिकों ने उत्तरी गाजा के तुफाह इलाके में एक इमारत पर गोलीबारी की। उसने बताया कि इस हमले में कम से कम 11 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के थे।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की हत्या

त्रिपोली। लीबिया के पूर्व तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी के बेटे और कभी देश के सबसे शक्तिशाली उत्तराधिकारी माने जाने वाले 53 वर्षीय सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की हत्या कर दी गई है। द लीबिया आब्जर्वर ने जानकारी दी कि उनके राजनीतिक सलाहकार अब्दुल्ला उस्मान अब्दुर्रहीम ने इस खबर की पुष्टि की है। इस घटना से लीबिया में वर्षों से चली आ रही उनकी स्थिति को लेकर अनिश्चितता समाप्त हो गई है। यह घटना मंगलवार दोपहर पश्चिमी लीबिया के जिंतान शहर में हुई। बताया जा रहा है कि चार नकाबपोश बंदूकधारियों ने सैफ अल-इस्लाम के आवास पर हमला किया। हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले घर के बाहर लगे कैमरों को नष्ट कर दिया।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 5 फरवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 6 फरवरी 00.22 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

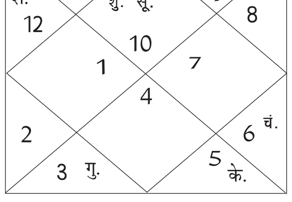

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।

चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 22.57 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष - आज रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सहकर्मियों की किसी बात पर आप नाराज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके रचनात्मक विचारों की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी भी प्रकार के व्यसन व बुरी आदतों से दूर रहें।

वृष - आज परिवार के साथ समय अवश्य बिताएं। आपकी योजनाओं में अचानक बदलाव आने से काम बिगड़ सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें।

मिथुन - आज आप कुछ नई रिस्क्स पर काम कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध काफी अच्छे रहेंगे। आपका आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। आपको व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे।

कर्क - आज प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। फाइनेंस को लेकर स्थिति मजबूत होगी। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें। नौकरी में पदोन्नति मिलने की संभावना है। लोग पीठ पीछे आपकी आलोचना करेंगे।

सिंह - आज उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आ रही परेशानियां दूर होंगी। समस्याओं का समाधान होने से आपका तनाव दूर होगा। परिवार के साथ उत्तम समय बिताएंगे। अपनी कार्यशैली में सार्थक परिवर्तन ला सकते हैं।

कन्या - आज का दिन आपको काफी परेशान कर सकता है। मानसिक रूप से अस्थिरता महसूस करेंगे। अपने काम पर आपको अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। लंबी दूरी की यात्रा आज न करें। मित्रों के साथ झगड़ा हो सकता है।

तुला - आज आय के नए स्रोत बन सकते हैं। लोग आपकी बातों से अत्यंत प्रभावित रहेंगे। बच्चों की सफलता से आपको गौरव की अनुभूति होगी। दोस्तों की सलाह आपके लिए काफी काम आने वाली है। संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक - आज अपने काम की गुणवत्ता में सुधार करना पड़ेगा। अपने कारोबार को लेकर बड़ा लक्ष्य बनाएंगे। उच्च शिक्षण संस्थान के प्रवेश में आ रही बाधा दूर होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको पिता के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए।

धनु - आज यदि आप नौकरी बदलना चाह रहे हैं, तो दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च अधिकारियों से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। अध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। ऐसे लोगों से दूर रहें, जो आपको गलत सलाह देते हैं। धार्मिक यात्राओं की योजना बना सकते हैं।

मकर - आज नई संपत्ति में भी बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपके काम के बिगड़ने की संभावना है। आपके विचारों में नकारात्मकता स्थान ले सकती है। अपनी गलतियों को लेकर पश्चाताप हो सकता है।

कुंभ - आज कार्यक्षेत्र में काफी दिनों से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। बुद्धिजीवी लोगों का मार्गदर्शन लेने का अवसर प्राप्त होगा। आप अपने कार्यों को तय समय पर पूर्ण कर लेंगे। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन - आज पुराना ऋण चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। जॉब में आपको नयी टीम के साथ काम करना पड़ सकता है। धैर्यवान होकर अपना काम करें। फिलहाल अधिक अपेक्षा रखना उचित नहीं है। रियल एस्टेट से जुड़े कारोबार में धन लाभ होगा।

सुडोकू-52

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2		3		4				
		8			7		5	
1					5			2
	2			5			3	
9			6		2			5
	1			8			4	
4			1			5		3
	6		5			9		
				2				8

सुडोकू - 51 का हल

3	1	9	6	7	4	8	5	2
2	6	7	5	1	8	4	3	9
5	4	8	9	2	3	6	7	1
4	5	1	2	3	6	7	9	8
7	3	2	8	4	9	5	1	6
9	8	6	7	5	1	2	4	3
8	9	4	3	6	5	1	2	7
1	7	3	4	8	2	9	6	5
6	2	5	1	9	7	3	8	4

मेरी फिटनेस दिन-ब-दिन बेहतर हो रही है। मैं बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत कर रहा हूं, और मुझे लगता है कि मैं जल्द ही खेल के मैदान पर वापस आऊंगा। लोगों का सपोर्ट ने मेरा हौसला बढ़ाया है।
–ऋषभ पंत

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, गुरुवार ,5 फरवरी 2026

हाईलाइट

देविका ने सफलता का श्रेय सिंधु को दिया

नई दिल्ली। थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 की विजेता देविका सिहाग ने अपनी इस शानदार जीत का श्रेय दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु के साथ कई महीनों के अभ्यास और मशहूर कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन को दिया। हरियाणा की यह 20 वर्षीय खिलाड़ी साइना नेहवाल और सिंधू के बाद सुपर 300 महिला एकल खिताब जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला शटलर बन गईं है। देविका ने पीटीआई वीडियो से कहा सिंधु दीदी के खेल को करीब से देखना और उनके साथ अभ्यास करना मेरे लिए बहुत मददगार साबित हुआ। वह बहुत अनुशासित और मेहनती हैं और इससे मुझे भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली।

निराशा को पीछे छोड़ पाना मुश्किल : सलाहुद्दीन

ढाका। बांग्लादेश के सीनियर असिस्टेंट कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन ने बुधवार को कहा कि क्रिकेटरों के लिए आने वाले टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने की निराशा को पीछे छोड़ना मुश्किल है। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत न आने का फैसला किया और बाद में आईसीसी ने उनकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। यह पहली बार है जब बांग्लादेश टीम मैनेजमेंट के किसी सदस्य ने सबके सामने कहा है कि टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मौका गंवाना पूरी तरह से निराशाजनक बात है।

सुमित नागल। एजेंसी

अच्छी तैयारी करते दिख रहे हैं नागल

बेंगलुरु। भारत की डेविस कप टीम ने बुधवार को यहां एक कड़े और व्यवस्थित अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया जिसमें शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने धीरे-धीरे अपनी तीव्रता बढ़ाई क्योंकि टीम नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। हाल ही में कूल्हे की चोट के बाद वापसी कर रहे नागल ने दक्षिणेश्वर सुरेश के साथ सत्र शुरू किया। शुरुआती पलों में नागल अपनी मूवमेंट को लेकर सतर्क दिखे लेकिन उन्होंने बेसलाइन से धीरे-धीरे लय पकड़ ली। दक्षिणेश्वर ने अपनी सर्विस में निरंतरता से प्रभावित किया जबकि नागल ने टाइमिंग और नियंत्रित शॉट लगाने पर ध्यान केंद्रित किया। पास के कोर्ट पर करण सिंह ने पहले युवा खिलाड़ी अर्णव पापर्कर के साथ अभ्यास किया और फिर साझेदार बदलकर बाएं हाथ के खिलाड़ी अनिरुद्ध चंद्रशेखर के साथ खेले।

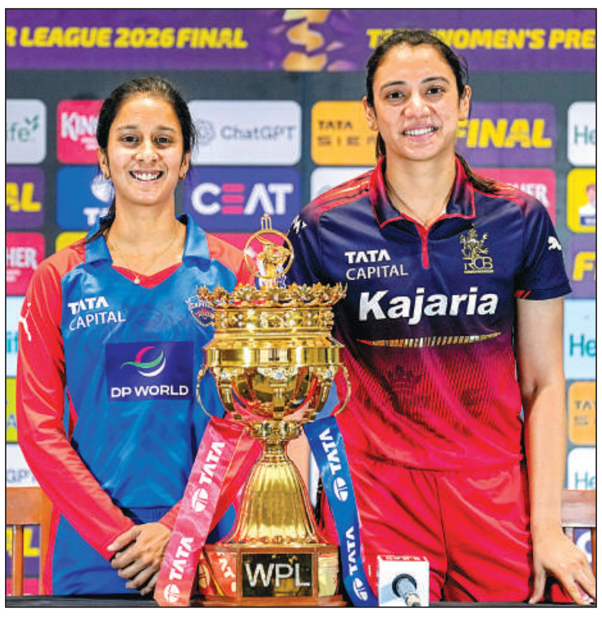

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स (बाएं) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना महिला प्रीमियर लीग फाइनल से पहले ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आरसीबी की निगाह दूसरे खिताब पर, मिथक तोड़ने उतरेगी दिल्ली

वडोदरा, एजेंसी

लीग चरण में खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके उत्साह से लबरेज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में दूसरा खिताब जीतने की कोशिश करेगी जबकि पिछले तीन बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स की टीम खिताबी मुकाबले में हार के मिथक को तोड़ने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन दोनों टीम के हाल के प्रदर्शन को देखते हुए यह निश्चित है कि फाइनल में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा।

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : जेमिमा रॉड्रिग्स (कप्तान), तानिया भाटिया, लुसी हैमिल्टन, चिनेले हेनरी, मारिजान काप, अलाना किंग, लिजेल ली, मिन्नू मणि, निकी प्रसाद, स्नेह राणा, शैफाली वर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, प्रगति सिंह, सुजाना, लॉरा वोलवार्ट।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : स्मृति मंधाना (कप्तान), लॉरेन बेल, नादिन डी क्लर्क, ऋचा घोष, ग्रेस हैरिस, दयालन हेमलता, गौतमी नाइक, श्रेयांका पाटिल, कुमार प्रथ्योशा, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे, लिन्से स्मिथ, पूजा वस्त्राकर, जॉर्जिया वोल, राधा यादव।

पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। इस सत्र में आरसीबी की किसी न किसी खिलाड़ी ने जरूरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती बन गई है। स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी करना चाहेगी। पिछले दो मैच में उसने शानदार प्रदर्शन करके अच्छी लय के साथ फाइनल में प्रवेश किया है। उसने यूपी वॉरियर्स को पिछले मैच में ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ग्रेस हैरिस की 75 रन की तूफानी पारी से आठ विकेट से हराया जबकि गुजरात जाएंट्स के खिलाफ गौतमी नाइक की 73 रन की पारी की मदद से 2024 की चैंपियन टीम ने 61 रन से जीत दर्ज की थी।

- **महिला प्रीमियर लीग का फाइनल शाम 7:30 बजे से**

आरसीबी की चिंता इस सत्र में उसके कुछ बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। इनमें मंधाना, हैरिस, जॉर्जिया वोल और ऋचा घोष भी शामिल हैं लेकिन कुछ अवसरों पर उनका योगदान निर्णायक साबित हुआ है। वहीं तेज गेंदबाज़ नादिन डी क्लर्क और सायली सतघरे ने अहम मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीका की नादिन डी क्लर्क ने इस सत्र में आठ मैचों में 15 विकेट लिए हैं जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर चार विकेट है। फाइनल में उनकी भूमिका निर्णायक साबित हो सकती हैं। श्रेयांका पाटिल टीम को स्पिन विभाग में मजबूती प्रदान करती हैं, जिसका प्रमाण गुजरात जायंट्स के खिलाफ मिली जीत में देखने को मिला, जिसमें उन्होंने पांच विकेट लिए थे। मंधाना की टीम की खासियत एक संतुलित और महत्वपूर्ण क्षणों में शानदार प्रदर्शन करना है।

अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड से टकराएगा भारत

सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

115 रन | 15 चौके
104 गेंद | 02 छक्के

हरारे, एजेंसी

भारत ने आरोन जॉर्ज (115 रन) के शानदार शतक के साथ आईपीएल स्टार वैभव सूर्यवंशी (68 रन) और आयुष म्हात्रे (62 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से बुधवार को यहां अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। भारत अब शुक्रवार को यहां फाइनल में इंग्लैंड से भिड़ेगा। यह अंडर-19 टूर्नामेंट में भारत का 10वां फाइनल होगा।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए फैसल शिनोजादा (110) और उजैरुल्लाह नियाजई (101) के शतकों की मदद से 310 रन बनाए। लेकिन भारत ने यह लक्ष्य 41.1 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस तरह अंडर-19 विश्व कप में भारत ने अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा किया। आरोन (104 गेंद, 15 चौके, दो छक्के) ने बेहतरीन शॉट्स की मदद से शतक जड़ा। उन्हें सूर्यवंशी (33 गेंद, नौ चौके, चार छक्के) और म्हात्रे (59 गेंद, पांच चौके, चार छक्के) का पूरा साथ मिला जिससे भारत का रन-रेट पूरे समय सात से ऊपर ही रहा।

विस्फोटक पारी के दौरान शॉट लगाते वैभव सूर्यवंशी।

सूर्यवंशी ने अपने चिर परिचित अंदाज में बाउंड्री की झड़ी लगाकर पारी को शानदार शुरुआत दी जिसमें ऑफ-स्पिनर वाहिदुल्लाह जादरान के खिलाफ उन्होंने कई बेहतरीन शॉट्स लगाए। इसमें किस्मत ने भी उनका साथ दिया क्योंकि नियाजाई ने अब्दुल अजीज की गेंद पर बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का कैच छोड़ दिया, तब वह 22 रन पर थे। लेकिन इसके बावजूद सूर्यवंशी ने काफी आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने तेज गेंदबाज नूरिस्तानी उमरजई की गेंद पर एक शानदार हेलीकॉप्टर शॉट से छक्का भी लगाया।

सूर्यवंशी ने अपनी पारी में बार बार पुल शॉट खेलने की कोशिश की जो आखिरकार उनके आउट होने का कारण बना। उमरजई की गेंद पर वह सर्कल के अंदर उस्मान सादात के हाथों कैच आउट हुए। इस तरह पहले विकेट की साझेदारी 93 रन पर खत्म हुई। लेकिन आरोन ने फिर म्हात्रे के साथ मिलकर 102 गेंद में 114 रन की साझेदारी की और 27वें ओवर में भारत को 200 के पार पहुंचाया। म्हात्रे इस टूर्नामेंट में अपनी लय पाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और उन्होंने सही समय पर अर्धशतक जड़ा। एक बार फिर आरोन ने एंकर की भूमिका निभाई जबकि म्हात्रे ने टीम को जरूरी रन रेट से आगे रखने के लिए जोखिम भरे शॉट खेले।

- **आरोन जॉर्ज ने लगाया शतक वैभव सूर्यवंशी व आयुष म्हात्रे ने खेली विस्फोटक पारियां**

आरोन जॉर्ज।

टी-20 विश्व कप : अभ्यास मैच

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

- **ईशान किशन ने खेली ताबड़तोड़ पारी, अभिषेक ने लिए दो विकेट**

ईशान किशन की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच में बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हरा दिया। भारत के 241 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 45), रियान रिकेल्टन (44), एडेन मारक्रम (38), जेसन स्मिथ (35) और मार्को यानसेन (31) की पारियों के बावजूद सात विकेट पर 210 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट चटकाए। ईशान ने इससे पहले 20 गेंद में सात छक्कों और दो चौकों से 53 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक शर्मा (24) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की जिससे भारत ने पांच विकेट पर 240 रन बनाए। चोट के बाद वापसी कर रहे तिलक वर्मा ने भी 19 गेंद में तीन छक्कों और इतने ही चौकों से 45 रन की पारी खेली। अक्षर पटेल (नाबाद 35), कप्तान सूर्यकुमार यादव (30) और हार्दिक पंड्या (30) ने भी उपयोगी योगदान दिया। उम्मीद है कि ईशान सात फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ भारत के पहले टी20 विश्व कप मैच में अभिषेक के साथ पारी का आगाज करेंगे। लक्ष्य का पीछा करने उतरे दक्षिण अफ्रीका ने पहले ओवर में ही जॉर्ज लिंडे (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अर्शदीप सिंह की गेंद पर पंड्या को कैच थमाया। मारक्रम ने पंड्या पर लगातार तीन छक्कों के साथ तेवर दिखाए और फिर अर्शदीप पर भी छक्का जड़ा। रिकेल्टन ने भी हर्षित राणा की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा। मारक्रम 19 गेंद में चार छक्कों और दो चौकों से 38 रन बनाकर रिटायर आउट हो गए। रिकेल्टन ने कुलदीप यादव का स्वागत लगातार दो छक्कों के साथ किया लेकिन डेवाल्ड ब्रेविस सिर्फ दो रन बनाकर शिवम दुबे की गेंद पर वर्मा को कैच दे बैठे। वरुण चक्रवर्ती ने अपनी पहली ही गेंद पर रिकेल्टन को विकेटकीपर इशान के हाथों कैच कराया जबकि अक्षर ने डेविड मिलर (13) की पारी का अंत करके दक्षिण अफ्रीका का स्कोर पांच विकेट पर 100 रन किया। जेसन स्मिथ ने कुलदीप पर छक्का मारा।

डेविड मिलर के आउट होने पर जश्न मनाते ईशान किशन और अक्षर पटेल। एजेंसी

पिस्टल शूटर ईशा सिंह ने दिलाए दो स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपियन ईशा सिंह ने पिछले साल के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) के पहले दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और भारत को टीम वर्ग में भी पीला तमगा दिलाने में मदद की, लेकिन विश्व चैंपियन सम्राट राणा को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

21 वर्षीय ईशा ने फाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 239.8 अंक हासिल किए। उन्होंने चीनी ताइपे की दो निशानेबाजों चेंग येन चिंग (235.4, रजत) और यू ऐ वेन (217.7, कांस्य) के अलावा हमवतन सुरुचि सिंह की कड़ी चुनौती से पार पाकर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। इस निशानेबाज ने पिछले साल चीन के निंगबो में आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2024 में 19 वर्ष की आयु में जकार्ता में अपना पहला महाद्वीपीय खिताब जीता था। पहले 10 शॉट के चरण के बाद फाइनल में बढ़त बनाने वाली 19 वर्षीय सुरुचि एलिमिनेशन राउंड में पिछड़ गईं और चौथे स्थान पर रहीं, जबकि पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने और आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं।

एशियाई चैंपियनशिप

- **विश्व चैंपियन सम्राट राणा को करना पड़ा कांस्य पदक से संतोष**

ईशा ने संयम बनाए रखते हुए 10.4 और उससे अधिक के तीन स्कोर बनाकर स्वर्ण पदक के लिए अपना दावा मजबूत किया जबकि इस बीच चीनी ताइपे की दोनों निशानेबाज पिछड़ गईं। क्वालीफाइंग राउंड में सुरुचि 576 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि मनु और ईशा दोनों का स्कोर 575 रहा। इन तीनों ने फाइनल में जगह बनाई। सुरुचि (576), मनु (575) और ईशा (575) की तिकड़ी ने कुल 1726 अंकों के साथ टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले विश्व चैंपियन सम्राट पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछले साल काहिरा में विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सम्राट ने क्वालीफाइंग राउंड में 581 का स्कोर बनाकर दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई।

चेल्सी को हराकर आर्सेनल पहुंचा इंग्लिश लीग कप के फाइनल में

लंदन, एजेंसी

आर्सेनल ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। काई हावर्ट्ज ने मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में अपने पूर्व क्लब के खिलाफ स्टॉपेज टाइम में गोल किया जिससे आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराया।

इस तरह से उसने कुल मिलाकर 4-2 के अंतर से जीत हासिल की। आर्सेनल की टीम ने 2020 से कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन इस सत्र में उसने अब तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

उसकी टीम प्रीमियर लीग में छह अंकों की बढ़त के साथ 2004 के बाद पहली बार इंग्लिश चैंपियन बनने की दौड़ में है और लगातार आठ जीत के बाद चैंपियंस लीग तालिका में भी शीर्ष पर है। इसके अलावा आर्सेनल एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच गया है। इंग्लिश लीग कप के फाइनल में आर्सेनल का मुकाबला 22 मार्च को मैनचेस्टर सिटी या न्यूकैसल से होगा। मैनचेस्टर सिटी की टीम सेमीफाइनल के पहले चरण के बाद 2-0 से आगे है।

गोल का प्रयास करते आर्सेनल के गैब्रियल मार्टिनेली (बाएं) और चेल्सी के ट्रेवोह चालोबा।

कोपा डेल रे के सेमीफाइनल में पहुंचा बार्सिलोना

मैड्रिड। लामिन यामल और रोनाल्ड अरौजो ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया, जिससे बार्सिलोना ने मंगलवार को दूसरी श्रेणी की टीम अल्बासेटे को 2-1 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अल्बासेटे ने राउंड ऑफ 16 में रियाल मैड्रिड को हराकर सबको चौंका दिया था।

बार्सिलोना के सामने भी उसने अच्छी चुनौती पेश की। बार्सिलोना की सभी टूर्नामेंटों में खेले गए पिछले 17 मैचों में यह 16वीं जीत है। वह लगातार चौथी बार कोपा सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड को हराकर खिताब जीता था। बार्सिलोना स्पेनिश लीग में शीर्ष पर है और रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे है। कोपा का सेमीफाइनल दो चरणों में खेला जाएगा। फाइनल अप्रैल में सेविला में होगा।

कवायद | चार साल बाद लौटे मुख्य कोच चाहते हैं टीम को जीत की पटरी पर लाना

महिला हॉकी टीम में एकता वापस लाना चाहते मारिन

नई दिल्ली, एजेंसी

चार साल बाद भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के तौर पर वापसी करने वाले शोर्ड मारिन का ध्यान टीम में एकता, अनुशासन और संस्कृति वापस लाने पर है। उनकी नजरें 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम बनाने पर टिकी हैं।

नीदरलैंड के 71 साल के कोच मारिन 2017 से 2021 तक भारतीय टीम के प्रभारी थे और उनके मार्गदर्शन में महिला टीम ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथा स्थान हासिल किया था। उन्होंने हरेंद्र सिंह की जगह ली है, जिनके मार्गदर्शन में भारत पिछली एफआईएच प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहा था और बाद में उसे एफआईएच नेशंस कप में खिसका दिया गया।

मारिन ने बुधवार को वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मेरा मुख्य ध्यान एक इकाई बनाने पर है, जो बहुत जरूरी है, और संस्कृति वापस लाना है। एक टीम के तौर पर मिलकर काम करना, विश्व कप क्वालीफायर से पहले कम समय में अपना ज्ञान साझा करना, और यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है। उन्होंने कहा एक इकाई, अनुशासन और कार्य आधारित रवैया आपको पदक दिलाएगा। अच्छी बात यह है कि जो स्तर मैंने अब अभ्यास मुकाबलों में देखा है, वह बहुत बेहतर है। हालात बहुत बेहतर हैं, फिटनेस बेहतर है। 2017 में जब मैं जुड़ा था तो स्तर कम था लेकिन इन वर्षों में इसमें सुधार हुआ है।

मारिन ने कहा जब मैंने शुरू किया था उसकी तुलना में अब बहुत बेहतर स्तर है, उनमें गति है। जब मैं सवाल पूछता हूं तो मुझे अधिक जवाब मिलते हैं क्योंकि अब 80 प्रतिशत लड़कियां अंग्रेजी बोलती हैं, वे पढ़ाई कर रही हैं। सब कुछ बेहतर हुआ है। मारिन ने कहा कि वह एक-एक कदम करके आगे बढ़ेंगे क्योंकि टीम आने वाले महीनों में कुछ बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार हो रही है। यह मेरे लिए कदम दर कदम आगे बढ़ने का रवैया है। पहले वर्ल्ड कप क्वालीफायर और फिर नेशंस कप। मुझे पता है कि क्या करना है। मुझे पता है कि मैं 2028 में टीम को कैसा देखना चाहता हूं। टीम के सभी 29 खिलाड़ी मेरे लिए महत्वपूर्ण हैं।

आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं पर हैं नजरें

महिला टीम की नजरें आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर, 2026 एशियाई खेल और ओलंपिक चक्र में आने वाली बड़ी प्रतियोगिताओं पर टिकी हैं। मारिन ने कहा लक्ष्य लॉस एंजिलिस के लिए क्वालीफाई करना है और मेरे लिए यह एक बहुत, बहुत अच्छी और बड़ी चुनौती है। इसे हासिल करना आसान नहीं होगा, क्योंकि दूसरे देशों ने भी प्रगति की है। चुनौती यह है कि इतने सारे टूर्नामेंट आने वाले हैं और इसलिए मैंने 29 खिलाड़ियों की एक बड़ी टीम रखी है। उन्होंने कहा हर टूर्नामेंट महत्वपूर्ण है, लेकिन आखिर में एशियाई खेल महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह ओलंपिक क्वालीफायर है।